देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

त्रिगुट

नासिरा प्रेस
मालवीयनगर-गोण्डा
मो0-9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।
एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

बिना चप्पल के रहने से गिर जाता है हीमोग्लोबिन

लखनऊ। न्यूट्रिशियन कंसल्टेंट मधुश्री अमर उजाला फाउंडेशन और यूनिसेफ की ओर से आयोजित पोषण पर आधारित जिंदगी मास्टर क्लास सीजन-4 के तहत कार्यशाला सत्र में बच्चों से रूबरू थीं। पोषण क्या होता है? संतुलित आहार किसे कहते हैं? क्या आप सब खुद को स्वस्थ मानते हैं? क्या आपको मालूम है कि बिना चप्पल पहने रहने से भी हीमोग्लोबिन कम हो सकता है? ऐसे कई सवालों के साथ यूनिसेफ की न्यूट्रिशियन कंसल्टेंट मधुश्री इटौंजा के रामा कान्वेंट स्कूल में छात्र-छात्राओं के बीच थे। वे अमर उजाला फाउंडेशन और यूनिसेफ की ओर से आयोजित पोषण पर आधारित जिंदगी मास्टर क्लास सीजन-4 के तहत कार्यशाला सत्र में बच्चों से रूबरू थीं। उन्होंने कहा कि हर बच्चा यदि कोशिश करे तो खानपान की आदतें बदली जा सकती हैं। नियम से खाएं, पोषक खाएं और संतुलित खाएं। सत्र में जब बच्चों से उनकी खानपान की आदतों पर बात शुरू हुई तो बच्चों ने कहा- मोमोज, चाऊमीन, मैगी नुकसानदायक तो हैं, पर अच्छी लगती है। हम रोक नहीं पाते।

गोण्डा मंगलवार 10 अक्टूबर 2023 वर्ष 39 अंक 53 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स-05262-230683 डाक पंजीयन संख्या-NP/GONDA-30/2003 पृष्ठ- 8 मूल्य 2.00 रुपये

भारत को वैश्विक मानचित्र पर नया सम्मान दिलाने की नई कामना का नाम है वैक्सीन वार-सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने किया 804 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास

लखनऊ कार्यालय

लखनऊः सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को उन्नाव के ग्राम डौंडियाखेड़ा में 804 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजा राव रामबक्श सिंह की अश्वारोही प्रतिमा का अनावरण किया। सीएम ने कहा कि भारत की सनातन धर्म की परंपरा के अनुसार यह अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का पक्ष-पितृपक्ष है। आजादी की अलख जगाने वाले महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजा रामबख्श सिंह की भव्य-दिव्य प्रतिमा के लोकार्पण का सौभाग्य मिला है। सीएम ने शारदीय नवरात्रि की भी शुभकामनाएं दीं। सीएम ने यूपी के युवाओं से वैक्सीन वार फिल्म देखने का आह्वान करते हुए षडयंत्रों करने वालों को बेनकाब करने की अपील की।

सीएम ने की अपील- यूपी का हर युवा जरूर देखे वैक्सीन वार फिल्म

सीएम ने कहा कि भारत में कोरोना काल में 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन व 220 करोड़ फ्री वैक्सीन देने का कार्य हुआ है। नई फिल्म आई है-वैक्सीन वार, इसमें आप देखेंगे कि भारत की शानदार वैज्ञानिक उपलब्धियों को लेकर भारत ने दुनिया के अंदर क्या मिसाल प्रस्तुत की है।

भारत के खिलाफ षडयंत्र करने वाले शत्रुओं को बेनकाब करने वाला, भारत के महान वैज्ञानिकों के द्वारा किए गए अनुसंधान व भारत को वैश्विक मानचित्र पर नया सम्मान दिलाने की नई कामना का नाम है वैक्सीन वार। हर विद्यार्थी-युवा से कहूंगा कि इस फिल्म को जरूर देखें और भारत की वैज्ञानिक उपलब्धि पर गौरव की अनुभूति करें। उन षडयंत्रों को समझें, जो भारत व भारतीयता के खिलाफ की जा रही है। ऐसा करने कुछ लोग अपना अड्डा सीधा करना चाहते हैं। इन लोगों को समझने, कृत्यों को एक्सपोज करने और दुनिया के सामने बेनकाब किए जाने की आवश्यकता है। वैक्सीन वार उस दिशा में किया गया बेहतरीन प्रयास है। इन्हें जनसमर्थन प्राप्त होना ही चाहिए। मैं आह्वान करूंगा कि यूपी का हर युवा इस फिल्म को देखने जरूर जाए। जब देश महामारी से लड़ रहा था, वह लड़ाई व्यक्ति की नहीं थी। जब कैप्टन के रूप में प्रधानमंत्री लीड कर रहे थे, तब कुछ लोग दुष्प्रचार कर इस लड़ाई को कमजोर करने का प्रयास कर रहे थे। वैक्सीन वार जैसी फिल्म में देश के खिलाफ होने वाले षडयंत्र व चेहरों को भी देखा जा सकता है, जो देश के खिलाफ षडयंत्र करने में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरतते।

हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है उन्नाव

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उन्नाव हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण जगह है। न केवल धार्मिक व आध्यात्मिक जागरण के लिए, बल्कि अनेक सुप्रसिद्ध संतों ने जन्म लेकर और कर्मभूमि बनाकर इस क्षेत्र को सदैव जीवंत बनाए रखने में योगदान दिया। अनेक विभूतियों का सानिध्य इस धरती को मिला है। इस धरा पर क्रांतिकारी नायक-महानायकों ने जन्म लिया है। अपने कृतित्व से इस धरा को धन्य करते हुए आने वाली पीढ़ी के सामने नई पहचान प्रदान की है।

सीएम बोले-एशियन गेम्स में मेडल के रूप में लगी भारत की सेंचुरी

सीएम ने कहा कि मौजूदा काल में भारत ने दुनिया के सामने मानक बनाए हैं। पहली बार एशियन गेम्स में मेडल के रूप में भारत की सेंचुरी लगी। पहली बार भारत ने सौ से अधिक पदक जीते। 2018 में हुए एशियन गेम्स में 70 पदक जीते थे, इस बार 107 मेडल भारत ने जीते। यह नए भारत के नए सामर्थ्य को प्रदर्शित करता है।

संसद में पास हुआ नारी वंदन, अभिनंदन अधिनियम

जी-20 सम्मेलन हुआ तो भारत की संसद ने नारी वंदन, अभिनंदन अधिनियम भी पारित किया। संसद, राज्यों की विधान परिषद व सभाओं में 33 फीसदी आरक्षण की सुविधा महिलाओं प्रतिनिधियों को मिलेगी। इसके लिए भाजपा ने यूपी के अंदर हर विधानसभा क्षेत्र में एक-एक सम्मेलन करने का संकल्प लिया है। नारी शक्ति की तरफ से प्रधानमंत्री जी का आभार।

देश की आजादी को लेकर था राजा रामबख्श सिंह का अभियान

सीएम ने कहा कि राजा रामबख्श सिंह का अभियान देश की आजादी को लेकर था। 1857 के प्रथम स्वातंत्र्य समर से सभी अवगत हैं। यूपी के लाल मंगल पांडेय ने बैरकपुर में इसका आह्वान किया तो कहीं मेरठ-झांसी, कहीं बिठूर, कहीं गोरखपुर में, कौन ऐसा क्षेत्र था जो अछूता रहा हो। एक तरफ झांसी की रानी लक्ष्मीबाई तो एक तरफ तात्या टोपे के नेतृत्व में बिठूर के अंदर, राजा रामबख्श सिंह- बेनीमाधव सिंह के नेतृत्व में यह लड़ाई मजबूती से लड़ी गई। पहली बार भारत ने अहसास कराया था कि मिलकर देश के अंदर से विदेशी हुकूमतों की जड़ों को उखाड़ फेंकने में सफल हो सकते हैं। देखते ही देखते आजादी की यह लौ आगे बढ़ी। चौरीचौरा की घटना इसका परिणाम था। कार्यक्रम में परिवहन राज्यमंत्री/उन्नाव के प्रभारी मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह, राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल, सांसद साक्षी महाराज, जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह, भाजपा के जिलाध्यक्ष अवधेश कटियार, विधायक आशुतोष शुक्ल, अनिल सिंह, पंकज गुप्ता, श्रीकांत कटियार, बृजेश रावत, बंबाराव दिवाकर, विधान परिषद सदस्य रामचंद्र सिंह प्रधान, राज बहादुर सिंह चंदेल, राणा बेनीमाधव सिंह समिति के अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह, ग्राम प्रधान शीला सिंह आदि की मौजूदगी रही।

30 दिन के अंदर ही उपलब्ध करायें सूचना-सूचना आयुक्त

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। आरटीआई को लोगों के लिए लाभदायक बनाने, आरटीआई के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने एवं आरटीआई का जवाब देते समय अधिकारियों के समक्ष आने वाली दिक्कतों के समाधान को लेकर राज्य सूचना आयुक्त सुभाष चंद्र सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में सभी जन सूचना अधिकारियों के साथ समीक्षा व जागरूकता बैठक की।

बैठक के दौरान उन्होंने कई अधिकारियों से बातचीत कर जन सूचना देते समय आने वाली दिक्कतों के बारे में पूछा जिस पर डीपीआरओ एआरटीओ, डीआईओएस, जिला गन्ना अधिकारी सहित विभिन्न अधिकारियों ने अपने-अपने सवाल रखें जिसका सूचना आयुक्त ने विस्तार से जवाब दिया। उन्होंने सभी जन सूचना अधिकारियों से कहा कि वह आरटीआई की धारा 6, 18, 19 व 20 का अच्छी तरह से अध्ययन कर लें इन धाराओं के अध्ययन से उन्हें आरटीआई का जवाब देने में सरलता होगी। आरटीआई के तहत मांगी गयी सूचनाओं आरटीआई के मूल भावना के तहत हो शिकायतों का निस्तारण का जवाब 30 दिन के अंदर आवेदक को उपलब्ध कराया जाए। यदि मांगी गयी सूचना आपके विभाग से संबंधित नहीं है तो उसे 5 दिन के अंदर संबंधित विभाग को अन्तरण कर दिया जाए इसमें कोई भी लापरवाही ना बरती जाए।

उन्होंने जन सूचना अधिकार (आरटीआई) अधिनियम की मूल भावना के अनुरुप आरटीआई आवेदनों का निस्तारण करने का निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा सूचना देते समय व्यापक लोकहित का ध्यान रखा जाए।

सूचना की दुनिया यूट्यूब चैनल का करें प्रचार-प्रसार

सूचना आयुक्त ने कहा कि आरटीआई के बारें में जागरूकता फैलाने एवं इसको सरल बनाने के उद्देश्य से सूचना की दुनिया यूट्यूब चैनल बनाया गया है। आमजन व जन सूचना अधिकारी इस चैनल के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कर सकते है। उन्होंने सभी जन सूचना अधिकारियों से इसका प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिये।

आवेदनकर्ता को सूचना नहीं देने का कारण बताएं

सूचना आयुक्त ने कहा कि यदि किसी प्रार्थना-पत्र के सम्बन्ध में सूचना नहीं दी जा रही है तो आवेदनकर्ता को 30 दिवस के अन्दर सूचना न देने के कारणों से अवश्य अवगत कराया जाय। आयुक्त ने सभी सम्बन्धित से कहा कि किसी भी परिस्थिति में 30 दिन की समय सीमा का उल्लंघन न किया जाय।

बैठक में ये अधिकारी रहे मौजूद

बैठक के दौरान जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी, सिटी मजिस्ट्रेट, समस्त एसडीएम व तहसीलदार, परियोजना निदेशक, जिला विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, डीपीओ सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी अधिकारीगण मौजूद रहे।

पांच राज्यों के चुनावों के लिए बजा बिगुल

7 से 30 नंबवर के बीच मतदान
3 दिसंबर को होगा चुनाव परिणामों का ऐलान

नई दिल्ली (ईएमएस)। निर्वाचन आयोग ने मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि मध्य प्रदेश में 17 नवंबर, राजस्थान में 23 नवंबर, मिजोरम 7 नवंबर, तेलंगाना में 30 नवंबर, जबकि छत्तीसगढ़ में 7 और 17 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा। वहीं 3 दिसबंर को सभी 5 राज्यों के नतीजे आएंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि इन चुनावों में कुल 16.14 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करने वाले हैं। जिसमें 8.2 करोड़ पुरुष मतदाता और 7.8 करोड़ महिला मतदाता हैं। इस बार 60.2 लाख नए मतदाता पहली बार वोट डालने वाले हैं। इसके साथ ही उन्होंने राज्यवार आंकड़ा पेश कर बताया कि मध्य प्रदेश में 5.6 करोड़, राजस्थान में 5.25 करोड़, तेलंगाना में 3.17 करोड़, छत्तीसगढ़ में 2.03 करोड़ वोटर, जबकि मिजोरम में 8.52 लाख वोटर अपने मताधिकार का उपयोग करने वाले हैं।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव 2023 के लिए गजट अधिसूचना जारी होने की तिथि 3 नवंबर 2023 होगी। जबकि नामांकन करने की अंतिम तिथि 10 और उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 15 नवंबर 2023 रहेगी। मतदान की तिथि 30 नवंबर हैं।

वहीं राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के लिए नोटिफिकेशन जारी होने की तिथि 30 अक्टूबर होगी। जबकि नामांकन करने की अंतिम तिथि 6 नवंबर, वहीं उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 9 नवंबर तय की गई है। राजस्थान में मतदान एक चरण में 23 नंबवर को होगा।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में गजट नोटिफिकेशन जारी होने की तिथि 21 अक्टूबर तय की गई है। नामांकन करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर और उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि मतदान की तिथि 2 नवंबर रखी गई हैं। मध्यप्रदेश में एक चरण में मतदान 17 नवंबर को होगा। मिजोरम विधानसभा चुनाव 2023 के गजट नोटिफिकेशन जारी होने की तिथि 13 अक्टूबर तय की गई है। वहीं नामांकन करने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर और उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 23 अक्टूबर रखी गई है। वहीं मिजोर में मतदान की तिथि 7 नवंबर रखी गई है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 पहला चरण के मतदान के लिए नोटिफिकेशन जारी करने की 13 अक्टूबर, नामकंन की अंतिम तिथि 20 और नामांकन वापस लेने की तारीख 23 अक्टूबर रहेगी। जबकि 7 नवंबर को पहले चरण का मतदान होगा। दूसरा चरण 17 नवंबर जिसके नोटिफिकेशन की तारीख 21 अक्टूबर, अंतिम तिथि 30 और नामांकन वापस लेने की तिथि 2 नवंबर रहेगी।

बता दें कि 40 सदस्यों वाली मिजोरम विधानसभा का कार्यकाल दिसंबर में समाप्त हो रहा है, जबकि 90 सदस्यीय छत्तीसगढ़ विधानसभा और तीन अन्य राज्यों मध्य प्रदेश (230 सदस्यीय), राजस्थान (200 सदस्यीय) और तेलंगाना (119 सदस्यीय) का कार्यकाल जनवरी में समाप्त होगा।

इसरो का नया अपडेट, यान पूरी तरह से ठीक, 16 सेकंड तक काम भी किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। इसरो ने अपने पहले सूर्य मिशन को लेकर ताजा अपडेट दिया है कि आदित्य एल1 यान पूरी तरह से ठीक है, उसने 16 सेकंड के लिए अपना काम भी किया है। वह लगातार अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। इसरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि ट्रैजेक्टरी करेक्शन मेन्यूवर ने 6 अक्टूबर को 16 सेकंड के लिए काम किया था। एक्स पर आई पोस्ट में कहा गया कि अंतरिक्ष यान स्वस्थ है और सूर्य-पृथ्वी एल1 की ओर बढ़ रहा है। एक ट्रैजेक्टरी करेक्शन मेन्यूवर (टीसीएम), 6 अक्टूबर को लगभग 16 सेकंड के लिए किया गया था। 19 सितंबर को किए गए ट्रांस-लाग्रांजियन प्वाइंट1 इंसर्शन (टीएल1आई) पैंतरेबाज़ी को ट्रैक करने के बाद मूल्यांकन किए गए प्रक्षेप पथ को सही करने के लिए इसकी आवश्यकता थी। इसरो के अनुसार टीसीएम यह सुनिश्चित करता है कि अंतरिक्ष यान एल1 के आसपास हेलो कक्षा सम्मिलन की ओर अपने इच्छित पथ पर है। जैसे-जैसे आदित्य-एल1 आगे बढ़ता रहेगा, कुछ ही दिनों में मैग्नेटोमीटर फिर से चालू हो जाएगा। इसरो की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, अंतरिक्ष यान लगातार सूर्य की ओर बढ़ रहा है। 6 अक्टूबर को 16 सेकंड के लिए इसमें थोड़ा बदलाव किया गया था। इसरो ने कहा कि 19 सितंबर को किए गए ट्रांस-लाग्रांजियन प्वाइंट इंसर्शन को ट्रैक करने के बाद पथ को सही करने के लिए इसकी आवश्यकता पड़ी थी। जैसे-जैसे अंतरिक्ष यान आगे बढ़ेगा, वैसे-वैसे मैग्नोमीटर फिर से चालू हो जाएगा।

15 दिन में लगेंगे दोनों ग्रहण, 14 को सूर्य तो 28 अक्टूबर को होगा चंद्रग्रहण

नई दिल्ली (ईएमएस)। अक्टूबर महीने में पंद्रह दिनों के अंतराल में सूर्य ग्रहण और चंद्र ग्रहण दोनों लगने वाले हैं। दरअसल, सूर्य ग्रहण 14 अक्टूबर, शनिवार सर्व पितृ अमावस्या के दिन लगने जा रहा है। वहीं ठीक उसके 15 दिन बाद चंद्र ग्रहण 28 अक्टूबर को लगने जा रहा है। 14 अक्टूबर, बृहस्पतिवार को इस साल का दूसरा सूर्य ग्रहण लगने जा रहा है। यह ग्रहण 14 अक्टूबर को रात 8 बजकर 34 मिनट से शुरू होगा और रात 2 बजकर 25 मिनट पर समाप्त हो जाएगा। यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा इसलिए इस ग्रहण का सूतक काल नहीं माना जाएगा। यह ग्रहण कन्या राशि और चित्रा नक्षत्र में होगा। यह सूर्य ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा। साल का दूसरा सूर्यग्रहण दक्षिण अमेरिका के क्षेत्रों को छोड़कर उत्तरी अमेरिका, कनाडा, ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड, ग्वाटेमाला, मैक्सिको, अर्जेंटीना, कोलंबिया, क्यूबा, बारबाडोस, पेरु, उरुग्वे, एंटीगुआ, वेनेजुएला, जमैका, हैती, पराग्वे, ब्राजील, डोमिनिका, बहामास, आदि जगहों पर दिखाई देगा। सूर्य ग्रहण लगने से 12 घंटे पहले सूतक काल लग जाता है। सूतक काल में पूजा-पाठ की मनाही होती है। इस अवधि में भगवान की मूर्तियों का स्पर्श नहीं करना चाहिए। लेकिन सूतक काल केवल तभी मान्य होता है, जब सूर्य ग्रहण भारत में दृश्यमान हो। साल का दूसरा सूर्य ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा, इसलिए इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा। भारत में सूतक काल नहीं लगेगा। जानकारों के मुताबिक, साल का आखिरी और दूसरा चंद्र ग्रहण 28 अक्टूबर की मध्यरात्रि को लगने जा रहा है। यह ग्रहण 29 अक्टूबर को रात 1 बजकर 5 मिनट से शुरू होकर रात 2 बजकर 24 मिनट पर समाप्त होगा। यह पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा, जो भारत में दिखाई देगा। इसलिए सूतक काल भी मान्य होगा। यह यूरोप, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, नॉर्थ अमेरिका, उत्तर व पूर्व दक्षिण अमेरिका, अटलांटिक महासागर, हिन्द महासागर, अंटार्कटिका में भी दिखेगा। यह ग्रहण मेष राशि और अश्विनी नक्षत्र में लगने जा रहा है।

ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि यदि सूर्य ग्रहण दर्शनीय ना हो तब भी इसका प्रभाव सभी राशियों पर पड़ता है। इस दौरान कुछ राशियों को सर्वाधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। यह राशियां हैं- मेष, कर्क, तुला और मकर। इन राशियों को सूर्य ग्रहण की अवधि विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। साल का आखिरी चंद्र ग्रहण पूर्ण लगने जा रहा है इसलिए ये काफी पीड़ादायक माना जा रहा है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्र होंगे सम्मानित

गोण्डा- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राधिकरण द्वारा गांधी जयंती के अवसर पर चलाये गये स्वच्छता जागरूकता अभियान के तहत निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता में उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्र-छात्राओं को कल 10 अक्टूबर को सायं 4-30 बजे जनपद न्यायालय गोण्डा के मीटिंग हाल में जनपद न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

यूपी से विदा हुआ मानसून

लखनऊ। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, नौ अक्तूबर को संपूर्ण प्रदेश से विदा हो गया अब अक्तूबर के दूसरे पखवारे में रात का पारा गिरने लगेगा और गुलाबी ठंड महसूस होने के आसार हैं। उत्तर प्रदेश से मानसून की विदाई सोमवार को हो गई। राजस्थान के ऊपर निचले क्षोभ मंडल में बने चक्रवात के प्रभाव से वर्षा बंद हो चुकी है। साथ ही वायुमंडलीय नमी में प्रभावी कमी आई है। इसके कारण दक्षिण-पश्चिम मानसून 30 सितम्बर को प्रदेश के पश्चिमी भाग से वापस लौटना आरम्भ हो गया था। छह अक्टूबर को लखनऊ समेत प्रदेश के मध्यवर्ती हिस्सों से पीछे हटा था। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, नौ अक्तूबर को संपूर्ण प्रदेश से विदा हो गया7 अब अक्तूबर के दूसरे पखवारे में रात का पारा गिरने लगेगा और गुलाबी ठंड महसूस होने के आसार हैं। अभी तक प्राप्त कुल आंकड़ों के अनुसार, मानसून ऋतु के दौरान प्रदेश में वर्षा सामान्य रही। मानसून ऋतु (1जून-30 सितंबर) के दौरान जहां पूर्वी उत्तर प्रदेश में 799.2 मिमी. के औसत के सापेक्ष 29 फीसदी कम यानी मात्र 569.5 मिमी. वर्षा हुई। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 672 मिमी. बरसात रिकॉर्ड हुई। ये औसत के सापेक्ष तीन फीसदी अधिक रही। इस अवधि में कुल 693.9 मिमी. के साथ वर्षा सामान्य रही। प्रदेश में कुल बरसात 17 प्रतिशत कम 619.3 मिमी. रही

अतुल कुमार सिंह के मुताबिक मानसून ऋतु के मासिक विश्लेषण से यह प्रदर्शित होता है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जहां जून महीने के दौरान वर्षा सामान्य से अधिक रही वहीं जुलाई-अगस्त-सितंबर महीनों के दौरान यह सामान्य रही।

पूर्वी उत्तर प्रदेश में सिर्फ अगस्त महीने के दौरान मानसूनी वर्षा सामान्य रही जबकि अन्य 3 महीनों जून, जुलाई एवं सितंबर के दौरान यह सामान्य से कम रही। बिजनौर में सर्वाधिक 1270 मिमी. जबकि भदोही में सबसे कम 162 मिमी. वर्षा दर्ज की गई। इसी क्रम में राजधानी लखनऊ में भी मानसूनी वर्षा सामान्य रही। मानसून की विदाई हो गई है। सुबह और शाम के तापमान में भी कुछ गिरावट देखने को मिल रही है। ओस भी गिर रही है लेकिन दिन की गर्मी बरकरार है। सोमवार को राजधानी लखनऊ और उसके आसपास चटख धूप देखने को मिली।

गठबंधन बनाने वालों को नहीं मालूम इंडिया का फुलफार्म

इन्दौर (ईएमएस) भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म, और राजनीति प्रश्रय रूचि रखने वाले सभी जागरूक और बुद्धिजीवियों के पसंदीदा प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी को सनातन धर्म सहित विभिन्न मुद्दों पर टीवी पर शानदार डिबेट करते आमतौर पर देखा और सुना जाता है, लेकिन जब उन्हें प्रत्यक्ष सुनने का मौका मिला तो खरगोन शहर सहित जिले भर से आए श्रोताओं में अभूतपूर्व उत्साह का माहौल बन गया था। बीटीआई रोड़ स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के हॉल में शहर की छोटी बड़ी जो भी हस्ती हो।जिसे जहां जगह मिली वो वहीं डट गया। अवसर था मध्य प्रदेश कल आज और कल विषय पर आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन का। अपने 40 मिनट के संबोधन में डॉक्टर त्रिवेदी ने सनातन धर्म की वैज्ञानिकता भी बताई और वर्तमान राजनीति में विपक्षी नेता उदयनिधि स्टालिन के द्वारा सनातन धर्म की तुलना कोरोना और डेंगू, मलेरिया से करने पर इंडिया गठबंधन को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि जो धर्म और उसकी परंपराए बीमारियों का नाश करती हो। उसमें भी उन्हें बीमारियों का खोट नजर आता है और उसे समाप्त करने की अनर्गल बातें करते है। जबकि सनातन हम नहीं थे तब भी था और हम नहीं होंगे तब भी रहेगा।

उन्होंने खरगोन को नवग्रह की नगरी बताते हुए कहा कि मैकाले की शिक्षा और विदेशी शिक्षाविद हमें ग्रहों की जानकारी देते है।डॉक्टर सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जिन लोगों ने इंडिया नाम का गठबंधन बनाया है उन लोगों को ही उसका फुलफार्म नहीं मालूम। हिंदी में पूछ लो तो गुगल पर सर्च करने के बाद भी नहीं बता पाते है।

उत्तर प्रदेश आवासीय कौशल विकास शिक्षण केंद्र, शीतला देवी मेमोरियल शिक्षण संस्थान हाथिनाथ डुमरियाडीह गोंडा का औचक निरीक्षण करती हुईं जिलाधिकारी

रणनीतिक संबंधों को मिलकर नए आयाम देंगे भारत और सऊदी अरब

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत तथा सऊदी अरब अपने रणनीतिक संबन्धों को मिलकर नए आयाम देंगे। दोनों देशों के मध्य द्विपक्षीय सम्बन्धों की बढ़ती प्रवृत्तियों में रक्षा, रणनीति, सुरक्षा, निवेश, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, व्यापार के साथ-साथ शिक्षा, ऊर्जा तथा प्रसार जैसे कारक शामिल हैं। यह उन सम्भावनाओं के बढ़ते सौहार्द्र तथा समझ की स्पष्ट झलक है जिसमें द्विपक्षीय साझेदारी विकसित हुई है। इसका ताजा उदाहरण भारत की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन के दौरन भी देखने को मिला, जब पीएम नरेंद्र मोदी ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इस वार्ता के दौरान दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा और समीक्षा हुई। दोनों नेताओं ने देश के बीच रणनीतिक साझेदारी की संभावना को आगे बढ़ाने के तरीकों पर भी विचार विमर्श किया। भारत और सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी परिषद की पहली बैठक के बाद पीएम मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि इस परिषद के अंतर्गत दोनों समितियां की कई बैठक हुई है जिनसे हर क्षेत्र में हमारा आपकी सहयोग बढ़ रहा है। बदलते समय के अनुसार हमारे संबंधों में नए आयाम जुड़ रहे हैं।

गौरतलब है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने अक्टूबर 2019 में रियाद की यात्रा की थी जिसके बाद भारत सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी परिषद का गठन किया गया था। इस परिषद में दो समितियां है जिसमें पहले समिति राजनीतिक सुरक्षा सामाजिक और सांस्कृतिक सहयोग समिति है। वहीं दूसरी समिति अर्थव्यवस्था और निवेश समिति है। इन समितियों की बैठक में दोनों देशों के नेताओं ने द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी परिषद के तहत कई अहम फैसले लिए हैं। दोनों देशों में कार्यालय स्थापित किए जाएंगे। भारत और सऊदी अरब मिलकर स्टार्टअप और इनोवेशन ब्रिज का शुभारंभ करेंगे। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय निवेश बढ़ाने के लिए 45 समझौता पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। इन समझौतों से दोनों देशों के बीच आर्थिक जुड़ाव और अधिक घनिष्ठ होंगे जिससे भारत में निवेश भी तेजी से बढ़ेगा।

दिसंबर तक शिक्षक संकुल के विद्यालय बनेंगे निपुण विद्यालय, मंथली टास्क तय

बेसिक शिक्षा विभाग ने अक्टूबर माह में शिक्षक संकुल की बैठकों का एजेंडा और मंथली टास्क जारी किया

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ। शिक्षक संकुल विद्यालयों को दिसंबर तक निपुण विद्यालय बनाने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने अक्टूबर माह में शिक्षक संकुल की बैठकों का एजेंडा और मंथली टास्क तय किया है। इसके तहत सभी डायट प्राचार्यों और बीएसए को निर्देशित किया गया है कि शिक्षक संकुल की बैठकों और मंथली टास्क का निर्धारित फॉर्मेट में पालन किया जाए। साथ ही जनपदों के समस्त शिक्षक संकुल को प्रभावी प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया जाए जिससे शिक्षक संकुल विद्यालयों को दिसंबर 2023 तक निपुण विद्यालय बनाने का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार ने जनपदों में न्याय पंचायत स्तर पर शिक्षक संकुल के गठन के निर्देश दिए हैं। शिक्षक संकुल के विद्यालयों को दिसंबर 2023 तक निपुण विद्यालय बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

शिक्षण कार्यों पर होगी गहन चर्चा

शिक्षक संकुल की बैठकों का एजेंडा और मंथली टास्क को महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरण आनंद की ओर से जारी किया गया है। इसमें निर्देश दिया गया है कि अक्टूबर में शिक्षक संकुल बैठकों का आयोजन एजेंडा के अनुसार सुनिश्चित किया जाएगा। इसके नोडल अधिकारी एआरपी होंगे। एआरपी पिछली जिला स्तरीय मीटिंग के मुख्य बिंदुओं को सभी के साथ साक्षा करेंगे। इसके अलावा, संबंधित माह की डिजिटल शिक्षक प्रशिक्षण वीडियो को सभी शिक्षकों को दिखाना एवं वीडियो के मुख्य बिंदुओं पर चर्चा करना होगा।पिछली बैठक की योजना के सापेक्ष किए गए शिक्षण संबंधी प्रयासों, शिक्षण पद्धतियों, रोचक गतिविधियों को साझा किया जाएगा। सबसे महत्वपूर्ण भाग निपुण भारत मिशन की अकादमिक रणनीति पर प्रस्तुतिकरण होगा, जिसमें शिक्षकों द्वारा अलग-अलग समूह (कक्षा 1-3 और कक्षा 4-8) में 2023-24 की शिक्षण योजना को प्रस्तुत किया जाएगा। प्रस्तुतिकरण के लिए सभी समूहों को 5 मिनट का समय मिलेगा।

5 प्वॉइंट टूल किट का उपयोग किया जाएगा सुनिश्चित

यह भी कहा गया है कि समस्त शिक्षक संकुल द्वारा अक्टूबर में मंथली टास्क को पूर्ण किया जाएगा। उन्हें अपने विद्यालय को दिसंबर 2023 तक निपुण विद्यालय बनाने के लिए 5 प्वॉइंट टूलकिट का उपयोग सुनिश्चित करना होगा। इस टूल किट के तहत पहला शिक्षकों के बीच कक्षा आवंटन और कार्य विभाजन, दूसरा संदर्शिका आधारित शिक्षण योजना का उपयोग, तीसरा छात्रों का आकलन एवं रेमेडियल, चौथा समुदाय सहभागिता एवं अभिभावक के साथ संपर्क और पांचवां व अंतिम टूल किट शिक्षक-छात्र के मध्य आत्मीय संबंध बनाने पर केंद्रित होगा। इसे प्राथमिकता के आधार पर लागू करना होगा।

इसके अतिरिक्त समस्त शिक्षकों को निपुण लक्ष्य एप पर लॉगिन करने एवं अक्टूबर माह में एप के माध्यम से प्रत्येक छात्र का आकलन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। निपुण लक्ष्य एप पर प्रदर्शित नए फीचर निपुण संवाद का प्रयोग किए जाने के लिए समस्त शिक्षकों को प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे शिक्षक विभागीय निर्देशों, गतिविधियां आदि से अपडेट हो सकें। समस्त शिक्षक संकुल द्वारा अपने न्याय पंचायत के समस्त प्रधानाध्यापकों को निपुण भारत मॉनीटरिंग सेंटर पोर्टल का नियमित शिक्षण किए जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

सरकारों ने नहीं की अल्पसंख्यकों की मदद-डॉ. अयूब

सिद्धार्थनगर। इटवा कस्बे के माता प्रसाद जायसवाल इंटर कॉलेज परिसर में संपूर्ण स्वराज रैली का आयोजन किया गया। इसमें पीपीआई के मुखिया डॉ. अयूब ने सरकारों को अल्पसंख्यकों का उपयोग करके सत्ता हथियाने और शोषण करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि शोषण के खिलाफ सभी को संगठित होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सपा की सरकार बनी। केंद्र सरकार को 12 पिछड़ी जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने के लिए उन्होंने प्रस्ताव भेजा, लेकिन हमारे अल्पसंख्यक समाज के दलित भाइयों को अनुसूचित जाति में शामिल करने के लिए प्रस्ताव में उन्हें शामिल नहीं किया। प्रदेश व देश में बैठी सरकार को हमारी गरीबी दिखाई नहीं दे रही है। इस दौरान अरबाज फारूखी, श्रवण कुमार निराला, मदन राजभर, इरफान, सुमैया, सोनू लोधी आदि मौजूद रहे।

संजय सिंह की गिरफ्तारी से आप में रोष

सिद्धार्थनगर। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष जलाल अहमद ने कहा है कि आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी सांसद संजय सिंह की ईडी की ओर से की गई गिरफ्तारी से आम जनमानस में रोष है। ये बातें उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में कहीं। जिलाध्यक्ष जलाल अहमद ने कहा कि यह कार्रवाई संजय सिंह की आवाज दबाने की साजिश है। आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि 2024 में भाजपा इंडिया गठबंधन से चुनाव हार रही है। इसी बौखलाहट में इंडिया की मजबूत आवाज संजय सिंह को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान जिला महासचिव पशुपति प्रताप सिंह, इमरान खान, सुफियान मनिहार आदि मौजूद रहे।

मंडलीय ट्रायल में खिलाड़ियों ने किया प्रदर्शन

सिद्धार्थनगर। बस्ती में शनिवार को हुए मंडलीय ट्रायल में जिले के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। उभरते हुए खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए स्थान सुरक्षित कर लिया है। इसमें दो गोल्ड व पांच सिल्वर मेडल के साथ सिद्धार्थनगर का दबदबा रहा। मंड स्तरीय ट्रायल की 200 मीटर दौड़ में मोनिका विश्वकर्मा ने प्रथम व ऊंची कूद में नेहा यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, तिकड़ी कूद में गुड़िया वर्मा ने द्वितीय, तीन किमी की दौड़ में करिश्मा मोदनवाल ने द्वितीय, 800 मीटर की दौड़ में स्नेहा ने द्वितीय, चक्का फेंक में वंदना द्वितीय व 100 मीटर की दौड़ में स्नेहा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। एथलेटिक्स की कोच सुमन सिंह ने बताया कि राज्य स्तरीय टीम में प्रतिभाग के लिए जिले से 10 खिलाड़ियों को मंडल ट्रायल में भेजा गया था। इसमें दो गोल्ड के साथ सात खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। राज्य स्तरीय टीम की सूची जल्द ही जारी की जाएगी।

नहर के बहाव में कट गई सड़क, आने-जाने में कठिनाई

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के पकड़ी से जगरढ़ीया मार्ग पर पंडरिया गांव के पास वान गंगा नहर के पानी से सड़क कट कर नहर में गिर गई है। इससे जाने के लिए पतली सी सड़क बची है, जो कभी भी नहर में समा सकती है। स्थानीय लोग इसकी सूचना कई बार दे चुके हैं, लेकिन सिंचाई विभाग मामले को संज्ञान में नहीं ले रहा है। पकड़ी से पंडरिया होते हुए जगरगढिया तक जाने वाले इस संपर्क मार्ग पर पंडरिया गांव के पास वानगंगा नहर के पानी से पक्की सड़क कटे 15 दिन से अधिक समय बीत गया, लेकिन सिंचाई विभाग ने अब तक इस रास्ते को सही नहीं करवाया। इससे इस मार्ग के राहगीरों को आने-जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसको सही कराने के लिए यहां के लोग सिंचाई विभाग से अनेकों बार कह चुके हैं पर अभी तक इसको सही नहीं किया गया। क्षेत्र के अनिल मिश्रा, बनारसी साहनी, दयादास, नंदलाल, चिनगुद, अजय कुमार चौधरी, सेवक, भल्लू निषाद, जगदीश पांडेय, कोकाई, विवेक कुमार आदि ने सड़क को सही कराने की मांग की है।

रसोइयों का हो रहा शोषण, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

सिद्धार्थनगर। बढ़नी ब्लॉक क्षेत्र के तुलसियापुर चौराहे पर रविवार को मिड-डे मील रसोइया कर्मचारी ट्रेड यूनियन (सीटू) की बैठक हुई। इस दौरान समस्याओं के निस्तारण पर चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष गीता देवी ने कहा कि रसोइयों का शोषण हो रहा है। विभागीय अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। समस्याओं को लेकर 10 अक्तूबर को लखनऊ में प्रदेश कार्यकारिणी के निर्देश पर जिले के सभी रसोइया कर्मचारी प्रदेश कार्यालय पर उपस्थित होंगे। बताया कि हमारी प्रमुख मांगें पाल्य व्यवस्था को खत्म करने, नवीनीकरण बंद करने, मानदेय बढ़ोतरी व हाईकोर्ट के आदेश के क्रम में न्यूनतम वेतन देने और कर्मचारियों का पांच लाख का बीमा करने सहित अन्य मांगें पूरी की जाएं। इस दौरान पंकज कुमार गौड़, ज्ञानमती, अमरावती, शीला, माधुरी, मंजु, रीता, उर्मिला, संगीता, शांति, दधिबल, द्रौपदी मौजूद रहीं।

केबल बक्सा फुंका, आठ घंटे गुल रही बिजली

सीतापुर। केबल बक्सा फुंक जाने से लहरपुर कस्बे में रविवार को करीब आठ घंटे बिजली गुल रही। लंबी कटौती के कारण घरों में रखे इन्वर्टर डिस्चार्ज हो गए। कई जगहों पर पेयजल संकट खड़ा हो गया। दोपहर बाद आपूर्ति बहाल होने पर लोगों ने राहत की सांस ली। करीब एक लाख आबादी प्रभावित हुई। ग्राम ताहपुर पावर हाउस से आने वाली 32 केवी लाइन पर रविवार सुबह ब्रेकडाउन हो गया। करीब दो घंटे आपूर्ति बहाल न होने पर उपभोक्ताओं ने बिजली विभाग के अफसरों से शिकायत दर्ज कराई। अफसरों ने बताया कि फॉल्ट आ गई है। पता लगाया जा रहा है। सुबह नौ बजे जानकारी मिली कि ग्राम ताहपुर के निकट 32 केवी का केबल बॉक्स फुंक गया है। इसके चलते कस्बे की आपूर्ति ठप हो गई है। अफसर जल्द आपूर्ति बहाल करने की बात कहते रहे। करीब तीन बजे आपूर्ति बहाल हो सकी। इस लंबी कटौती के चलते घरों में पानी की समस्या खड़ी हो गई है। उपभोक्ताओं ने निजी हैंडपंप के जरिए अपनी जरूरतें पूरी कीं।

चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। बड़ी थाना पुलिस ने लल्हेड़ी गांव में दुकान से चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी पानीपत जिले के गांव छदिया निवासी राजेश व मोनू है। थाना प्रभारी मनीष ने बताया कि 6 अक्तूबर को लल्हेड़ी गांव के राजेश ने शिकायत दी थी कि गांव में उनकी दुकान से चोर एक एलईडी व फोन चोरी कर ले गए हैं। जिसके बाद थाना बड़ी में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। मामले में अपनी टीम के साथ कार्रवाई करते हुए हवलदार संजीत ने आरोपी राजेश व मोनू को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को अदालत में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया है।

पीपीपी डाटा के आधार पर घर बैठे डाउनलोड कर सकेंगे ओबीसी प्रमाणपत्र

सोनीपत। सरकार नागरिकों को पेपरलेस, पारदर्शी व सुगम तरीके से सुविधाओं का लाभ ऑनलाइन माध्यम से उनके घर-द्वार पर पहुंचा रही है। सरकार ने नागरिकों के लिए परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) के माध्यम से प्रो-एक्टिव ओबीसी प्रमाणपत्र सुविधा की शुरुआत की है। अब नागरिक सरल पोर्टल पर जाकर, पीपीपी में मौजूद अपने डाटा के आधार पर पात्र पाए जाने पर अपना ओबीसी प्रमाण पत्र ऑनलाइन डाउनलोड कर सकेंगे। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि एक बार जब किसी नागरिक की जाति और जाति की श्रेणी पीपीपी में सत्यापित हो जाती है तो वह बिना किसी मानव हस्तक्षेप के सरल पोर्टल पर अपनी पारिवारिक आईडी डालकर अपेक्षित जाति प्रमाण पत्र डाउनलोड कर सकता है।

फसल अवशेष जलाने पर 2500 रुपये जुर्माना, किसान के विरोध पर बुलानी पड़ी पुलिस

सोनीपत। महमूदपुर रोड पर खेतों में फसल अवशेष जलाने पर कृषि विभाग के अधिकारियों ने एक किसान पर 2500 रुपये जुर्माना किया। जब किसान ने विरोध किया तो विभाग को पुलिस की मदद लेनी पड़ी और पुलिस ने किसान से जुर्माने की राशि वसूल कराई है। अधिकारियों को खेत में अवशेष जलाने की लोकेशन सेटेलाइट के माध्यम से मिली थी। एसडीओ राजेंद्र मेहरा ने बताया कि उपमंडल में जागरूकता अभियान चलाने के बावजूद भी कुछ किसान फसल अवशेष जला रहे हैं। रविवार को महमूदपुर रोड पर खेत में अवशेष जलाने पर किसान पर 2500 रुपये का जुर्माना किया गया।

शिक्षक ने बच्चों को जमकर पीटा

सीतापुर। सिधौली इलाके के एक गुरुकुल में शिक्षक हैवान बन गया। स्कूल में छात्रों के सामने एक बच्चे को जमकर छड़ी से पीटा। उसके बाद भी जब गुस्सा शांत नहीं हुआ तो उसने बच्चे को उठाकर पटक दिया। किसी ने इस पूरे मामले का वीडियो बनाकर रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। उसके बाद आचार्य ने खुद अपना वीडियो बनाकर सफाई दी। बताते हैं कि वायरल वीडियो में किशोरी बालिका आवासीय गुरुकुल ग्राम झाजन सिधौली के आचार्य सतीश शास्त्री एक बच्चे को गुरुकुल में जमकर पीट रहे हैं। पहले उन्होंने बच्चे को छड़ी से पीटा। उसके बाद बच्चों के सामने उठाकर पटक दिया। इससे वहां पर खड़े अन्य छात्र भी घबरा गए। वीडियो वायरल होने के बाद आचार्य के होश उड़ गए। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि बच्चे ने रुपये चोरी किए थे।

बुखार से बालिका की मौत, डेंगू के दो संक्रमित मिले

शाहजहाँपुर। वजीरगंज व बिल्सी क्षेत्र के कई गांवों में बुखार तथा डेंगू कहर बरपा रहा है। बीते एक हफ्ते में दर्जनों लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। हालांकि कई उपचार के बाद अब ठीक हो चुके हैं लेकिन अब भी तमाम बुखार तथा डेंगू से पीड़ित मरीज निजी चिकित्सक के यहां उपचार करा रहे हैं। रविवार को जिले में हुई जांचों में 439 बुखार तथा दो डेंगू के मरीज मिले। बिल्सी क्षेत्र की एक बालिका की मौत बुखार से हो गई। बिल्सी नगर समेत क्षेत्र में बुखार का प्रकोप कम होने का नाम नहीं ले रहा है। क्षेत्र के गांव सतेती निवासी खाद विक्रेता वीकेश कुमार सिंह की सात वर्षीय पुत्री आराध्या सिंह चार दिनों से बुखार से पीड़ित थी। परिवार वालों ने उसे बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। रविवार को उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। क्षेत्र के गांव नैथुआ में भी डेंगू का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। गांव में बड़ी संख्या लोग बुखार से पीड़ित हैं, जो निजी चिकित्सकों से अपना इलाज कर रहे हैं।

ग्राम लहरा में बुखार तथा डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। पिछले एक सप्ताह में अब तक दर्जनों लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। कई लोग तो मुरादाबाद, बरेली, बिसौली में निजी चिकित्सक के यहां अपना उपचार करा रहे हैं। तमाम लोग सुरसेना तथा लहरा गांव मे ही निजी चिकित्सक से अपना इलाज करा रहे हैं।

कुएं में गिरने से महिला और युवती की मौत

सोनभद्र। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कुएं में गिरने से महिला और युवती की मौत हो गई। बभनी के चौना गांव में युवती कुएं में डूब गई। वहीं विंढमगंज थाना क्षेत्र के महुली गांव में महिला ने कुएं में कूदकर जान दे दी। दोनों शवों को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी सीएचसी भेज दिया है। चौना गांव निवासी लालमन की पुत्री कौशल्या (25) शुक्रवार को घर पर अपनी मां के साथ थी। परिवार के अन्य सदस्य एक कार्यक्रम में शामिल होने दूसरे गांव गए थे। शाम को पड़ोस की महिलाएं कुएं में पानी भरने गईं तो अंदर कौशल्या का शव देख सन्न रह गईं। ग्राम प्रधान दीनदयाल जायसवाल के माध्यम से पुलिस को सूचना दी गई। थानाध्यक्ष सुरेश चंद्र द्विवेदी ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकलवाते हुए कब्जे में लिया।

पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी दुद्धी भेज दिया। उधर, विंढमगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जोरुखाड़ गांव में शनिवार की सुबह अनिता देवी (37) पत्नी देवमुनि यादव ने कुएं में कूदकर जान दे दी। परिजनों के मुताबिक वह कई वर्षों से मानसिक रूप से अस्वस्थ थी। उसका इलाज रांची के एक अस्पताल से चल रहा था । शनिवार को उसने अज्ञात परिस्थितियों में घर के बगल में स्थित कुएं में छलांग लगा दी। मृतका को 7 वर्ष की पुत्री व 4 वर्ष का पुत्र है। उनके लिए उसने जिउतिया का व्रत भी रखा था। विंढमगंज थानाध्यक्ष श्यामबिहारी सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि अभी तक इस संबंध में कोई तहरीर नहीं मिली है।

पत्नी करती थी चरित्र पर संदेह इसलिए उतारा मौत के घाट, बेटे को किया जख्मी

पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त फावड़ा किया बरामद

संतकबीरनगर। पति के चरित्र पर पत्नी चार साल से संदेह करती थी। उसी वजह से दोनों के बीच दूरिया बढ़ गई थीं। परिवार के लोग भी पत्नी का ही साथ देते थे। परिवार में इज्जत नहीं पाने से आहत होकर पति ने पत्नी और पत्नी का साथ देने वाले छोटे बेटे को रास्ते से हटाने का मन बनाया। शुक्रवार की रात मौका पाकर पहले बरामदे के शटर का चैनल बंद किया। उसके बाद सोते दौरान फावडे से तीन बार प्रहार कर पत्नी की हत्या कर दी। जबकि छोटे बेटे को दो बार प्रहार कर गंभीर रुप से घायल कर दिया। रविवार को पुलिस ने आरोपी पति को पकड़ कर पूछताछ किया तो आरोपी ने कत्ल की यहीं वजह बताई।

एएसपी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि धर्मसिंहवा क्षेत्र के नगर पंचायत धर्मसिंहवा के बढ़या वार्ड निवासी 52 वर्षीय सई मोहम्मद ने शुक्रवार की रात अपनी 50 वर्षीय पत्नी ताहिर खातून को फावड़े से प्रहार कर मौत के घाट उतार दिया था। जबकि 16 वर्षीय छोटे बेटे इसरार को जख्मी कर दिया था। घायल बेटे का मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में उपचार चल रहा है। शनिवार देर शाम पीड़ित बेटे इस्तियाक अहमद ने आरोपी पिता सई मोहम्मद के खिलाफ हत्या और हत्या के प्रयास का केस दर्ज कराया। एसओ राम वशिष्ठ ने अपनी टीम के सहयोग से सूचना के आधार पर रविवार को आरोपी पति सई मोहम्मद को मुसहरा नदी पुल के पास से गिरफ्तार किया। पकड़े गए हत्यारोपी पति की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त फावड़ा उसके घर के पास स्थित धान के खेत से बरामद किया।

पूछताछ में आरोपी सई मोहम्मद ने बताया कि उसकी पत्नी ताहिरा खातून उसके चरित्र पर संदेह करती थी। उसी वजह से उसका पत्नी के बीच करीब चार साल से अनबन चल रहा था। छोटा बेटा इसरार और परिवार के अन्य सदस्य भी पत्नी का ही साथ देते थे। शुक्रवार को भी उसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच में कहासुनी हुई। जिसे लेकर उसे पत्नी और बेटे इसरार ने गाली गलौज दिया और बेइज्जत किया। जिससे उसे कुंठा हुई और उसने पत्नी और छोटे बेटे इसरार को रास्ते से हटाने का मन बनाया। रात में पत्नी और बेटी सालेहा एक साथ चारपाई पर सोई थी। जबकि पत्नी के बगल में तख्त पर बेटा इसरार सोया था। परिवार के अन्य सदस्य दूसरी जगह सोए थे। उसने रात एक बजे बरामदे में शटर में ताला बंद कर दिया और फावड़ा उठा लिया। पहले एक बार फावड़े से पत्नी को मारा, फिर बेटे इसरार पर फावड़े से प्रहार कर दिया। फिर पत्नी को फावड़े से प्रहार किया और उसके बाद बेटे को मारा। तीसरी बार पत्नी को फावड़े से मारा तो बेटी सालेहा जग गई और चिल्लाई। उसके बाद फावड़ा लेकर बाहर निकल गया। शटर में ताला बंद होने से परिवार को कोई सदस्य बाहर नहीं निकल पाया और वह आसानी से भाग निकला। बाद में बेटी सालेहा ने लोहे के रॉड से शटर का ताला तोडी और आवास देकर आस-पास के लोगों को बुलाई। एएसपी ने बताया कि बाद में पड़ोस के लोग जुटे और घायल मां-बेटे को सिद्धार्थनगर जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने ताहिरा खातून को मृत घोषित कर दिया। जबकि घायल बेटे को मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया। मेडिकल कॉजेज में घायल बेटे का उपचार चल रहा है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। इधर पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को कोर्ट में पेश किया।

जौनपुर के जंगबहादुर ने राजगढ़ के बादल को किया चित

सोनभद्र। क्षेत्र के उमरी कला गांव में शनिवार को जीवित्पुत्रिका पर्व के उपलक्ष्य में कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। देर शाम तक चली प्रतियोगिता में पूर्वांचल के विभिन्न जिलों के पहलवानों ने दमखम दिखाया। दंगल में कुल 19 जोड़ी कुश्तियां हुईं। राजगढ़ के बादल और जौनपुर के जंगबहादुर के बीच हुई 1500 की इनामी कुश्ती काफी रोचक रही। इसमें जंगबहादुर ने जीत हासिल की। मिर्जापुर के जितेंद्र ने मधुपुर के अभय को पटखनी दी। राजगढ़ के बादल और मिर्जापुर के जितेंद्र के बीच कुश्ती बराबरी पर छूटी।

प्लेटफॉर्म ऊंचा होने के बाद शुरू होगा स्टेशन का सौंदर्यीकरण

शाहजहाँपुर। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर दो को ऊंचा करने का काम तेज गति से किया जा रहा है। इसके बाद अमृत भारत योजना के तहत रेलवे स्टेशन का सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। इसके लिए पहले रेलवे स्टेशन की टीन शेड बदली जाएगी। इसी महीने से काम शुरू हो जाएगा। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म दशकों से बुरी स्थिति में थे। केंद्र सरकार की अमृत भारत योजना के तहत अब यहां कई परिवर्तन कराए जाएंगे। प्लेटफॉर्म नंबर एक की तरह दो पर भी यात्रियों को सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगीं। यहां पर अब कोच गाइडेंस सिस्टम भी लगेगा ताकि रिजर्वेशन वाले यात्रियों को सहूलियत मिल सके। यात्रियों के बैठने की भी बेहतर व्यवस्था की जाएगी। यात्रियों और रेल कर्मियों की सुविधा के लिए स्टेशन पर पहली बार वाहन पार्किंग भी बन रही है। इसके अलावा पेयजल सुविधा पर भी काम किया जा रहा है। इसके लिए नए तरीके से व्यवस्था की जाएगी। रेलवे विभाग के निर्माण विभाग का कार्य देख रहे इज्जतनगर के आनंद ने बताया कि रेलवे स्टेशनों पर हर जगह अमृत भारत योजना के तहत कार्य कराए जा रहे हैं। काफी पुराना शेड होने से कई जगह पर टीन टूट चुकी है जिससे बरसात में पानी टपकता है और रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को परेशानी होती है।

तीन साल के बाद 20 करोड़ से दूर होगी 16 गांवों की बदहाली

संतकबीरनगर। इसे सिस्टम की लापरवाही कहें या उपेक्षा। शहर में शामिल होने के बाद 50 हजार की आबादी को तीन साल तक विकास का इंतजार करना पड़ा है। शासन-प्रशासन ने अब सुधि ली है। 20 करोड़ की लागत से सीमा विस्तार में शामिल गांवों की बदहाली दूर होगी। इससे इन क्षेत्रों के लोगों की जीवन शैली में सुधार होने की उम्मीद है। एक अक्तूबर 2020 को नगर पालिका परिषद खलीलाबाद का सीमा विस्तार हुआ। इसमें 16 गांवों में शामिल किया गया है। जिसमें कसैला, डीघा, सरैया, मिश्रौलिया, नेदुला, पटखौली, सरौली, बड़गो, मोहद्दीनपुर, बेलवनिया, गौसपुर, बनियाबारी, सादिकगंज, उस्का, मैलानी और खटौली शामिल है। ग्राम पंचायत का दर्जा खत्म होने के बाद यहां ब्लॉक स्तर से तैनात सफाई कर्मियों को हटा दिया गया। पथ प्रकाश व्यवस्था के लिए कोई इंतजाम नहीं हो सका है, जबकि अब भी इन क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्र की बिजली आपूर्ति हो रही है। सड़कें बदहाल है तो बांस-बल्ली के सहारे बिजली की आपूर्ति किसी तरह से हो रही है। कहीं पर भी डस्टबिन की व्यवस्था नहीं हैं। स्वच्छ पेयजल के लिए अब भी हैंडपंपों का ही सहारा है। ऐसे में 50 हजार की आबादी समस्याओं से जूझती रही। क्षेत्र के निवासी संजय मिश्र, राधेश्याम, अशोक कुमार आदि ने कहा कि शहर में शामिल होने के बाद भी विकास से क्षेत्र अधूरा रह गया है। न सड़कें बनी और न ही पेयजल का इंतजाम हो सका। सफाई व्यवस्था भी बदहाल है।

जागा प्रशासन, ये होंगे कार्य

शहर में शामिल क्षेत्रों की तस्वीर बदलने के लिए अब पहल हुई है। एक करोड़ 13 लाख की लागत से बिजली व्यवस्था में सुधार किए जाने के लिए मंजूरी मिली है। इससे इन क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्र की बिजली आपूर्ति की जगह शहरी क्षेत्र की बिजली आपूर्ति होगी। इसके लिए पोल लगाने का कार्य शुरू हुआ हैं। इसके साथ ही स्वच्छ पेयजल के लिए तीन करोड़ का बजट स्वीकृत हुआ है। इसके तहत चार स्थानों पर लाइप लाइन बिछाई जाएगी। साथ ही नलकूप स्थापित होंगे। जब तक पानी की टंकी नहीं बनेगी, तब तक सीधे जलापूर्ति होगी। इसके साथ ही जल निकासी के लिए नाला व नाली का निर्माण होगा। साथ ही बदहाल हो चुकी सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। इससे बड़गो, डीघा, बनियाबारी, गौसपुर, जनता मार्ग आदि क्षेत्रों की आबादी को लाभ मिलेगा। इस पर करीब 15 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

मरे बैल को कब्रिस्तान में डाला, रोष

शाहजहाँपुर। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के गांव बरातेगदार के एक खेत में बीमार बैल मर गया। खेत स्वामी ने उसे वजीरगंज थाना क्षेत्र के पड़ोसी गांव रजलामई के बाहर बने कब्रिस्तान में डाल दिया। यह देख एक समुदाय विशेष में रोष पनप गया। विरोध की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और बैल के शव को हटवाकर दफन कराया तब जाकर मामला शांत हुआ। बरातेगदार गांव का खेतिहर इलाका गांव रजलामई तक है। बरातेगदार निवासी एक किसान का खेत रजलामई गांव के पास में ही है। शनिवार को एक बीमार बैल उसके खेत में बैठा था। कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। किसान ने ट्रैक्टर-ट्रॉली में बैल के शव को लादकर वजीरगंज गांव के कब्रिस्तान में डाल आया। कुछ लोगों ने उसे देख लिया। यह देख गांव के लोगों में रोष फैलने लगा। उन्होंने पुलिस को सूचना दी, जिस पर इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए।

कपिलवस्तु में सर्किल रेट पर अड़े किसान, फिर से होगा सर्वे

सिद्धार्थनगर। नेपाल के लुंबिनी की तर्ज पर कपिलवस्तु के विकास के लिए जमीन खरीदने के मामले में सर्किल रेट पर किसानों की असहमति बनी हुई है। तीन गांवों के 250 खातेदारों की 50.5 हेक्टेयर जमीन खरीदने की योजना है। सर्किल रेट से चारगुनी दर पर जमीन की खरीद होनी है, लेकिन तीन माह से किसानों ने सहमति पत्र नहीं दिया है।

इस मामले में किसानों ने एक दिन पहले जिलाधिकारी पवन अग्रवाल से मुलाकात की है। किसानों की मांग पर जिलाधिकारी ने फिर सर्वे कराने का आश्वासन दिया है। कपिलवस्तु क्षेत्र के गनवरिया स्तूप के पास जमीन की खरीद की जा रही है। किसानों का तर्क है कि साल 2017 से उनकी जमीन का सर्किल रेट नहीं बढ़ाया गया है। जबकि आसपास की जमीन का सर्किल रेट बढ़ा और वहां की कीमत अधिक हो गई है। इसके अलावा सड़क और चकरोड को दर्शाने के मामले में भी एतराज है। ठकुरापुर, गनवरिया और पिपरहवा की जमीन खरीदी जा रही है। यहां के किसानों में सर्किल रेट पर एतराज है। इनमें सबसे बड़े खातेदार अब्दुल कलाम का कहना है कि जिलाधिकारी ने न्याय का भरोसा दिया है। सरकारी स्तर पर जो मुआवजा दिया जा रहा है, उससे अधिक कीमत सीधे किसी निजी व्यक्ति बेचने पर मिल जाती है। यदि सर्किल रेट कम करने की साजिश न की जाती तो नुकसान नहीं होता। मुश्तकीम का कहना है कि खेती से ही दो जून की रोटी का इंतजाम होता था, यदि सरकार न लेती तो खेत कभी नहीं बेचते। हम लोग विकास के पक्ष में हैं, लेकिन खुद के साथ हो रही नाइंसाफी से दुखी हैं।

प्रेमिका और उसकी बहन से प्रेमी व उसके परिजनों ने की मारपीट

संतकबीरनगर। बखिरा पुलिस चौकी के सामने शनिवार को सड़क पर कुछ महिलाएं व युवतियां आपस में मारपीट करने लगीं। लोग कुछ समझ पाते तब तक मारपीट में एक युवक भी शामिल हो गया। जिसे एक युवती का पूर्व प्रेमी बताया जा रहा है। एकाएक हुई घटना को आसपास के लोग देखते रह गए।

सूचना पर बखिरा चौकी की पुलिस ने पहुंच कर सड़क पर हुए विवाद को किसी तरह से शांत कराया। पुलिस ने दोनों पक्षों को चौकी पर बुलाया। थोड़ी देर बाद युवती अपनी बहन के साथ स्कूटी लेकर चली गई। बहरहाल मारपीट के मामले में अभी तक कोई तहरीर नहीं पड़ी है। घटना का वीडियो दुकान व मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती का दूसरे गांव के युवक से कुछ वर्ष पहले प्रेम संबंध हो गया था। युवती खलीलाबाद स्थित प्राइवेट स्कूल में पढ़ाती है, वह खलीलाबाद में ही किराए के मकान में अपनी मां के साथ रहती है। युवती के प्रेमी युवक ने स्कूल में पहुंचकर विवाद किया था। जिस पर उसकी नौकरी छूट गई। वर्तमान में युवती घनघटा क्षेत्र में एक निजी स्कूल में शिक्षिका है। युवती का आरोप है कि पूर्व प्रेमी ने उसकी जिंदगी खराब कर दी। युवती ने युवक पर धोखे से एक लाख रुपये लेने का भी आरोप लगाया है। युवक के जरिए पूर्व का कुछ वीडियो भी वायरल करने की धमकी दी जा रही है।

युवक अब दूसरी शादी करने जा रहा है। युवती ने बहन के साथ खलीलाबाद से आकर बखिरा चौकी में शिकायत की। युवती की शिकायत पर पुलिस ने युवक के परिजन को चौकी पर बुलाया था। इसी बीच किसी बात पर भड़ककर लड़के की मां उससे व उसकी बहन से सड़क पर ही मारपीट करने लगीं।

देश को सांप्रदायिकता की आग में झोंक रही भाजपा-शेरवानी

शाहजहाँपुर। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर समाजवादी पार्टी ने भी अपनी तैयारी शुरू कर दी। रविवार को बदायूं विधानसभा के सेक्टर प्रभारी व बूथ प्रभारियों के कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कई सालों की राजनीतिक रार के बाद पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव व पूर्व विधायक आबिद रजा एक ही मंच पर नजर आए, जिसकी विशेष चर्चा रही। रविवार को लालपुल स्थित एक मैरिज हॉल में आयोजित सम्मेलन में पूर्व केंद्रीय मंत्री सलीम इकबाल शेरवानी ने कहा कि आज पूरा देश महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी जैसी समस्याओं से जूझ रहा है लेकिन भाजपा की डबल इंजन की सरकार देश की जनता को सांप्रदायिकता की आग में झोंकने पर आमादा है। यही वजह है कि पूरे देश में आईएनडीआईए गठबंधन को जनता का समर्थन मिल रहा है। पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि जब-जब प्रदेश में सपा की सरकार बनी है तब-तब पूरे प्रदेश में आम जनता के हित में जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई गईं। सरकार के खजाने का मुंह विशेषकर बदायूं के विकास के लिए खोल दिया। उन्हें पूरी उम्मीद है कि इस बार भी बदायूं की जनता लोकसभा चुनाव में उन्हें अपना आशीर्वाद देगी। पूर्व विधायक आबिद रजा ने कहा कि आने वाला लोकसभा चुनाव लोकतंत्र तथा संविधान को बचाने का चुनाव है। यदि इस बार हमसे कहीं भी चूक हो गई तो हमारी आने वाली नस्लें हमसे वो सवाल पूछेंगी, जिसका कोई भी जवाब हमारे पास नहीं होगा।

इसलिए पिछली सारी बातों को भूलकर हम सभी को सपा को मजबूत करना है। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष प्रेमपाल सिंह यादव, नरेश प्रताप सिंह, योगेंद्र पाल सिंह तोमर, फीरोज़ खान, ओमवीर सिंह, राजीव लोधी, पीयूष रंजन यादव, फरहत अली, मोतशाम सिद्दीकी, मोहम्मद मियां, प्रभात अग्रवाल आदि मौजूद रहे। संचालन सुहैल सिद्दीकी ने किया।

गले मिलकर मनमुटाव खत्म होने का दिया संदेश- पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव व पूर्व विधायक आबिद रजा के बीच वर्ष 2016 में शुरू हुई राजनीतिक रार को कम करने के प्रयास कई बार हुए लेकिन ये सफल नहीं हो सके। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का भाई होने के नाते धर्मेंद्र यादव ने साल 2016 में आबिद रजा को पार्टी से हटवा दिया था लेकिन राजनीति के पुराने खिलाड़ी माने जाने वाले आबिद फिर भी 2017 का विधानसभा का चुनाव सपा के टिकट से ही लड़े। इसके बाद एक बार पूर्व नगर विकास मंत्री आजम खां ने दोनों के बीच मनमुटाव दूर कराने का प्रयास किया, लेकिन दूरियां कम नहीं हुईं। अब पांच साल से ज्यादा के बाद एक बार फिर दोनों एक मंच पर न केवल नजर आए बल्कि गले मिलकर कार्यकर्ताओं को यह संदेश देने का प्रयास भी किया कि दोनों के बीच मनमुटाव दूर हो गया है। दोनों को एक मंच पर लाने में सलीम शेरवानी की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

शेरवानी ने की आबिद की आंवला से चुनाव लड़ने की सिफारिश - पूर्व विधायक आबिद रजा के सपा में शामिल होने के बाद ही राजनीतिक गलियारों में उनके आंवला सीट से लड़ने की चर्चा शुरू हो गई थी।

इस बात पर रविवार को पूर्व मंत्री सलीम शेरवानी ने उस वक्त मुहर लगा दी, जब उन्होंने मंच से कहा कि उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से बदायूं सीट से धर्मेंद्र यादव व आंवला सीट से आबिद रजा को चुनाव लड़ाने की सिफारिश की है। शेरवानी ने यह भी कहा कि उन्होंने खुद के लिए बदायूं से टिकट इसलिए नहीं मांगा, क्योंकि तब भाजपा के पास धर्म का केवल एक ही मुद्दा रह जाता। इधर, राजनीतिक जानकारों का यह भी मानना है कि पत्नी फात्मा रजा के निकाय चुनाव जीतने के बाद आबिद ने जिस प्रकार अपनी छवि एक सेक्युलर नेता की बनाई है, उससे सपा को न केवल आंवला बल्कि बदायूं सीट पर भी लाभ होगा। आंवला सीट पर पिछले करीब 25 सालों से सपा अपना कब्जा नहीं जमा पाई है।

जेल में बेफिक्र दिखे रमनदीप और मिट्ठू, खाई दाल-सब्जी... पूरी रात सोए

शाहजहाँपुर। बहुचर्चित सुखजीत सिंह हत्याकांड में शनिवार को न्यायालय से सजा सुनाए जाने के बाद पत्नी रमनदीप और उसके प्रेमी मिट्ठू को जिला कारागार में दाखिल कर दिया गया। फांसी की सजा पाने वाली रमनदीप को जेल अधीक्षक मिजाजी लाल ने काउंसलिंग के उद्देश्य से बुलाया। उसके चेहरे पर चिंता, दहशत बिल्कुल नहीं थी। जेल अधीक्षक के सवालों के जवाब भी फटाफट दिए। 'सुखजीत यहां से सारी संपत्ति को बेचकर इंग्लैंड जाना चाहते थे, लेकिन उनके परिवार के लोग ऐसा नहीं चाहते थे। उन्हीं ने हत्या कर उसे फंसा दिया।' यह बात पति की हत्या में फांसी की सजा मिलने के बाद जेल पहुंची रमनदीप ने शनिवार शाम जेल अधीक्षक की काउंसलिंग के दौरान कही।

न्यायालय से सजा सुनाए जाने के बाद रमनदीप और मिट्ठू को जिला कारागार में दाखिल कर दिया गया। फांसी की सजा पाने वाली रमनदीप को जेल अधीक्षक मिजाजी लाल ने काउंसलिंग के उद्देश्य से बुलाया। उसके चेहरे पर चिंता, दहशत बिल्कुल नहीं थी। जेल अधीक्षक के सवालों के जवाब भी फटाफट दिए। उससे काफी देर तक बातचीत के बाद भी फांसी की सजा को लेकर वह परेशान नजर नहीं आई। इसके बाद रमनदीप को महिला बंदियों के बीच भेजा गया। वहां भी उसका व्यवहार सामान्य रहा।

बेफिक्र दिखे रमनदीप और मिट्ठू, दाल-सब्जी खाई, पूरी रात सोए

पति की हत्या में फांसी की सजा मिलने के बाद रमनदीप के चेहरे पर चिंता की कोई लकीर नहीं दिखी। ऐसा ही हालत उसके प्रेमी मिट्ठू का रहा। जेल में दोनों ने शाम को दाल-सब्जी और रोटी खाई और पूरी रात सोए और जेल नियम के अनुसार सवेरे जल्दी जाग गए।

जेल में की जा रही निगरानी

फांसी की सजा के चलते रमनदीप की निगरानी के लिए दो महिला बंदी व महिला सिपाही की ड्यटी लगाई गई। वह उस पर निगाह रखे हुए हैं।

आपको बता दें कि बहुचर्चित सुखजीत सिंह हत्याकांड में शनिवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पंकज कुमार श्रीवास्तव ने एनआरआई पत्नी रमनदीप कौर को फांसी और उसके प्रेमी गुरुप्रीत सिंह उर्फ मिट्ठू को उम्रकैद की सजा सुनाई। अदालत ने मामले की विवेचना में लापरवाही बरतने पर डीजीपी से विवेचक राजेश कुमार सिंह के खिलाफ एक सप्ताह में कार्रवाई की अनुशंसा की। बंडा के बसंतापुर के मूल निवासी सुखजीत इंग्लैंड के डर्बी शहर में रहते थे।

उनका फार्म हाउस बसंतापुर में है। सुखजीत की पंजाब के कपूरथला की तहसील सुल्तानपुर लोधी के गांव जैनपुर के मूल निवासी और दुबई में रहने वाले गुरुप्रीत सिंह उर्फ मिट्ठू सिंह से स्कूल के समय से मित्रता थी। सुखजीत ने जालंधर की मूल निवासी और इंग्लैंड के डर्बी शहर निवासी रमनदीप कौर से सन 2000 में शादी की थी।

इसके बाद मिट्ठू और सुखजीत की पत्नी रमनदीप कौर के बीच प्रेम संबंध हो गए। 28 जुलाई, 2016 को सुखजीत पत्नी, बच्चों और अपने दोस्त मिट्ठू के साथ भारत आए थे। देश में कई जगह घूमने के बाद वह 15 अगस्त को अपने बसंतापुर स्थित फार्म हाउस पहुंचे। एक सितंबर की रात सुखजीत की गला काटकर हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने मिट्ठू और रमनदीप को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया था। पुलिस के अनुसार प्रेम संबंध में रोड़ा बनने पर रमनदीप ने प्रेमी मिट्ठू के साथ मिलकर सुखजीत की हत्या की थी।

एक साल बाद रमनदीप और मिट्ठू जमानत पर बाहर आ गए थे। मुकदमा चलने के दौरान अदालत में घटना के चश्मदीद बेटे अर्जुन समेत 16 गवाह पेश किए गए। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता श्रीपाल वर्मा ने बताया कि पांच अक्तूबर को अदालत ने गवाहों के बयान और सरकारी वकील के तर्कों को सुनने के बाद रमनदीप और मिट्ठू को दोषी माना था। शनिवार को अदालत ने दोनों की सजा का एलान किया। रमनदीप कौर को फांसी और मिट्ठू को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। अदालत ने रमनदीप पर पांच लाख और मिट्ठू पर तीन लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

बच्ची को पिलाई एक्सपायरी डेट की दवा, हालत बिगड़ी

संतकबीरनगर। क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शनिचरा बाजार में कार्यरत एक एएनएम ने शनिवार को 16 महीने की बच्ची को एक्सपायरी डेट की दवा पिला दी। जिससे बच्ची की हालत बिगड़ने लगी तो उसे सीएचसी मलौली ले जाया गया। जहां उसका इलाज डॉक्टर ने किया और हालत में सुधार है। रविवार को पीड़ित पिता ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से शिकायत कर एएनएम के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। शनिचरा बाजार के लाला पुरवा निवासी सुधाकर वर्मा का आरोप है कि वह अपनी 16 माह की बेटी अद्विका को इलाज के लिए चार अक्तूबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शनिचरा बाजार लेकर गया था। जहां एएनएम ने बच्ची को टीका लगाया। उसके बाद अस्पताल से फोलिक एसिड की दवा पिलाई। पीड़ित पिता का आरोप है कि दवा पिलाने के बाद बच्ची की हालत बिगड़ने लगी तो उसे पुनः सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शनिचरा बाजार ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने दवा की शीशी देखा तो वह आठ अगस्त 2023 को एक्सपायर हो चुकी थी। डॉक्टर ने एएनएम को बुलाकर फटकार लगाई और बच्ची को दवा दी, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ तो उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मलौली ले गए। जहां इलाज के बाद बच्ची की हालत में सुधार होता दिखने लगा। रविवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शनिचरा बाजार में निरीक्षण करने पहुंचे तो उनके आने की जानकारी सुधाकर वर्मा को हुई। सुधाकर वर्मा सीएमओ के पास पहुंचकर बच्ची को एक्सपायरी डेट की दवा पिलाई जाने की शिकायत की। इस पर सीएमओ ने कहा कि इसकी लिखित शिकायती पत्र दें, जिसकी जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। सीएमओ के जवाब से पीड़ित पिता दुखी हुआ। सुधाकर ने आरोप लगाया कि जिले के जिम्मेदार अधिकारी गैरजिम्मेदाराना तरह से बात कर रहे हैं। एएनएम को बुलाकर एक बार पूछताछ भी नहीं कर रहे हैं तो किससे न्याय की उम्मीद की जाए। इस संबंध में केंद्र के अधीक्षक डॉ. प्रशांत कुमार ने कहा कि बच्ची को एएनएम के जरिए एक्सपायरी डेट की दवा पिलाए जाने की जानकारी मिली है। पीड़ित ने मौखिक शिकायत सीएमओ से भी की है।

संक्षिप्त समाचार

बुजुर्ग ने 2.40 लाख ठगने का लगाया आरोप

सीतापुर। थानाक्षेत्र में एक सेवानिवृत बुजुर्ग ने अज्ञात लोगों पर टप्पेबाजी कर चेक के माध्यम से रुपये निकालने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हदीरा गांव निवासी गोकरन सेवानिवृत कर्मचारी हैं। उन्होंने बताया कि बुधवार को कुछ लोग गांव पहुंचे। कंप्यूटर लेबलिंग मशीन से खेत को समतल कराने को कहा। खेत में काम पूरा होने के बाद उन्होंने कार्य करने के एवज में एक हजार रुपये देने की मांग की। बुजुर्ग ने कहा कि उसके पास इस दौरान पैसे नहीं हैं। उन्होंने टप्पेबाजों से गांव में रुकने को कहा। आरोप है कि उन व्यक्तियों में से दो व्यक्ति बुजुर्ग के साथ पिसावां स्थित भारतीय स्टेट बैंक पहुंचे और वहां कुछ नशीला पदार्थ खिला दिया। जिसके बाद सीतापुर ले जाकर चेक के माध्यम से 2.40 लाख रुपये निकाल लिए। एसओ राजीव सिंह ने बताया कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

घर में घुसकर दुष्कर्म का प्रयास, आरोपी ने पिलाया विषाक्त पदार्थ

सीतापुर। रेउसा थाना क्षेत्र में एक विशेष समुदाय के युवक ने किशोरी से छेड़छाड़ की। इसके बाद उसे विषाक्त पदार्थ पिला दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग गया। किशोरी को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं पुलिस का कहना है कि मामला फर्जी है। किशोरी ने खुद ही विषाक्त पदार्थ पीया है। एक गांव में 15 वर्षीय किशोरी अपने घर में थी। इसी दौरान बेदौरा निवासी शरीफ उसके घर में घुस आया। उसने छेड़छाड़ करते हुए दुष्कर्म का प्रयास किया। आरोप है कि युवक ने असफल होने पर किशोरी को जहरीला पदार्थ पिला दिया। चीख पुकार सुनकर पीड़ित की मां व अन्य लोग मौके पर पहुंचे तब तक आरोपी भाग गया। बताते हैं आरोपी के चप्पल और साइकिल मौके पर ही रह गई। एसओ घनश्याम राम ने बताया कि जांच में पता चला है कि किशोरी और युवक में पहले से नजदीकियां हैं। किशोरी ने खुद ही विषाक्त पदार्थ पीया है। किशोरी की मां की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

बाउली में डूबने से किशोर की मौत

सोनभद्र। कोतवाली क्षेत्र के लोहांडी गांव में रविवार शाम बाउली में डूबने से एक किशोर की मौत हो गई। लोहांडी गांव निवासी अजय कोल का पुत्र बृजेश (14) की गांव में ही अकड़िहवा तालाब के पास खेत में बने बाउली में रविवार को डूबने से मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि रविवार को सुबह 10 बजे बृजेश नहाने के लिए गांव में ही अकड़िहवा तालाब के पास एक किसान की निजी बाउली में गया था। इसी दौरान पांव फिसलने से गहरे पानी में जाने से उसकी मौत हो गई। काफी देर तक घर न लौटने पर घर के लोगों ने खोज बीन शुरू की तो बाउली के पास उसका कपड़ा और चप्पल पड़ा हुआ था। घटना की जानकारी होते ही रोते बिलखते परिजन मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने तलाश शुरू की और दोपहर दो बजे उसे बाउली से बाहर निकाला गया। आनन फानन में उसे घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। चिकित्सकों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। समाचार लिखे जाने तक परिजनों ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई के लिए पुलिस को सूचना नहीं दी। मृतक बृजेश दो भाइयों और एक बहन में छोटा था। उधर हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

दो साल से पहले खराब हुआ पैच वर्क तो अफसरों की तय होगी जवाबदेही - जितिन प्रसाद

सोनभद्र। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद ने बृहस्पतिवार की रात सर्किट हाउस सभागार में अफसरों के साथ बैठक की। दीपावली के पूर्व जिले की सभी सड़कों को गड्ढामुक्त करने का निर्देश दिया। बैठक में मंत्री ने कहा कि बाढ़ व खनन क्षेत्रों को छोड़कर अन्य क्षेत्रों में पैच मरम्मत के कार्य में अगर दो साल के पूर्व स्थिति खराब पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों की सड़कों में ज्यादा गड्ढे हो गए हैं, उन सड़कों की विशेष मरम्मत के लिए प्रस्ताव बनाकर भेजा जाय। उन सड़कों के मरम्मत कार्य भी शीघ्रता के साथ पूर्ण किया जाय। उन्होंने कहा कि पैच मरम्मत व सड़कों के निर्माण कार्यों से संबंधित सूची जनप्रतिनिधियों को भी उपलब्ध कराएं। उन्होंने राबर्ट्सगंज नगर पालिका क्षेत्र में ओवरब्रिज पर लाइट, पेंटिंग, जाली और रेडियम लाइट, दुर्घटना बहुल क्षेत्र के लिए संकेतक आदि न लगाने पर नाराजगी व्यक्त की। टोल प्लाजा व उससा के प्रतिनिधि को निर्देशित करते हुए कहा कि अतिशीघ्र यह कार्य पूरे कर लिए जाएं। अनदेखी पर जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई की जाय। राबर्ट्सगंज से घोरावल रोड के मरम्मत व निर्माण कार्य को अतिशीघ्र गुणवत्ता पूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में समाज कल्याण विभाग के राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड, सांसद पकौड़ी लाल कोल, विधायक सदर भूपेश चौबे, भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता आदि मौजूद रहे।

बिजली मीटर बाहर निकालने गई टीम का किया विरोध, बुलाई पुलिस

सोनीपत। गांव झरोठी में घरों से मीटर बाहर करने पहुंची बिजली निगम की टीम को विरोध का सामना करना पड़ा। गांव में टीम आने पर महिलाओं ने हंगामा कर दिया। इसकी वजह से टीम को कुछ समय के लिए बिजली मीटर बाहर करने की काम बंद करना पड़ा। बिजली निगम की टीम म्हारा गांव-जगमग गांव योजना के तहत झरोठी गांव में रविवार को मीटर घरों से बाहर निकालने गई थी। कार्रवाई शुरू होते ही गांव की महिलाओं ने एकत्रित हो बिजली निगम की कार्रवाई का विरोध करते हुए हंगामा कर दिया। महिलाएं योजना के तहत मीटर बाहर करने से मना कर रही थीं, लेकिन पुलिस बल के मौजूद होने के कारण उनकी एक भी नहीं चली। निगम के कर्मचारियों ने पुलिस की मौजूदगी में फिर से मीटर शिफ्ट करना शुरू किया। बिजली मीटर घरों से बाहर किए जा रहे हैं। झरोठी गांव में कार्रवाई को ग्रामीण महिलाओं ने रुकवाया था। जिसके बाद पुलिस को बुलाया गया। बाद में महिलाओं को शांत कर मीटर बाहर करने का काम शुरू कर दिया गया।

बूथ स्तर पर हो मजबूत कार्यकर्ता का चुनाव

प्रतापगढ़। अपना दल एस के कार्यवाहक राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री आशीष सिंह पटेल ने रविवार को कार्यकर्ताओं में जोश भरा। कहा, 17 सितंबर को डॉ.सोनेलाल पटेल का परिनिर्वाण दिवस ऐतिहासिक रूप से मनाया जाएगा। कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव के प्रति आगाह करते हुए कहा, बूथ स्तर पर मजबूत कार्यकर्ता का चुनाव करना होगा। जिला पंचायत सभागार में हुई बैठक से पहले कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से कैबिनेट मंत्री का स्वागत किया। जिला पंचायत सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने दावा किया कि डॉ.सोनेलाल पटेल का परिनिर्वाण दिवस 17 अक्तूबर को धूमधाम से मनाया जाएगा। इसमें केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल भी शामिल होंगी। साथ ही कैबिनेट मंत्री ने विभागीय अफसरों के साथ बैठक करके अभियान चलाकर लक्ष्य पूरा करने को कहा। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार पाल, विधायक विश्वनाथगंज जीतलाल पटेल, राष्ट्रीय सचिव केके पटेल पूर्व सांसद फूलपुर नागेंद्र सिंह, प्रदेश सचिव कमलेश विश्वकर्मा, राष्ट्रीय महासचिव एवं सलाहकार राजेंद्र पाल, प्रदेश महासचिव परमानंद मिश्रा, प्रदेश सचिव बौद्धिक मंच कुशाग्र श्रीवास्तव और जिलाध्यक्ष बृजेश पटेल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

माफिया अतीक अहमद के बालिग बच्चे को बालगृह से छोड़ने की कार्रवाई शुरू, कुछ देर में हो सकती है रिहाई

प्रतापगढ़। अतीक अहमद के चौथे बेटे एहजम की रिहाई की तैयारी चल रही है। सोमवार को सुबह 11 बजे उसे छोड़ने की प्रक्रिया शुरू होगी। बाल कल्याण समिति ने यह निर्णय लिया है। इसी एहजम चार अक्तूबर को 18 साल का हो चुका है और ऐसे में नियमतः उसे बाल संप्रेक्षण गृह में नहीं रखा जा सकता। अतीक अहमद के चौथे बेटे एहजम की रिहाई की तैयारी चल रही है। सोमवार को सुबह 11 बजे उसे छोड़ने की प्रक्रिया शुरू होगी। बाल कल्याण समिति ने यह निर्णय लिया है। इसी एहजम चार अक्तूबर को 18 साल का हो चुका है और ऐसे में नियमतः उसे बाल संप्रेक्षण गृह में नहीं रखा जा सकता। मामले में उसकी बुआ शाहीन की ओर से सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर दोनों बच्चों को उन्हें सौंपने की मांग की थी। मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से बाल कल्याण समिति को विचार कर रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। मामले की अगली सुनवाई 10 अक्तूबर को होनी है। वहीं, चर्चा इस बात की भी रही कि सोमवार को एहजम की रिहाई भी हो सकती है। हालांकि इसकी कोई पुष्टि नहीं हो सकी।

युवक ट्रेन के आगे कूदा युवक, बाल-बाल बचा

लालगंज (रायबरेली) । कस्बे के आलमपुर रेलवे क्रॉसिंग के निकट रविवार शाम युवक ने ट्रेन के सामने कूद कर आत्महत्या की कोशिश की। ट्रेन चालक की तत्परता और वहां मौजूद लोगों की मदद से युवक को बचा लिया गया। युवक की पहचान सरेनी क्षेत्र के सगरा निवासी विजय रैदास के रूप में हुई। वह शाम छह बजे आलमपुर क्रॉसिंग के निकट रेलवे लाइन के सामने कूद गया था। प्रभारी निरीक्षक शिवशंकर सिंह ने बताया कि युवक किसी बात को लेकर घरवालों से क्षुब्ध था। परिवारीजनों को बुलाया गया है।

नगर में दो पार्किंग स्थल चिह्नित, व्यवसायिक वाहनों से लेंगे शुल्क

सोनभद्र। नगर पालिका प्रशासन सिर्फ उन्हीं व्यवसायिक वाहनों से शुल्क वसूलेगा, जो नगरीय क्षेत्र से संचालित किए जाएंगे। नगर क्षेत्र में कहीं भी बैरियर लगाकर शुल्क नहीं वसूला जाएगा। जल्द ही व्यवसायिक वाहनों से शुल्क वसूली का रेट निर्धारित किया जाएगा। व्यवसायिक वाहनों के संचालन के लिए नगर में दो पार्किंग स्थल चिह्नित किए गए हैं। नगर पालिका सोनभद्र की हाल ही में हुई बोर्ड की बैठक में पार्किंग शुल्क लेने का निर्णय लिया गया है।

जिस पर पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा ने आपत्ति दर्ज कराई है। उनका कहना है कि 2012 से पहले नगर में पार्किंग शुल्क वसूला जाता था। 2012 में सपा की सरकार बनने पर यह स्वयं राबर्ट्सगंज में पार्किंग शुल्क को बंद कराया था।

शासनादेश का उन्होंने हवाला देते हुए बताया है कि नगर में व्यापारिक उद्देश्य से आने वाले उन्हीं वाहनों से पार्किंग शुल्क वसूला जा सकता है जो नगर पालिका की तरफ से बनाए गए पार्किंग स्टैंड पर वाहन पार्क करेंगे। वहां शौचालय, पेयजल की सुविधाएं भी होनी चाहिए। पूर्व विधायक ने इस प्रस्ताव पर पुनःविचार करने और पार्किंग शुल्क पर प्रतिबंध लगाए जाने पर जोर दिया है। वहीं, इस संबंध में नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी विजय कुमार यादव का कहना है कि राबर्ट्सगंज नगर में रामसरोवर तालाब के पास वाहन पार्किंग स्थल बनाया गया है। यहां शौचालय, यूरिनल एवं पेयजल की व्यवस्था है। दूसरा अस्थायी वाहन पार्किंग स्थल बढ़ौली चौक के समीप बनाया जाएगा। यहां से टेम्पो सहित अन्य वाहन सवारी बैठा सकेंगे और यहां जनसुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। बताया कि नगर पालिका प्रशासन सिर्फ उन व्यवसायिक वाहनों से शुल्क वसूल करेगा, जिसका संचालन नगरीय क्षेत्र से होते हुए किया जा रहा है।

बाहरी वाहनों पर शुल्क नहीं लगेगा। न कहीं नगर क्षेत्र में बैरियर लगाकर शुल्क वसूला जाएगा। बताया कि अभी टेम्पो या अन्य व्यवसायिक वाहनों से कितना शुल्क लिया जाएगा, अभी इसका निर्धारण नहीं हुआ है। जल्द ही बैठक करते हुए शुल्क तय किया जाएगा।

जनपद में सबसे पहले चलेगी टोडरपुर चीनी मिल

सहारनपुर। जनपद में चीनी मिलों ने पेराई सत्र प्रारंभ करने की कवायद शुरू कर दी है। मिलों द्वारा जारी की गई संभावित तिथि के अनुसार लंबे समय तक बंद रही टोडरपुर चीनी मिल जनपद में सबसे पहले 26 अक्तूबर को पेराई सत्र का शुभारंभ करेगी। इसके बाद गागनौली चीनी मिल के 31 अक्तूबर तक चलने की संभावना है। समय पर पेराई सत्र शुरू कराने को लेकर गन्ना विभाग के अधिकारी लगातार मिलों में होने वाले मरम्मत कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं।

इस बार जनपद में स्थापित सभी चीनी मिलें संचालित होंगी। इनमें लंबे से बंद पड़ी टोडरपुर और बिड़वी चीनी मिल भी शामिल हैं। जनपद में इस बार गन्ने का क्षेत्रफल 121754 हेक्टेयर है। जनपद की सभी आठों चीनी मिलों के चलने से इनके बीच अधिक से अधिक गन्ना आवंटन को लेकर शुगर मिलों के बीच मारामारी रहेगी।

किशोरियों को बेचने के मामले में 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

सोनभद्र। थाने की पुलिस ने वर्ष 2016 में दो नाबालिग लड़कियों को मथुरा बेचे जाने के मामले में फरार चल रहे एक 25 हजार के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी मथुरा से की है। फरार चल रहे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक डॉ.यशवीर सिंह ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। इस मामले में कई अन्य आरोपियों की पहले ही गिरफ्तारी हो चुकी है। बभनी थाने की पुलिस के मुताबिक वर्ष 2016 में एक गांव के रहने वाले व्यक्ति ने बभनी थाने में अपने पुत्री तथा अपने भाई की पुत्री को दो महिलाओं पर बहला फुसलाकर कर बेचने की शिकायत दर्ज कराया था। तहरीर के अनुसार बभनी पुलिस ने दोनों महिलाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। इसके बाद पुलिस ने जांच करना शुरू किया। इस मामले में पुलिस ने घघरा निवासी लीलावती तथा चैनपुर निवासी उर्मिला को तीन फरवरी 2016 को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार की गई दोनों महिलाओं के निशानदेही पर चार फरवरी 2016 को मथुरा से दोनों नाबालिग लड़कियों को बरामद किया गया था। दोनों बालिकाओं का बयान दर्ज करते हुए पुलिस ने आरोपी दिनेश उर्फ दिन्ने पुत्र नेतराम निवासी पैगाम थाना शेरगढ़ मथुरा, सतवीर जाट पुत्र खजाना सिंह, कलुआ पुत्र करन सिंह तथा नीरज जाट पुत्र अर्जुन सिंह निवासीगण गढ़ी चौक शेरगढ़ मथुरा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद से सभी आरोपी फरार चल रहे थे। फरार चल रहे अभियुक्तों के विरुद्ध 82 व 83 की कार्रवाई भी हो गई। इसके बाद 16 अक्तूबर 2022 को मामले में आरोपी दिनेश उर्फ दिन्ने को मथुरा से गिरफ्तार किया गया था। फरार चल रहे अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया।

पदक विजेता बेटी का परिजनों ने किया हवाई अड्डे पर स्वागत

सहारनपुर। चीन में आयोजित एशियाई खेलों में चार गुना 400 मीटर रिले स्पर्धा में रजत पदक विजेता प्राची चौधरी भारत लौट आई। जहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर परिजनों ने बेटी का जोरदार स्वागत किया। चीन के हेंगझोउ शहर में आयोजित एशियाई खेलों में एथलेटिक्स टीम स्पर्धा प्रतियोगिता में रजत पदक दिलाने वाली सरसावा क्षेत्र के इब्बीरग गांव की बेटी प्राची चौधरी गत दिवस चीन के साथ भारत वापस लौट आई। प्राची के परिजन सचिन कालियर ने बताया कि चीन से लौटने के तुरंत बाद प्राची को एक राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा में भाग लेने के लिए बेंगलुरु रवाना होना था। इसलिए उन्होंने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत करने के उपरांत वहीं से ही बेंगलुरु के लिए रवाना होने से पूर्व प्राची स्वागत किया। परिजनों ने बताया कि प्राची का लक्ष्य भारत को एथलेटिक्स में उच्च मुकाम पर पहुंचाना है, जिसके लिए उसने घर आने से पूर्व अन्य स्पर्धा में भाग लेने की ठान ली है। अब प्राची चौधरी इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के उपरांत करीब 10 दिन बाद गांव लौटेगी।

सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत, शव रखकर हंगामा

प्रतापगढ़। सड़क हादसे में घायल युवक बलराज यादव (28) की रविवार को इलाज के दौरान मौत हो गई।

परिजनों ने शव सड़क पर रखकर जमकर हंगामा किया। मृतक की मां की तहरीर पर चार नामजद समेत पांच लोगों के खिलाफ पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। हादसा 29 सितंबर को हुआ था, जिसमें दो युवकों की पहले मौत हो चुकी है। कोलाहल का पुरवा हरनामगंज निवासी बलराज यादव, पूरे शाह करम अली निवासी इमरान अहमद (35) तथा मवई कला गांव निवासी कपिल सोनकर (19) 29 सितंबर को एक ही बाइक से जा रहे थे। रात नौ बजे प्रयागराज-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर मन्नान की बाजार मियां का पुरवा के पास अनियंत्रित तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

तीनों युवकों को गंभीर अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुंडा में भर्ती कराया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय, प्रयागराज भेज दिया गया। जहां इलाज के दौरान अलग-अलग दिनों पहले इमरान, फिर कपिल सोनकर की मौत हो गई। रविवार को बलराज यादव ने दम तोड़ दिया।

तीन मौतों से क्षेत्र में शोक की लहर छा गई। रविवार को शाम करीब पांच बजे युवक बलराज का शव घर पहुंचा तो परिजन हंगामा करने लगे। मौके पर मौजूद सीओ अजीत सिंह ने उन्हें समझाया। दो दिन के अंदर आरोपियों की गिरफ्तारी के आश्वासन पर परिजन अंतिम संस्कार के लिए तैयार हुए और शव लेकर करेंटी घाट चले गए। मृतक बलराज यादव की विधवा मां राजकुमारी ने कुंडा कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि पड़ोस के रमेश चंद्र मौर्य ने अपने परिजनों के साथ मिलकर हमारे बेटे की बाइक में अपनी गाड़ी से टक्कर मारी थी, जिससे तीनों की मौत हुई। इससे पहले हत्यारोपियों ने 23 सितंबर को बलराज यादव के बकाया पैसा मांगने पर लाठी डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया था।

उस लोग मेरे बेटे के साथ पहले से ही दुश्मनी रखते थे। राजकुमारी की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने हरनामगंज कोलाहल का पुरवा निवासी रमेश चंद्र मौर्य, बेटा क्रांतिवीर मौर्य, भाई धर्मराज मौर्य और अज्ञात वाहन चालक समेत पांच लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

सभी राज्यों में शहद मंडी स्थापित कराएं

सहारनपुर। विभिन्न मांगों को लेकर मधुक्रांति बी फारमर्स वेलफेयर सोसायटी की ओर से एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें मधुमक्खी पालकों ने विभिन्न समस्याओं पर मंथन किया। उन्होंने सभी शहद उत्पादक राज्यों में शहद मंडी स्थापित करने और शहद का लाभकारी मूल्य दिलाने सहित अन्य मांग की। रविवार को दिल्ली रोड स्थित एक सभागार में आयोजित सम्मेलन में वक्ताओं ने मधुमक्खी पालकों की विभिन्न समस्याओं और मांगों पर मंथन किया।

वक्ताओं ने कहा कि शहद का उचित भाव नहीं मिलने के चलते मधुमक्खी पालकों को लगातार घाटे का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब से हुए शहद के बारे में भारत में गलत धारणा है। इसलिए शहद का एनएमआर और टीएमआर टेस्ट को फिर से लागू किया जाए। भारत में होने वाले शहद में 80 प्रतिशत हिस्सा सरसों के शहद का है। जिसे विदेशों में किम हनी के नाम से जाना जाता है। इसके चलते मधुमक्खी पालकों को विदेशी बाजार पर निर्भर रहना पड़ रहा है। शहद क्रय केंद्र नहीं होने से उत्पादकों को शोषण का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए नेशनल बी बोर्ड सभी उत्पादक राज्यों में शहद की मंडी स्थापित कराए। जिससे मौनपालकों को शहद का लाभकारी मूल्य मिल सके। जिला उद्यान अधिकारी गम पाल सिंह, सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश जाखड़, राष्ट्रीय महासचिव विशन सिंह गुलेरिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रणजीत सिंह गोदारा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजीव कांबोज, हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष आजाद भादू, जम्मू कश्मीर के प्रदेश अध्यक्ष जनकराज, दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष प्रफुल्ल आर्य, पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष गुरपाल सिंह, उत्तरी राजस्थान के अध्यक्ष प्रकाश सिंह बादल, पूर्वी राजस्थान के अध्यक्ष बटू मदेरना, दक्षिणी राजस्थान के अध्यक्ष लटूरलाल मीणा, उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण सिंह, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार, संजीव पंवार आदि मौजूद रहे।

- मधुमक्खी पालकों की प्रमुख मांगे
- उत्पादन लागत को देखते हुए मिले शहद का लाभकारी मूल्य
- सरसों, कपास, सूरजमुखी एवं बाजरे के जेनेटिक बीजों से हो परहेज
- मौन पालकों को माइग्रेशन पॉलिनेशन खर्च को आधार बनाकर दिया जाए अनुदान
- सेना, मिड-डे मील एवं आंगनबाड़ी की पौषण योजना में किया जाए शामिल
- मौन पालकों को दी जाए किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा
- मौनपालकों के उत्थान के लिए लाई जाए कल्याणकारी योजना

पतंजलि में बुकिंग के नाम पर युवती से एक लाख की ठगी

सोनीपत। सेक्टर-15 निवासी युवती को झांसे में लेकर साइबर अपराधियों ने पतंजलि में उपचार के लिए बुकिंग कराने के नाम पर एक लाख रुपये ऐंठ लिए। युवती के बयान पर सेक्टर-27 थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मूलरूप से महाराष्ट्र के अमरावती जिला फिलहाल सेक्टर-15 सोनीपत निवासी शिवानी ने पुलिस को बताया कि उनके पास सचिन अग्रवाल नाम से पतंजलि में बुकिंग के लिए फोन आया था। उन्होंने बताया गए खाते में ऑनलाइन रुपये जमा कर दिए। बाद में जब फोन किया तो नंबर पर बात नहीं हुई। कई बार फोन किए गए, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। जिसके बाद उन्होंने पता लगाया तो जानकारी मिली कि उनके साथ ठगी हुई है। उन्होंने पुलिस को अवगत कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

एयर शो में उमड़ा जनसमूह, दिखा कुंभ के अमावस जैसा नजारा

प्रयागराज। प्रयागराज की धरती पर रविवार को जोश से लबरेज जनसमूह के बीच भारतीय जाबांजों के शौर्य की नई गाथा लिखी गई। आसमान में गर्जना करते वायु सेना के लड़ाकू विमानों और जाबांजों ने सुरक्षित भारत का भरोसा दिलाया तो लोगों ने भी नारों एवं तालियों से उनका स्वागत किया। जोश एवं उत्साह का अनुमान इससे ही लगाया जा सकता है कि तिलमिलाती धूप के बावजूद संगम की रेती तथा आसपास के क्षेत्रों में कुंभ के अमावस जैसा नजारा देखने को मिला। मौका था वायु सेना दिवस के अवसर पर आयोजित एयर शो का। इसे लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। संगम क्षेत्र के हर कोने पर तो लोगों की भीड़ रही ही, अरैल, झूंसी की तरफ भी अपार जनसमूह जमा रहा। भीड़ का अंदाजा इससे ही लगाया जा सकता है कि सुबह 10 बजे से लोगों के संगम क्षेत्र में आने का क्रम शुरू हो गया था। करीब 12 बजे तक महात्मा गांधी मार्ग, बालसन से संगम, शास्त्री ब्रिज, कीडगंज समेत संगम की तरफ जाने वाले हर मार्ग पर रेला लग गया था। करीब पौने तीन बजे एयरशो शुरू होने के बाद भी लोगों के आने का सिलसिला जारी रहा। यही स्थिति अरैल और झूंसी की तरफ भी रही। अरैल में गंगा और यमुना के किनारे हजारों लोग वायु योद्धाओं की इस जाबांजी का हिस्सा बने। एयर शो की शुरुआत चिलुक हेलीकॉप्टर से हुई तो लोगों ने तालियों से उसका स्वागत किया। इसके बाद यह सिलसिला लगातार चलता रहा। करीब आठ हजार फीट की ऊंचाई से 10 पैराजंपर तिरंगा लहराते हुए नीचे आए। इस दौरान तालियों की करतल ध्वनि के साथ भारत माता की जय, वंदेमातरम का जयघोष भी होता रहा।

ड्रेन के सुंदरीकरण में बाधक अवैध मकान को खुद तोड़ने लगे मालिक

सोनीपत। ड्रेन नंबर छह के सुंदरीकरण में बाधा बन रहे अवैध मकानों को लोग तोड़ने लगे हैं। रविवार को दूसरे दिन नगर निगम की टीम मकानों को गिराने सिक्का कॉलोनी पहुंची थी। टीम की ओर से सिक्का कॉलोनी से लेकर ओल्ड डीसी रोड के बीच बने मकानों को गिराया जाना था। टीम के पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने निगम अधिकारियों से अपील की कि वह उन्हें थोड़ा समय दें। वह खुद अपने मकानों को हटा लेंगे। ड्रेन के निर्माण कार्य में बाधा नहीं आने देंगे। टीम के लौटने के बाद लोगों ने अपने मकानों को हटाना शुरू कर दिया है। सुंदरीकरण को लेकर अमृत योजना के तहत 2016 में ड्रेन नंबर 6 को मैच बॉक्स आकार में कवर करने की रूपरेखा तैयार की थी। योजना के तहत 4.9 किलोमीटर लंबी ड्रेन पक्की करने के लिए नगर निगम ने एमएस गर्ग एजेंसी को 88 करोड़ की लागत से सितंबर 2017 को कार्य अलॉट कर दिया था। एजेंसी बाद में अपनी शर्तों पर खरा नहीं उतर सकी। इसके चलते निगम ने 8 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाकर एजेंसी से काम छीन लिया था। बड़ी रुकावट रही पुरानी एजेंसी के खिलाफ भी निगम को कोर्ट में जीत मिली थी। इसके बाद निगम की ओर से दूसरी एजेंसी को नया टेंडर करीब 15 फीसदी अधिक राशि में आवंटित किया था शहर के अंदर ड्रेन के 1200 मीटर हिस्से में बने 463 मकान निर्माण में बाधा बने हुए हैं, जिसके चलते निर्माण कार्य अटका हुआ है। ड्रेन नंबर छह के सुंदरीकरण में रोड़ा बन रहे अवैध रूप से बने मकानों को हटाने के लिए नगर निगम की टीम ने तोड़फोड़ की कार्रवाई की थी। इस दौरान 18 मकानों को बुलडोजर से हटाया गया था। दूसरे दिन रविवार को टीम मौके पर पहुंची तो लोगों ने खुद मकानों को हटाने की अपील की। इस पर टीम के लौटने के बाद लोगों ने 15 फुट तक जमीन खाली करनी शुरू कर दी है। इस जमीन से ड्रेन को पक्का करने के लिए दूषित पानी का डायवर्जन किया जाएगा। लोगों ने खुद ड्रेन नंबर छह पर बने मकानों को हटाना शुरू कर दिया है।

जमीन विवाद पर अफसर सख्त, संयुक्त टीम बनाकर कार्रवाई के निर्देश

सोनभद्र। जिले की तहसीलों में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की भीड़ रही। जमीन से जुड़े विवादों पर तत्परता दिखाते हुए अफसरों ने राजस्व कर्मियों को पुलिस टीम के साथ मौके पर जाकर उसका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। तहसील राबर्ट्सगंज में संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए सीडीओ सौरभ गंगवार ने समस्याओं को सरलभाव से सुना। अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्राप्त शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण तरीके से निस्तारण कर शिकायतकर्ता का फीडबैक भी लें। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। यहां कुल 69 मामले आए। इसमें 15 मामलों का निस्तारण हुआ। इस मौके पर एसडीएम निखिल कुमार यादव भी मौजूद रहे। तहसील ओबरा में एडीएम सहदेव मिश्र व एसडीएम प्रभाकर सिंह की अध्यक्षता में 31 प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई की गई। इसमें दो मामलों का समाधान हुआ।

विभाग की गोपनीय सूचनाएं लीक कर रहा था लिपिक, कर्मचारियों से अभद्रता भी की

संभल। संभल जनपद की डिप्टी आरएमओ विजेयता सिंह ने विभाग में तैनात लिपिक सुरेंद्र कुमार के खिलाफ पत्र लिखकर शिकायत की थी। इसमें लिपिक पर कई प्रकार के आरोप लगे थे। इसे देखते हुए अधिकारियों ने उसे निलंबित कर दिया। चंदौसी के डिप्टी आरएमओ की शिकायत पर खाद्य विपणन विभाग में तैनात लिपिक सुरेंद्र कुमार को आरएमओ मुरादाबाद ने निलंबित कर दिया है। उन पर स्टाफ से अभद्रता करने, विभागीय गोपनीय सूचना बाहर भेजने और कार्यालय के अंदर प्राइवेट व्यक्तियों से घनिष्ठता का आरोप है। इस मामले में आरएमओ ने कार्रवाई की है तथा जांच बिजनौर के डिप्टी आरएमओ को सौंपी है। संभल जनपद की डिप्टी आरएमओ विजेयता सिंह ने तीन अगस्त को विभाग में तैनात लिपिक सुरेंद्र कुमार के खिलाफ पत्र लिखकर शिकायत की थी। शिकायती पत्र में बताया था कि लिपिक सुरेंद्र कुमार के खिलाफ विभागीय निरीक्षक व अन्य कर्मचारियों ने लिखित शिकायत की थी।

बताया था कि उनके साथ में लिपिक सुरेंद्र ने अभद्रता, गाली गलौज की है। बताया था कि सुरेंद्र कुमार वर्ष 2013-14 से यहां पर तैनात है। उनके प्राइवेट लोगों से संपर्क हो चुके हैं। विभाग के उच्च स्तर पर यदि कोई पत्र लिखा जाता है अथवा विभाग के हित की कोई गोपनीय सूचना होती है, तो वह पत्र अथवा सूचना प्राइवेट व्यक्ति तक पहले ही पहुंच जाता है। ऐसा कई बार हो चुका है। जो विभाग के हित में नहीं है। पिछले दो साल में उनका व्यवहार विपणन निरीक्षकों के प्रति खराब है। वह जानबूझकर विभागीय कार्यों में व्यवधान डालते हैं। जिससे प्रशासन व विभाग की छवि खराब हो रही है। डिप्टी आरएमओ की शिकायत का संज्ञान लेते हुए आरएमओ मुरादाबाद मनोज कुमार ने लिपिक सुरेंद्र कुमार को निलंबित कर दिया है। उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए बिजनौर के डिप्टी आरएमओ को जांच अधिकारी नामित किया है।

साधारण से असाधारण की खोज है कीर्ति कुमार की कहानियां

प्रतापगढ़। हिंदुस्तानी एकेडमी में वाणी प्रकाशन और भारतीय ज्ञानपीठ की तरफ से रविवार को आयोजित संगोष्ठी में डॉ. कीर्ति कुमार की पांच कहानी संग्रह पर चर्चा की गई। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रो. प्रभाकर सिंह ने कहा कि कीर्ति कुमार की कहानियां साधारण से असाधारण की खोज हैं। उन्होंने कहा कि इनकी कहानियों में कहीं-कहीं आदर्शवाद भी हावी होता दिखता है। उनकी लघु कथाओं का ढांचा अपेक्षाकृत ज्यादा मजबूत है। उनका उपन्यास काशीनाथ सिंह की काशी का अस्सी की याद दिलाता है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मीडिया स्टडीज विभाग के समन्वयक डॉ. धनंजय चोपड़ा ने कहा कि टेक्नोलॉजी महत्वपूर्ण है, लेकिन पढ़ा वहीं जा रहा है, जिसमें व्यक्ति खुद को खोज पा रहा है। साहित्य को जितना सहज बनाकर प्रस्तुत किया जाता है, उसकी पहुंच अधिक से अधिक लोगों तक होती है। इस मौके पर डॉ. संजय कुमार सिंह, अशोक मेहता, डॉ. हर्षमणि सिंह, विनोद तिवारी आदि उपस्थित रहे।

अनूठी रामलीला- मंच पर एक साथ होती हैं कई पीढ़ियां, दादा बनते परशुराम तो पोता लक्ष्मण की भूमिका में

सोनभद्र। वक्त के साथ भूमिकाएं बदली, नहीं बदले तो रामलीला के कलाकार। हम बात कर रहे हैं सोनभद्र जिले के दुद्धी की अनूठी रामलीला की। यहां कोई 50 तो कोई 65 साल से अभिनय कर रहा है। सोनभद्र जिले के दुद्धी नगर की रामलीला का इतिहास काफी पुराना है। सिंगरौली स्टेट के समय से यहां रामलीला का मंचन होता आ रहा है, जो आज भी कायम है। पहले इसे नगर के सेठ-आढ़ती मिलकर कराते थे, मगर अब यह जन सामान्य के सहयोग से रामलीला होती है। खास बात यह कि इस लीला का मंचन स्थानीय लोग ही करते हैं। कई कलाकार दशकों से इस रामलीला से जुड़े हैं तो किसी की तीसरी-चौथी पीढ़ी मंचन में लगी है। बस वक्त के साथ उनकी भूमिकाएं बदलती रही हैं। साल भर वह कहीं रहें, लेकिन रामलीला के लिए दुद्धी जरूर आते हैं।

रामलीला मंडली के मैनेजर कमलेश कमल खुद करीब 48 सालों से कैकेयी, सुलोचना, जनक, दशरथ, साधु रावण जैसे अलग-अलग किरदार में अभिनय करते रहे हैं। उनके परिवार के नवयुवक भी विभिन्न भूमिकाओं में रामलीला से जुड़े हैं। देवेंद्र मिश्र करीब 65 वर्षों से रामलीला से जुड़े हैं। उन्होंने बचपन में सबसे पहले शत्रुघ्न की भूमिका निभाई। इसके बाद उम्र बढ़ने के साथ वह भरत, लक्ष्मण, राम, मेघनाथ, परशुराम, अहिरावण और रावण के रोल में भी मंच पर अपनी प्रतिभा दिखा चुके हैं। उनके परिवार की चार पीढ़ी कुछ वर्षों पहले तक एक साथ मंच पर अभिनय करती रही है। चाचा स्व. प्रेमचंद मिश्र रामलीला में व्यास की भूमिका निभाते थे। वहीं देवेंद्र मिश्र रावण और परशुराम की भूमिका में थे। पुत्र नित्यानंद मिश्रा मेघनाथ और पोता लक्ष्मण के किरदार में रहे हैं। इसी तरह हरिहर प्रसाद भी 50 वर्षों से शूर्पणखा, ताड़का की भूमिका निभाते रहे हैं। नीरज अग्रहरि ने इंद्र, बाणासुर, बाली तो धनौरा के मनोज पांडेय 14 वर्षों तक राम का अभिनय करते रहे हैं। वहीं पवन सिंह 15 वर्षों से लगातार रावण का किरदार निभा रहे हैं। ईश्वरीय मिश्रा 60 वर्षों से वशिष्ठ, विश्वामित्र जैसे किरदारों में रहते हैं। इस बार रामलीला 14 अक्तूबर को मुकुट पूजा के साथ आरंभ होगी। 250 साल पुरानी है रामलीला यूपी-एमपी के सीमावर्ती क्षेत्र में सिंगरौली स्टेट का प्रभाव रहा है। वहां के राजा ने काशी की तर्ज पर यहां रामलीला की शुरुआत कराई थी। सिंगरौली में मुकुट पूजा के साथ रामलीला आरंभ होती थी। रिहंद बांध के निर्माण के दौरान सिंगरौली स्टेट डूब क्षेत्र में समा गया। इसके बाद रामलीला भी दुद्धी नगर में पहुंच गई।

ज्यादातर कलाकार दुद्धी के ही थे, लिहाजा उन्होंने अपने नगर में रामलीला शुरू किया, जो आज भी जारी है। देवेंद्र मिश्र बताते हैं कि कलाकारों की प्रतिभा को देखते हुए सिंगरौली स्टेट के राजा ने रामलीला के लिए मुकुट प्रदान किया था। आज भी यह मुकुट मौजूद है, लेकिन अब इसे कोई पहन नहीं पाता। इसका वजन काफी ज्यादा है।

रास नहीं आते बाहरी कलाकार रामलीला कमेटी के मैनेजर कमलेश कमल के मुताबिक बीच में कई बार ऐसी स्थिति भी बनी कि लीला मंचन के लिए बाहर की मंडली को बुलाना पड़ा, लेकिन उनका अभिनय दर्शकों को रास ही नहीं आया। नतीजा मंडली के साथ स्थानीय कलाकारों ने लगकर रामलीला को पूरा कराया। धनुष यज्ञ, सीता स्वयंवर, नक्कटैया, लक्ष्मण शक्ति और राज्याभिषेक के दिन भीड़ उमड़ती है।

बाइक की आपस में टक्कर, युवक की मौत

सोनभद्र। थाना क्षेत्र के डिबुलगंज में शनिवार की देर शाम दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना में घायल एक युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। अनपरा निवासी सुमंत बैसवार (25) पुत्र स्व. जमुना प्रसाद और गुलाब सिंह बैसवार (30) एक ही बाइक पर सवार होकर शनिवार की शाम अनपरा से डिबुलगंज की ओर जा रहे थे। वहीं दूसरी तरफ से आर्यन कुमार भी बाइक से आ रहा था। डिबुलगंज में धर्मकांटा के पास दोनों बाइक सवारों की आपस में जोरदार टक्कर हो गई। घटना में दोनों बाइक पर सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को एंबुलेंस की सहायता से संयुक्त चिकित्सालय डिबुलगंज में भर्ती कराया गया। जहां सुमंत और आर्यन को अस्पताल में उपचार किया गया। वहीं गुलाब सिंह की हालत गंभीर होने के कारण उसे रेफर कर दिया गया। परिजन गुलाब को लेकर नेहरू चिकित्सालय बैढ़न जा रहे थे, इसी दौरान रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। अस्पताल पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। सूचना पर अनपरा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया।

कुश्ती विवाद- पहलवानों के प्रदर्शन पर पड़ा एशियन गेम्स से पहले शुरू हुई रार का असर

सोनीपत। एशियन गेम्स से पहले कुश्ती में शुरू हुई रार का असर पहलवानों के प्रदर्शन पर देखने को मिला है। यही कारण रहा कि इस बार पहलवान अपनी स्वर्णिम आभा नहीं बिखेर सके और पिछले दो एशियन गेम्स की तरह सोना सभी पहलवानों के हाथ से छिटक गया। प्रदेश की खेल प्रतिभाओं का नाम जेहन में आते ही सबसे पहले अखाड़ों में जोर-आजमाइश करते पहलवानों की याद आती है। पिछले एक दशक से प्रदेश के पहलवानों ने देश का नाम अंतरराष्ट्रीय फलक पर चमकाते हुए हरियाणा को अलग पहचान दी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा के छोरे-छोरियां देश को पदक दिलाने को बेताब रहते हैं, लेकिन इस बार एशियन गेम्स से पहले कुश्ती में शुरू हुई रार का असर पहलवानों के प्रदर्शन पर भी पड़ा। यही कारण रहा कि इस बार पहलवान अपनी स्वर्णिम आभा नहीं बिखेर सके। बेशक दीपक पूनिया ने रजत पदक के साथ उम्मीद जगाई और पांच अन्य पहलवान भी कांसा जीतने में सफल रहे, लेकिन पिछले दो एशियन गेम्स की तरह सोना सभी पहलवानों के हाथ से छिटक गया। बजरंग हार, किसी पहलवान को नहीं मिला सोना लगातार विवाद के चलते बजरंग पूनिया की तैयारी पर भी असर दिखा। वह हांगझोउ में बेहतर प्रदर्शन नहीं दोहरा पाए और सेमीफाइनल में हार के बाद वह कांस्य पदक के लिए हुई कुश्ती में भी हारकर बाहर हो गए। उनके अलावा भारतीय दल में शामिल 17 अन्य पहलवान भी सोना नहीं जीत सके। एशियन गेम्स में पहलवानों का अब तक का प्रदर्शन

वर्ष 2023 - हांगझोउ में भारत के 18 सदस्यीय दल ने भाग लिया। जिसमें दीपक पूनिया को रजत पदक मिला। उनके अलावा फ्री-स्टाइल में महज अमन सहरावत कांस्य जीत सके। ग्रीको रोमन में सुनील डबरपुर ने कांस्य दिलाया। हालांकि बेटियों ने बेहतर प्रदर्शन किया और अंतिम पंघाल, सोनम मलिक और किरण ने कांस्य पदक दिलाया, लेकिन वह विनेश के पिछले प्रदर्शन तक नहीं पहुंच सकीं।

वर्ष 2018 - जकार्ता में हुए एशियन गेम्स में बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट ने देश की झोली में सोने के दो तमगे डाले थे। उनके साथ दिव्या काकरान भी कांस्य लेकर आई थीं। बेशक पदक तीन थे, लेकिन दो स्वर्ण पदक शामिल थे।

त्रिगुट
मंगलवार 10 अक्टूबर 2023

किताबों में अलग कानून- अफसरों के कानून अलग

सरकारी अधिकारी किताबों में लिखित कानून के अनुसार काम नहीं करते हैं। सरकारी अधिकारी अपनी सोच से कानून और नियम बनाकर काम करते हैं। आम जनता के लिए कानून की किताबों में जो कानून और नियम लिखे हैं। ठीक उसके विपरीत अधिकारी अपने मनमाने कानून के हिसाब से काम करते हैं। हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट में एक मामला आया। जिसमें एक व्यक्ति को अवैध रूप से आधे घंटे तक लॉकअप में बंद करके रखा गया। दिल्ली हाईकोर्ट ने जब कानून के अनुसार समीक्षा की तो उसे गलत पाया। दिल्ली हाईकोर्ट ने जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों पर 50000 रूपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा, कि अधिकारियों का बर्ताव डरावना था। मुआवजा राशि दोषी पुलिस अधिकारियों के वेतन से काटने का आदेश हाईकोर्ट ने दिया है। आम आदमी न्याय पाने के लिए न्यायालयों तक नहीं पहुंच पाता है। जो पहुंच पाते हैं, वह वर्षों तक न्यायालय के चक्कर लगाते हैं। वकीलों को फीस देते हैं, उसके बाद अपील दर अपील न्यायालय के चक्कर लगाते हुए बुड्ढे हो जाते हैं। फिर खुद व खुद प्रताड़ना से तंग होकर उसे अपना भाग्य मानकर चुपचाप होकर बैठ जाते हैं। देश में इस तरह के हजारों मामले प्रतिदिन सामने आते हैं। जिसमें पुलिस, जांच एजेंसियां, कर विभाग के अधिकारी तथा शासकीय कार्यालय में पदस्थ अधिकारी और कर्मचारी मनमाने तरीके से आम आदमी को तरह-तरह से प्रताड़ित करते हैं। सरकार द्वारा बनाए गए कानून के ठीक विपरीत सरकारी अधिकारी और कर्मचारी काम करते हुए, भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाते हैं। अवैध कमाई करते हैं, दिनों दिन यह कृत्य बढ़ता ही जा रहा है। कोई भी सरकार आई और गई। सुप्रीमकोर्ट और हाईकोर्ट के कितने भी निर्णय आए। लेकिन स्थितियों में कोई बदलाव देखने को नहीं मिलता है। सबसे ज्यादा प्रताड़ना पुलिस और जांच एजेंसियों की कार्रवाई से हो रही है। सीआरपीसी की धारा 41 के तहत गिरफ्तारी करने का अधिकार पुलिस के पास है। गिरफ्तारी से पहले पुलिस को धारा 154 के तहत एफआईआर करना आवश्यक है। जिस व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उसे 24 घंटे के अंदर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की बाध्यता कानून में है। एफआईआर दर्ज होने के बाद वारंट जारी करने का अधिकार न्यायालय को है। यदि मौके पर किसी आरोपी को गिरफ्तार किया जाता है, तो उसकी गिरफ्तारी की सूचना परिवारजनों को दिए जाने का प्रावधान है।

भारतीय संविधान ने अनुच्छेद 21-22 के तहत नागरिकों के मौलिक अधिकार की परिभाषा दी है। यदि पुलिस अधिकारी उसका उल्लंघन करते हैं। मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होने की दशा में नागरिकों को अधिकार है, कि वह मुआवजे के लिए अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट अथवा अनुच्छेद 226 के तहत हाईकोर्ट में जाकर हुए नुकसान के लिए मुआवजों की मांग कर सकता है। सरकार कोई भी ऐसा कानून अथवा नियम नहीं बन सकती है, जो मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता हो। कार्यपालिका के अधिकारी भी ऐसा कोई आदेश जारी नहीं कर सकते हैं, जो मौलिक अधिकारों का हनन करता हो। पुलिस भी किसी भी नागरिक को पूछताछ के नाम पर या हिरासत में अनावश्यक रूप से नहीं रख सकती है। उसके लिए भी नियम कानून बने हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर अपने आदेशों द्वारा परिभाषित भी किया है। इसके बाद भी सरकारी अधिकारियों का रवैया बड़ा डरावना है। वह मनमर्जी से जो चाहते हैं, वह करते हैं। आधिकारियों द्वारा की गई कार्यवाही को ही कानून मान लिया जाता है। एनसीआरबी के अनुसार 2001 से 2020 तक पुलिस हिरासत में 1888 लोगों की मौत हुई है। पुलिस हिरासत में मौत हजारों की संख्या में हुई, लेकिन 26 पुलिस कर्मियों को ही दोषी मानकर सजा दी गई है। जो परिवार प्रताड़ित हुए, उन्हें मुआवजा के लिए अलग से लड़ाई लड़ना पड़ती है। बहुत कम मामले ऐसे होते हैं, जिनमें न्यायालय मुआवजा दिए जाने के आदेश करती हैं। पुलिस और जांच एजेंसियां कानून और नियमों का उल्लंघन करके मनमाने तरीके से लोगों को हिरासत में रखते और बाद में न्यायिक हिरासत में महीनो और वर्षों तक बंद करके रखती हैं। न्यायालय से निर्दोष साबित हो जाने के बाद जब वह बाहर तो आते हैं। इस तरह की अवैध कार्रवाई के कारण हजारों निर्दोष परिवार बर्बाद होकर आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से बिखर चुका होता है। जेल जाने के कारण उन्हें आगे का जीवन जीने में भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। कहा जा सकता है, कि न्याय कानून और नियम जो कानून की किताबों में लिखे हुए हैं। वह बड़े आदमियों की रक्षा करने के लिए होते हैं। आम आदमी के लिए तो वही कानून लागू होते हैं, जो अधिकारी चाहते हैं। न्यायालय में अपने हक की लड़ाई लड़ना भी आम आदमी के लिए संभव नहीं है। वकीलों की महंगी फीस और न्यायालयों मैं लगने वाला शुल्क आम आदमी तक न्याय पहुंचने ही नहीं देता है। हां नियम कानून की आड़ में गरीब और कमजोर को सरकार और उसके मुलाजिम अपनी मन मर्जी से प्रताड़ित करने के लिए उपयोग करते हैं। उन्हें अपने तरीके से परिभाषित करके नागरिकों को प्रताड़ित किया जाता हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों पर जब तक उसकी जिम्मेदारी तय नहीं की जाएगी, तब तक स्थिति में कोई सुधार होना संभव नहीं है।

जीवन-परमात्मा का अनमोल उपहार

जीवन परमात्मा का अनमोल उपहार है। यह स्वयं ही इतना दिव्य, पवित्र और परिपूर्ण है कि संसार का कोई भी अभाव इसकी पूर्णता को खंडित करने में असमर्थ है। आवश्यकता यह है कि हम अपने मन की गहराई से अध्ययन कर उसे उत्कृष्टता की दिशा में उन्मुख करें। ईर्ष्या, द्वेष, लोभ एवं अहम के दोषों से मन को विकृत करने के बजाए अपनी जीवनशैली को बदल कर सेवा, सहकार, सौहार्द जैसे गुणों के सहारे मानसिक रोगों से बचा जा सकता है और मानसिक क्षमताओं को विकसित किया जा सकता है। इसीलिए कहा जाता है कि मनुष्य जीवन चार तरह की विशेषताएं लिए रहता है।

इस संबंध में एक श्लोक प्रस्तुत है -

बुद्धैय फलं तत्व विचारणंच/देहस्य सारं व्रतधारणं च/वित्तस्य सारं स्किलपात्र दानं/वाचः फलं प्रतिकरनाराणाम।

अर्थात- बुद्धि का फल तभी सार्थक होगा, जब उसको पूर्ण विचार करके उस पर अमल करें। शरीर का सार सभी व्रतों को धारण करने से है। धन तभी सार्थक होगा, जब वह सुपात्र को दान के रूप में मिले और बात या वचन उसी से करें, जब व्यक्ति उस पर अमल करें। इसी का बेहतर तालमेल जीवन में बिठाना होता है। जो बिठा लेता है, वह भवसागर से पार हो जाता है और जो नहीं बिठा पाता वह दुख में पड़ा गोता खाता रहता है। आप जब तक इस गहराई को नहीं समझेंगे, अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सकते हैं। जानना यह भी जरूरी है कि हम अपनी हर धड़कन की रफ्तार को समझें।

हर क्षेत्र में अग्रणी अग्रसेन महाराज के वंशज आखिर राजनीति में पीछे क्यों ?

रामबाबू अग्रवाल

दुनिया में आज जिस समाजवाद की बात की जाती है उसको 5100 वर्ष पूर्व ही महाराजा अग्रसेन ने सार्थक कर दिखाया था। महाराजा अग्रसेन को समाजवाद का सच्चा प्रणेता कहा जाता है। महाराजा अग्रसेन ने तंत्रीय शासन प्रणाली के प्रतिकार में एक नयी व्यवस्था को जन्म दिया। अपने क्षेत्र में सच्चे समाजवाद की स्थापना हेतु महाराजा अग्रसेन ने नियम बनाया था कि उनके नगर में बाहर से आकर बसने वाले हर व्यक्ति की सहायता के लिए नगर का प्रत्येक निवासी उसे एक रुपया नगद व एक ईंट देगा, जिससे आसानी से उसके लिए निवास स्थान व व्यापार करने के लिये धन का प्रबन्ध हो जाए। उन्होंने पुनः वैदिक सनातन आर्य सस्कृंति की मूल मान्यताओं को लागू कर राज्य के पुनर्गठन में कृषि-व्यापार, उद्योग, गौपालन के विकास के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की पुनः प्रतिष्ठा का बीड़ा उठाया। महाराजा अग्रसेन समाजवाद के प्रर्वतक, युग पुरुष, राम राज्य के समर्थक एवं महादानी थे। महाराजा अग्रसेन उन महान विभूतियों में से थे जो सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखायः कृत्यों द्वारा युगों-युगों तक अमर रहेंगे।आज भी इतिहास में महाराज अग्रसेन परम प्रतापी, धार्मिक, सहिष्णु, समाजवाद के प्रेरक महापुरुष के रूप में उल्लेखित हैं। देश में जगह-जगह अस्पताल, स्कूल, बावड़ी, धर्मशालाएँ आदि अग्रसेन के जीवन मूल्यों का आधार हैं और ये जीवन मूल्य मानव आस्था के प्रतीक हैं।

वे एक धार्मिक, शांति दूत, प्रजा वत्सल, हिंसा विरोधी, बली प्रथा को बंद करवाने वाले, करुणानिधि, सब जीवों से प्रेम, स्नेह रखने वाले दयालू राजा थे। महाराजा अग्रसेन नैना केवल अग्रवाल समाज को सर मोड बनाने के लिए प्रयास किया बल्कि सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ भी जन जागृति फैलाने का प्रयास किया जिसमें नरबलि से पशु बलि बंद करवाने और शराब बंदी लागू करने के लिए भी उन्होंने लोगों को प्रेरित किया वे चाहते थे कि शराब जैसी बुराई समाज में व्याप्त नहीं होना चाहिए क्योंकि यह लट परिवारों को विघटित करने वाली है इसलिए इसे रोका जाना चाहिए और इसलिए उनके राज्य में शराब बंदी लागू की गई।

= वर्तमान में भारत में अग्रवाल समाज की स्थिति =

महाराज अग्रसेन जयंती के अवसर पर हम सब को इस बात पर विचार करना चाहिए कीअग्रवाल समाज भारत का ऐसा मुख्य समाज है, जो भारतवर्ष के उद्योग, दानधर्म एवं देश के प्रति कर्तव्य निष्ठा, अनुसंधान, रिसर्च, राष्ट्र निर्माण में हमेशा अग्रसर रहा है। समाज द्वारा नैतिक मूल्यों में भी अग्रणी रहा है। विश्व की 5वी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में अग्रवाल समाज का बड़ा योगदान है। भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक व्यवस्था में अग्रवाल समाज के योगदान को कुछ इन बिंदुओं से समझा जा सकता है -

1. भारत के कुल इनकम टैक्स में 24% योगदान
2. लगभग 35त्न चार्टर्ड अकाउंट, 8% इंजीनियर, 10% डॉक्टर, 21% कंपनी सेक्रेटरी, 21त्न कॉस्ट एकाउंटेंट्स, 7% एम बी ए, 3% वकील
3. लगभग 12000 गौशालाओं का सुचारू संचालन समाजगणों द्वारा किया जा रहा है
4. भारत के 46% शेयर ब्रोकर एवं अन्य प्रकार के ब्रोकर अग्रवाल समाज के है
5. भारत की जीडीपी में लगभग 20% योगदान
6. भारत में विभिन्न प्रकार के दिए जाने वाले दान में 62% योगदान
7. लगभग 60त्न से ज्यादा धर्मशालाए अग्रवाल समाज द्वारा संचालित होती है
8. मंदिरों में दिए जाने वाले दान में ज्यादा हिस्सा अग्रवाल समाज का होता है

देश भर में अग्रवाल समाज के बच्चे स्टार्टअप कर रहे है, नए-नए आयडियास से समाज की बड़ी-बड़ी कंपनियों को उनको सीडफड उपलब्ध कराने के साथ साथ और कैसे प्रोत्साहित किया जा सकता है योजनाओं बनाना चाहिये एवं आर्थिक रूप से समाज के कमजोर वर्ग को हर क्षेत्र में आर्थिक सामाजिक राजनैतिक में लगना चाहिये कि समाज हर जगह चाहियें कि समाज हर जगह उनके साथ खड़ा ही क्यों कि हम डोनेशन (चंदा) देने में आगे है हर शक्तिशाली राजनैतिक दल समाज का समय समय पर भरपुर उपयोग करता है, पर राजनीति मे ताकत देने में पीछे क्यों ?

ग्राम पंचायत, पार्षद, नगर निगम, नगर पालिका, विधायक, सांसद में आगे बढ़कर सामजिक लोग राजनैतिक शक्ति प्राप्त करना एवं समाज के होनहारों को आगे बढाना, आज की आवश्यकता है तन-मन-धन से यूथ को प्रोत्साहित करना चाहिये एवं समाज का संगठन ग्राम पंचायत से उपर तक मजबूत करने की आवश्यकता है।

आज भी देशभर में सिर्फ 5 प्रतिशत आयकर दे रहे है या रिर्टन भरते है या जी.एस.टी देते है उनमें अग्रवाल समाज अग्रणी है, रोजगार देने में भी एवं सेवा कार्यों में भी समाज के लोगों को मान-सम्मान प्रतिष्ठा भी मिलना चाहिये। चाहे उनके नाम पर रोड बनाये या अन्य कार्य, आज जैन समाज विद्यार्थियों के लिये जे आय टी ओ चला रहे है। अग्रवाल समाज को इस मामले में अग्रणी बनना पड़ेगा। समाज की ऐसी विधी, नियम तैयार करे, क्योकि रिजर्वेशन पालिसी या आरक्षण ने हमारे योग्य बच्चों। को विदेश जाने के लिये मजबूर कर दिया है, आज देश का योग्य ब्रेन बाहर जा रहा है क्यो ?

क्योकि यहां सरकारी नौकरियों में स्थान नही मिलता आय.जी हो या डॉक्टर या इंजिनियर, टेक्नीकल स्थानों पर कमजोर वर्ग को पसिंग नंबर देकर डाक्टर, इंजनियर बनाना देश के लिये घातक है, सब जानते है, बडे-बडे नेता ओर अफसर अपना इलाज कराने विदेश चले जाते है, पर राजनैतिक मजबूरी के कारण देश ये सब सहन कर रहा है और करेगा। जब आरक्षण का फायदा आज भी चाहे ओ.बी. सी. हो या जाट, मीणा, गुर्जर या अन्य उन्ही परिवारों को मिल रहा है, जिनने एक बार पहले ले लिया।

साथ ही राजनैतिक के साथ समाज को शराब की बुराईयों से भी दूर होना चाहिये, एक्सीडेन्ट में समाज के होनहार चले जाते है एवं कुरीति एवं बुराइयों को दूर करने का सन्देश जाना चाहिये होनहारों में। इसलिए चिन्तन करके एक्शन लेना हमारे लिये जरूरी हो गया है। कही ऐसा समय न आ जाये कि हम आर्थिक स्थिति में तो मजबूत रहेंगे पर राजनैतिक हस्ती न होने से अन्याय सहन करना पडेगा। इकोनामिक पावर को पोलेटिक्स पावर में बदलना पडेगा।

आर्थिक शक्ति के साथ राजनैतिक शक्ति में भी बढना चाहिये। अन्यथा अन्य शक्तिशाली जातियों द्वारा दबाया जायेगा।

ये नफरत हमें कहाँ ले जाएगी ?

राम पुनियानी

पिछले कुछ महीनों में देश में कई ऐसी घिनौनी घटनाएं हुई हैं जिनसे यह पता चलता है कि हमारे समाज में नफरत का ज़हर किस हद तक घुल चुका है और यह भी कि यह नफरत दिन-दोगुनी रात-चौगुनी गति से बढ़ती जा रही है। उत्तरप्रदेश में कंडक्टर मोहित यादव ने बस थोड़ी देर के लिए रुकवा दी क्योंकि कुछ लोग लघुशंका निवारण करते चाहते थे और कुछ नमाज़ पढना चाहते थे। नमाज़ पढ़ते हुए यात्रियों का वीडियो बना लिया गया। यादव और बस के ड्राईवर के खिलाफ शिकायत हुई और दोनों को निलंबित कर दिया गया। कुछ दिन बाद यादव ने आत्महत्या कर ली। उत्तरप्रदेश में ही एक प्राइमरी स्कूल की अध्यापिका तृप्त त्यागी ने होमवर्क न करने के कारण एक मुस्लिम बच्चे को क्लास में खड़ा किया और फिर दूसरे बच्चों से कहा कि वे सब उसे एक-एक तमाचा मारें। अध्यापिका ने यह भी कहा कि मुस्लिम लड़कों को स्कूल छोड़ देना चाहिए। एक अन्य अध्यापिका मंजुला देवी ने दो मुस्लिम विद्यार्थियों, जो आपस में लड़ रहे थे, से कहा कि यह उनका देश नहीं है। कुछ स्कूलों से ऐसी खबरें मिलीं हैं कि हिन्दू बच्चे अपने मुस्लिम सहपाठियों को अपने साथ नहीं खिलाते।

'प्रजातंत्र की जननी' भारत की संसद में हाल में इससे भी ज्यादा घृणास्पद घटनाक्रम हुआ। भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी ने बसपा सदस्य दानिश अली को मुल्ला, आतंकवादी, राष्ट्रद्रोही, दलाल और कटुआ कहा। इस मुद्दे पर भाजपा ने केवल अनमने भाव से खेद जताया है और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बिधूड़ी को चेतावनी दी है कि अगर उन्होंने इस तरह की हेट स्पीच फिर दी तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। दानिश अली ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर हेट स्पीच देने और उन्हें अपमानित करने के लिए बिधूड़ी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। वहीं कई भाजपा सांसद और नेता अपने साथी के बचाव में आगे आए हैं और उन्होंने दानिश अली पर बिधूड़ी को भड़काने का आरोप लगाया है। मुख़्तार अब्बास नकवी ने कहा कि दानिश अली ने कांग्रेस में शामिल होने के लिए यह सारा नाटक किया है। यह महत्वपूर्ण है कि जिस समय बिधूड़ी अपना ज़हरबुझा भाषण दे रहे थे, उस समय दो पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ हर्षवर्धन और रविशंकर प्रसाद हंस रहे थे। संसद में जो हुआ वह नफरत की राजनीति का चरमोत्कर्ष था। इस प्रकृति की जितनी घटनाएँ हो रही हैं, उनमें से बहुत कम सामने आ रही हैं। कोई भी संवेदनशील नज़र आसानी से पढ़ सकती हैं कि मुस्लिम समुदाय में किस कदर डर, असुरक्षा और रोष का भाव व्याप्त है। मुसलमान हाशिये पर ढकेल दिए गए हैं और वे कुंठित और असहाय महसूस कर रहे हैं। दलितों, महिलाओं और आदिवासियों की आर्थिक बदहाली, उनका दमन और अपमान और उनके खिलाफ हिंसा भी उतनी ही डरावनी है। और यह सब बहुसंख्यकवादी राजनीति के परवान चढ़ने का नतीजा है। क्या नफरत हमारे समाज के लिए नई चीज़ है? बिलकुल नहीं। मुस्लिम और हिन्दू सांप्रदायिक धाराएं अपने जन्म के बाद से ही 'दूसरे' समुदाय के खिलाफ नफरत को हवा देती आईं हैं। इसी से देश में सांप्रदायिक हिंसा शुरू हुई। औपनिवेशिक काल में जिस तरह की सांप्रदायिक हिंसा हुई, वह उसके पहले राजे-रजवाड़ों की काल में होनी वाली शिया-सुन्नी या शैव-वैष्णव पंथिक हिंसा से बहुत अलग थी। आज जहाँ पाकिस्तान, हिन्दुओं और ईसाईयों के खिलाफ सांप्रदायिक नफरत से उबल रहा है वहीं भारत में मुसलमानों और ईसाईयों के खिलाफ नफरत बढ़ रही है।

धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत का आख्यान, सांप्रदायिक संगठनों ने गढ़ा और मीडिया ने उसे गहराई और व्यापकता दी। हमारे नेताओं को मीडिया की इस भूमिका का काफी पहले से अहसास था। स्वामी श्रद्धानन्द की अब्दुल रशीद द्वारा हत्या की खुलकर निंदा करते हुए महात्मा गाँधी ने अपने पाठकों का ध्यान अख़बारों की भूमिका की ओर दिलाया। 'यंग इंडिया' के 30 दिसंबर 1926 के अंक में श्रद्धानंदजी - द मारटेयर शीर्षक से प्रकाशित अपने लेख में उन्होंने सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने और समाज में नफरत और हिंसा का प्रसार करने में अख़बारों की भूमिका के बारे में लिखा।

हिंसा का ज़हर फैलाने में प्रमुख सांप्रदायिक संगठन आरएसएस की भूमिका का खुलासा करते हुए तत्कालीन केन्द्रीय गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने आरएसएस के मुखिया गोलवलकर को लिखी एक चिट्ठी में कहा था- उनके (आरएसएस) सभी भाषण सांप्रदायिक ज़हर से भरे रहते थे। हिन्दुओं को उत्साहित करने के लिए या उन्हें उनकी सुरक्षा के लिए संगठित करने के लिए, यह ज़हर फैलाने की ज़रुरत नहीं थी। इसी ज़हर के अंतिम नतीजे में देश को गांधीजी की अमूल्य ज़िन्दगी का बलिदान देखना पड़ा। आज भी नफरत का स्त्रोत वही संगठन है जिसकी सरदार पटेल बात कर रहे हैं। इस नफरत को आरएसएस के विभिन्न अनुषांगिक संगठन बढ़ा रहे हैं। इस काम में कॉर्पोरेट-नियंत्रित गोदी मीडिया की भूमिका कम नहीं है। गोदी मीडिया सरकार के आगे नतमस्तक है और विपक्ष और सत्ताधारी दल के आलोचकों पर हमलावर है। सभी प्रमुख टीवी नेटवर्क कॉर्पोरेट घरानों ने खरीद लिए हैं और ये घराने सत्ताधारी दल के नज़दीक हैं। हिन्दू राष्ट्र की स्थापना के लक्ष्य को लेकर चल रही भाजपा ने एक सोशल मीडिया सेल खोला है और नफरत के अपने सन्देश को फैलाने के लिए लाखों व्हाट्सएप ग्रुप बनाये हैं।

आश्चर्य नहीं कि इन हालातों में इंडिया गठबंधन को मजबूर होकर यह निर्णय लेना पड़ा कि उसके प्रवक्ता अलग-अलग चैनलों के 14 एंकरों की मेजबानी वाले टॉक शो में हिस्सा नहीं लेंगे। अपने आकाओं को खुश करने की होड़ में ये एंकर विपक्षी पार्टियों और अल्पसंख्यक समुदायों पर कीचड़ उछालने का कोई मौका हाथ से नहीं जाने देते। वे पत्रकारिता की इस मूल सिद्धांत को भूल चुके हैं कि पत्रकारों को निष्पक्ष होना चाहिए और उनमें यह साहस होना चाहिए कि वे शक्तिशाली सत्ताधारियों के मुंह पर बेबाकी से सच बोल सकें। हमारा गणतंत्र एक गंभीर संकट के दौर से गुज़र रहा है। प्रजातंत्र की उच्चतम संस्था से नफरत फैलाई जा रही है। इसका हमारे सामाजिक जीवन, हमारे संवैधानिक मूल्यों और देश के लोगों के बीच भाईचारे पर क्या असर पड़ेगा? जिस बेशर्मी से रमेश बिधूड़ी का बचाव किया जा रहा है उससे साफ़ है कि उन्हें उनके शीर्ष नेताओं का वरदहस्त हासिल है। हेट स्पीच को रोकने का कोई प्रयास नहीं हो रहा है और ना ही नफरत फैलाने वालों के खिलाफ कोई कार्यवाही हो रही है। धर्मसंसदों के आयोजक और यति नरसिंहानंद जैसे लोग नफरत की दुकानें चला रहे हैं। नरसंहार से जुड़े मसलों के अध्येता प्रोफेसर ग्रेगोरी स्टेंटन ने रवांडा के रेडियो के प्रसारणों को सुन कर यह भविष्यवाणी की थी कि वहां नरसंहार होगा।

और 1994 में वही हुआ। उनके अनुसार, भारत में नरसंहार होने की सम्भावना एक से दस के स्केल पर आठ है। देश में जिस तरह की भयावह घटनाएं हो रहीं हैं, क्या उनकी निंदा करना, उन पर टिपण्णी करना ही पर्याप्त है? क्या हम मूक दर्शक बने रह सकते हैं? क्या संपूर्ण विपक्ष एक स्वर में हेट स्पीच की खिलाफत नहीं कर सकता? क्या भारत के संविधान के मूल्यों में यकीन रखने वाले राजनैतिक दल, सामाजिक संगठन और मानवाधिकार समूह, देश में भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए कुछ नहीं कर सकते? यह सब जल्द से जल्द होना चाहिए। पहले ही बहुत देर हो चुकी है।

रणछोड़ हैं या रण छेड़ रहीं हैं तीन देवियां ?

लेखक राकेश अचल

नारीशक्ति वंदना के युग में मध्यप्रदेश भाजपा की महिला नेत्रियां विधानसभा चुनाव के रण से बाहर हो रहीं हैं या अपनी ही पार्टी के खिलाफ रण शुरू करने जा रहीं हैं फ़िलहाल भाजपा की तीन नेत्रियां अलग-अलग कारणों से जेरे बहस हैं ये एक ऐसा सवाल है जो पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती और मप्र सरकार की मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया के विधानसभा चुनाव न लड़ने की घोषणा के बाद जन्मा है। मप्र भाजपा में एक तीसरी बड़ी नेत्री पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन भी चुनावी रण से बाहर कर दी गयीं हैं। सिंधिया घराने की महिला सदस्य श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया आरम्भ से ही अपनी माँ राजमाता विजयाराजे सिंधिया की राजनीतिक विरासत पर दावा करती आयीं हैं,लेकिन उन्हें भाजपा ने कभी राजमाता की लोकसभा सीट से लोकसभा में नहीं भेजा । उन्हें ग्वालियर सीट से जरूर लोकसभा का उप चुनाव लड़ाया गया था लेकिन बाद में उन्हें विधानसभा के चुनावों तक सीमित कर दिया गया । 1994 में प्रदेश की राजनीति में आयीं यशोधरा राजे सिंधिया अपनी बड़ी बहन श्रीमती बसुंधरा राजे की तरह भाग्यशाली नहीं है। उन्हें बीते तीन दशक में मध्यप्रदेश की सरकार में मंत्री बनने का सुख तो मिला लेकिन मुख्यमंत्री बनने का ख्वाब यदि इन्होने देखा भी हो तो कभी पूरा नहीं हुआ। यशोधरा राजे तीन दशक की अपनी राजनितिक यात्रा में पहले अपने भतीजे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के लिए समस्या रहीं । प्रदेश की सरकार ने भी उन्हें बेमन से झेला और जब ज्योतिरादित्य सिंधिया खुद भाजपा में आ गए तो उनकी पूछ-परख और कम हो गयी। यशोधरा अपनी राजनीतिक विरासत अपने बेटे अक्षय को भी नहीं सौंप पाने से निराश है। यशोधरा राजे की तीन संताने बताई जातीं है लेकिन लोगों को केवल अक्षय के बारे में ही जानकारी है क्योंकि शुरू में वे शिवपुरी आते-जाते थे। यशोधरा राजे के दूसरे बेटे अभिषेक और बेटी त्रिशला को कभी किसी ने देखा नहीं। वे दोनों शायद अमेरिका में ही रहते हैं और उनकी राजनीति में कोई दिलचस्पी भी नहीं है। यशोधरा राजे सिंधिया ने स्वास्थ्य संबंधी कारणों से इस बार विधानसभा चुनाव न लड़ने का ऐलान किया लेकिन राजनीति से औपचारिक सन्यास की घोषणा नहीं की । इसका मतलब वे या तो लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाने के लिए आश्वस्त कर दी गयीं हैं या फिर उन्होंने पार्टी नेतृत्व का मूड भांप कर अपने आपको विधानसभा चुनाव से लग कर लिया है। पार्टी का भी धर्म संकट ये हैं कि वो एक ही परिवार से एक से ज्यादा लोगों को तवज्जो देता है तो उसके ऊपर परिवारवाद का आरोप लगता है। वैसे भी यशोधरा राजे सिंधिया पार्टी की न स्टार नेता हैं और न स्टार प्रचारक। वे एक विधानसभा सीट की नेता रहीं हैं। वे पार्टी के साथ रण छेड़ने की स्थिति में नहीं हैं ,क्योंकि उनके आगे-पीछे कोई जनाधार भी नहीं है।

भाजपा में यशोधरा राजे सिंधिया से पहले पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती भी पार्टी नेतृत्व के फैसलों को लेकर नाराज हैं। उनकी आवाज लगातार अनसुनी की जा रही है और अब तो प्रह्लाद पटेल को विधानसभा चुनाव मैदान में उतार कर पार्टी नेतृत्व ने उन्हें एक तरह से ख़ारिज ही कर दिया ह। उमा जी अब शायद लोधियों की भी नेता नहीं मानी जा रहीं। उमा भारती ने अपनी राजनितिक विरासत अपने भतीजे को सौंपने की कोशिश की । उसे विधायक भी बनाया लेकिन बात ज्यादा आगे बढ़ी नहीं क्योंकि उन्हें पार्टी नेतृत्व का समर्थन नहीं मिल पाया। आज उमा भारती घायल सिंघनी की भांति दहाड़ रहीं हैं लेकिन अब उनके पास इतनी ऊर्जा नहीं बची है की वे भाजपा के मौजूदा नेतृत्व को ललकार कर एक बार फिर से भाजपा से बगावत कर सकें। हालाँकि भाजपा ने उनके समर्थक प्रीतम लोधी को पिछोर विधानसभा सीट से टिकिट जरूर दे दिया है।

एक जमाने में ग्वालियर के रानी महल की कृपा और संरक्षण से राजनीति में आंधी की तरह आयीं उमा भारती का अब रानी महल में भी कोई संरक्षक नहीं है । उनके मित्र संघ के पूर्व प्रचारक गोविंदाचार्य भी आरसे पहले संघ और पार्टी से खारिज किये जा चुके हैं। ऐसे में उमा भारती अपने आपको भाजपा में असहज महसूस कर रहीं हैं। लेकिन उनके लिए पार्टी में न अब कोई घर है और न घाट। अर्थात उनकी दशा बंजारों जैसी हो गयी है। अपने आचरण से वे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का विश्वास भी खो चुकीं हैं अन्यथा इस संकट के दौर में दोनों मिलकर कुछ खिचड़ी पका सकते थे। शिवराज सिंह चौहान भी पार्टी नेतृत्व की आँख की किरकिरी बनते नजर आ रहे हैं। पार्टी उनके चेहरे पर विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ रही है। उनके विधानसभा चुनाव लड़ने और न लड़ने कोलेकर अभी तक संशय है।

उमा भारती पांच बार संसद रहीं ,चार बार केंद्र में मंत्री रहीं,उन्होंने ही 2003 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता में स्थापित कर दिखाया था और खुद मुख्यमंत्री बनी । पार्टी ने उन्हें उत्तर प्रदेश से भी लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने को कहा ,वो जितिन भी लेकिन अब एक लम्बे आरसे से वे हासिये पर हैं। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने उमा भारती को गंगा सफाई के लिए मंत्री बनाया और न जाने कब उन्हें इसी गंगा में तिरोहित भी कर दिया। उमा भारती के साथी रहे नरेंद्र सिंह तोमर आज भी चुनावी राजनीति में ठीके हुए हैं लेकिन उमा भारती का तम्बू उखड़ चुका है।

भाजपा में तीसरी शक्तिशाली नेता लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन उम्र के लिहाज से अब मार्गदर्शक मंडल में शामिल कर दी गयीं हैं लेकिन वे अभी भी अपने आपको चुनावी राजनीति के लायक मानती है। पार्षद से लोकसभा अध्यक्ष जैसे बड़े पद तक पहुंची सुमित्रा महाजन की भी आत्मा अतृप्त है क्योंकि अपनी लम्बी राजनीतिक पारी खेलने के बावजूद वे अपने बेटे मिलिंद को अपना राजनितिक उत्तराधिकार नहीं सौंप सकीं। यानि इस मामले में उनकी दशा भी उमा भारती और यशोधरा राजे जैसी ही है।सुमित्रा ताई के पुत्र मिलिंद महाराष्ट्रा ब्राम्हण सहकारी बैंक में गोलमाल के आरोपी हैं। अब भाजपा में उनके लिए कोई जगह नहीं बची है। नारी शक्ति वंदन क़ानून बनने के बाद मप्र भाजपा की जिन भाजपा नेत्रियों को सम्मान मिलना चाहिए था वे तीनों अपमानित होकर राजनीति से विदा लेती दिखाई दे रहीं हैं या उन्हें राजनीति से जबरन विदा किया जा रहा है। अब भाजपा को अपनी नारी नेत्रियों की शक्ति की वंदना करने में लज्जा अनुभव हो रही है। लेकिन दुर्भाग्य ये है कि इन तीनों में से एक भी पार्टी नेतृत्व के खिलाफ रण छेड़ने की स्थिति में नहीं है। नेतृत्व के समाने आत्मसमर्पण करना ही इनकी नियति है। 2023 के विधानसभा चुनावों में भाजपा इन तीन देवियों के बाद किन्हें प्रतिष्ठित करता है ये अभी तक स्पष्ट नहीं है क्योंकि भाजपा ने अभी तक जितने भी प्रत्याशी घोषित किये हैं उनमने एक भी चर्चित महिला चेहरा नहीं है।

(सपा के संस्थापक, संरक्षक मुलायम सिंह यादव की 10 अक्टूबर को पहली पुण्यतिथि पर विशेष)

अपने कार्यकर्ताओं को सिर आंखों पर बैठाते थे मुलायम सिंह यादव

डॉ श्रीगोपाल नारसन

उत्तर प्रदेश की ही नही देश की राजनीति में समाजवाद का प्रतिनिधित्व कर सामाजिक समानता और वंचितों के हक की लड़ाई लड़ने वाले दबंग नेता मुलायम सिंह यादव अपने कार्यकर्ताओं को हमेशा सिर आंखों पर बैठाकर रखते थे।उन्होंने साहित्यकारों को जहां भरपूर सम्मान दिया वही अपने यादव समाज को भी आगे बढाने में कोई कसर बाकी नही छोड़ी।यहां तक कि अपने पैतृक गांव सैफई को भी विकास के नक्शे पर लाकर खड़ा कर दिया।गत वर्ष आज ही के दिन उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री,देश के पूर्व रक्षा मंत्री एवं समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव का दु:खद निधन हो गया था।मुलायम सिंह यादव ने राजनीति में लंबी पारी खेली थी। सन 2012 में अपनी सक्रिय राजनीति की आखिरी लड़ाई लड़ते हुए सपा अध्यक्ष के तौर पर मुलायम सिंह ने पार्टी को भारी जीत दिलाई थी और अपने बेटे अखिलेश यादव को सत्ता की कमान सौंप दी थी। लेकिन उनके जीवन में एक ऐसा वक्त भी आया जब उन्होंने बेटे अखिलेश यादव और भाई रामगोपाल यादव को सपा से निकालने का एलान कर डाला था। इसके बाद अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह यादव के बीच टकराव का एक पूरा दौर चला।जो अब उनकी मौत के साथ ही समाप्त हो गया है।

मुलायम सिंह की राजनीति दशक साठ के दौर में परवान चढ़ी थी। सन 1967 में जब लोहिया के नेतृत्व में 9 राज्यों में पहली बार गैरकांग्रेसी सरकारें बनी थीं, तब मुलायम सिंह यादव यूपी विधानसभा के लिए चुने गए थे।मुलायम सिंह यादव सन 1989 में पहली बार यूपी के मुख्यमंत्री भी बने थे। लेकिन 1991 में जनता दल टूटा गया था।सन 1993 में उन्होंने फिर यूपी में सरकार बनाई, ये सरकार भी मायावती के साथ टकराव के बीच कार्यकाल पूरा नहीं कर सकी। तीसरी बार वे सन 2003 में मुख्यमंत्री बने और 2007 तक इस पद पर बनें रहे।90 के दशक का समय मुलायम सिंह यादव का सबसे चुनौती भरा था। राम मंदिर से जुड़ी सांप्रदायिक राजनीति की लड़ाई यूपी की ज़मीन पर लड़ी

जा रही थी।सन 1990 में अयोध्या में गुंबदों पर कारसेवकों पर चली गोली ने उनके राजनीति सफर पर असर डाला। जबकि ये बात कभी साफ़ नहीं हुई कि उस गोलीकांड में कितने लोग मारे गए थे। सन1992 में बाबरी मस्जिद गिरा दी गई और कल्याण सिंह सरकार बर्ख़ास्त कर दी गई।सन 1993 में कांशीराम की बसपा के साथ मिलकर उन्होंने दलितों और पिछड़ों की जो ऐतिहासिक गोलबंदी की, उसका असर ये हुआ कि यूपी में बीजेपी को पीछे छोड़ सपा-बसपा की सरकार बन गई। लेकिन ये दोस्ती ज़्यादा नहीं टिक पाई। बसपा इसके बाद बीजेपी के साथ हाथ मिलाती और सरकार बनाती नज़र आई.केंद्रीय राजनीति में पहली बार संयुक्त मोर्चे की सरकार बनी।सन 1996 में अटल बिहारी वाजपेयी की तेरह दिनों की सरकार के जाने के बाद देवगौड़ा के नेतृत्व में जो सरकार बनी, उसमें मुलायम रक्षा मंत्री बनाए गए। लेकिन इसके बाद संयुक्त मोर्चा भी बिखरा, सपा की राजनीति भी बिखरी. 1999 में उन पर सोनिया गांधी से वादाखिलाफी का आरोप लगा जब संसद में अविश्वास मत के दौरान मुलायम अलग नज़र आए.

शिकोहाबाद क्षेत्र के गांव इटोली में रहकर मुलायम सिंह यादव ने पढ़ाई की थी।नेताजी ने इसी गांव में रहकर कुश्ती के दांव-पेंच सीखे। मुलायम सिंह यादव का पूरा परिवार इटावा के सैफई से पहले फिरोजाबाद जिले के शिकोहाबाद क्षेत्र के गांव इटोली में रहता था, लेकिन नेताजी के बाबा मेवाराम सैफई जाकर रहने लगे।फिर वहीं मुलायम सिंह यादव के पिताजी सुघर सिंह का जन्म हुआ। मुलायम सिंह यादव का जन्म भी सैफई में ही हुआ, लेकिन उनका वहां बहुत कम मन लगता था, इसलिए वह अपने पैतृक गांव ईटोली में आ जाते थे और काफी दिनों तक इसी गांव में रहते थे। बीच-बीच में वह सैफई चले जाते थे। उन्होंने इटोली गांव में रहकर आदर्श कृष्ण कॉलेज में पढ़ाई की। वे अपने मित्रों के साथ इटोली गांव से पैदल-पैदल उस समय शिकोहाबाद स्थित आदर्श कृष्ण कॉलेज में पढ़ाई करने आते थे।अगर मुलायम सिंह यादव के खाने की पसंद की बात करें तो उन्हें खाने में सबसे ज्यादा मक्के की रोटी और चने का साग पसंद था। पढ़ाई के साथ-साथ मुलायम सिंह यादव गांव में रहकर गांव के युवकों के साथ पशु चराने भी जाते थे। इस गांव में मुलायम सिंह आखिरी बार सन2014 में आए थे, जब उनके चचेरे भाई गिरवर सिंह की तबीयत खराब थी।मुलायम सिंह यादव साहित्यकारों का बेहद सम्मान करते थे।वे अपने कार्यकर्ताओं को सम्मान देना भी नही भूलते थे।संकट के समय कार्यकर्ता का साथ वे कभी नही छोड़ते थे।उन्होंने गीतकार गोपाल दास नीरज व शायर नवाज देवबंदी को मंत्री का दर्जा देकर जहां कलम को अहमियत दी वही अपने कार्यकर्ताओं को नीचे से उठाकर गले लगाना उन्हें अच्छे से आता था।इसी कारण उनके कार्यकर्ता उनपर जान छिड़कते थे।नेताजी को अलविदा हुए एक साल हो गया है फिर भी हर कार्यकर्ता उन्हें आज भी याद करता है।

स्मृति शेष

राजनीतिक अखाड़े के धुरंधर पहलवान थे मुलायम सिंह यादव

मुकेश तिवारी

समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव का जन्म 22नवम्बर1939को उत्तर प्रदेश के सैफई गांव में हुआ था। आपकी मां का नाम श्रीमती मूर्ति देवी एवं पिता का नाम सुघर सिंह यादव था। किसान परिवार में जन्मे मुलायम सिंह को इनके पिता पहलवान बनाना चाहते थे। मुलायम सिंह ने 15वर्ष की आयु में ही सामाजिक कार्यों में सक्रियता बढ़ानी शुरू कर दी थी। उन्होंने 1954 में समाजवादी नेता डॉ राममनोहर लोहिया के शहर रेट आंदोलन में भाग लिया और जेल भी गए। मुलायम सिंह यादव का सक्रिय राजनीतिक काल तकरीबन छह दशको का रहा। युवा अवस्था में कुश्ती के अखाड़े के महारथी रहे। मुलायम सिंह डॉ लोहिया से प्रभावित होकर राजनीति के अखाड़े में उतरे तो ताउम्र सियासी दांव पेंच से राजनीति के केंद्र में बने रहें। लोग उन्हें नेता जी कहकर संबोधित करते थे। उनमें सफल नेतृत्व के सभी गुण थे। उनकी ख्याति अखिल भारतीय थी क्योंकि वे कुसी की राजनीति से ऊपर उठकर सोचते थे। वे कोमल हृदय भी थे और कठोर हृदय भी थे। वे नौकरों-चाकरों तक से सहोदर की तरह पेश आते थे। लेकिन सख्त इतने राममंदिर आंदोलन के दौरान शंकराचार्य तक को गिरफ्तार करवा लिया था। वे अपने विरोधियों का डटकर विरोध करते थे मगर उनसे संवाद करने और मुसीबत में उनकी मदद करने से कभी भी पीछे नहीं हटते थे। उनके घर के द्वार मामूली कार्यकर्ता तक के लिए सदैव खुले रहते थे। मुलायम सिंह यादव पूरी तरह से शाकाहारी थे। सभी से प्रगाढ़ आत्मीयता बना लेना उनके व्यक्तित्व का एक विलक्षण पहलू था। जो भी उनके सम्पर्क में आता था। उन्हीं का होकर रह जाता था। वे 1960में राजनीति में आए प्रायोगिक समाजवाद के पुरोधा मुलायम सिंह यादव डा लोहिया से प्रभावित होकर सियासत में आए थे। वे 1967, 1974, 1977,1985, 1989, 1991,1993 और 1996 मे विधानसभा सदस्य रहे वहीं 1996,1 998, 1999, 2004, 2009,2014,2019 में लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए। मुलायम सिंह यादव अपने राजनीतिक सफर में 8बार विधायक और 7बार सांसद बने। मुलायम सिंह यादव आपातका/ल के दौरान निरंकुश अधिनायकवाद के खिलाफ 1975में 19महिनों तक जेल में बंद रहे। 1985से 87तक जनता दल के अध्यक्ष रहे 1980मेंलोकदल के अध्यक्ष बने 1977में उत्तर प्रदेश सरकार में पहली बार मंत्री बने। 4अकटूबर1992में समाजवादी पार्टी की स्थापना की मुलायम सिंह यादव हिन्दुस्तान के सबसे बड़े प्रांत उत्तर प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री रहे। वे पहली बार 5 दिसंबर 1989 को उप्र के मुख्यमंत्री बने 1993में दूसरी बार और फिर 2003 में तीसरी बार उप्र के मुख्यमंत्री बने वे 8साल मुख्यमंत्री 2साल रक्षा मंत्री 21 साल सांसद 25साल विधायक रहे। मुलायम सिंह यादव ने अपना राजनीतिक सफर जसवंत नगर विधानसभा सीट से शुरू किया।

1996में अटल बिहारी वाजपेई की तेरह दिनों की सरकार के पतन के पश्चात् वे देवगौड़ा सरकार में केन्द्रीय रक्षा मंत्री भी रहे इन्हीं के कार्यकाल में आधुनिकतम लड़ाकू विमान सूखोई को खरीदने का करार हुआ। मुलायम सिंह का अपने जीवन काल में विवादों से भी नाता रहा 2002मेंदूसरी पत्नी साधना गुप्ता को लेकर अपने बेटे अखिलेश से विवाद हुआ। अखिलेश साधना को कतई पसंद नहीं करता था इसके बावजूद 2003 में मुलायम सिंह यादव ने साधना गुप्ता को पत्नी के रूप में स्वीकार कर लिया था। वे उ प्र के मैनपुरी से हमेशा विजय रहे यह तक की 2014 में मोदी लहर में भी वे मैनपुरी से विजय रहे। सियासत की कुश्ती में वे चार बार पहले मैनपुरी से जीत चुके मुलायमसिंह यादव ने पांचवीं बार भी मैनपुरी से जीत दर्ज कराई। स्वास्थ्य ठीक नहीं रहने की वजह से 2017में समाजवादी पार्टी की बागडोर अपने बेटे अखिलेश के हाथों में सौंपने के बाबजूद भी वे राजनीति में सक्रिय रहे। सपा के संस्थापक , संरक्षण, और उ प्र के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव को मरणोपरांत 26जनवरी 2023को पद्मविभूषण से भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित किया गया। मुलायम सिंह 82बर्ष की आयु में 10 अकटूबर2022 को हमारे बीच से चले गये थे।

एशियाई खेलों में भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन

-संतोष कुमार भार्गव

यह सुखद ही है कि भारत ने एशियाड के 72 साल के इतिहास में पहली बार पदकों का सैकड़ा पार किया। जीत की प्रतिबद्धता लिये खिलाड़ियों ने कुल 107 पदक जीतकर भारत को एशिया के 45 देशों में चौथे नंबर पर पहुंचा दिया। निस्संदेह, अब देश खिलाड़ियों से उम्मीद रखेगा कि आने वाले वर्षों में यह नंबर और ऊंचाइयों की तरफ जाए। जिस तरह आखिरी दिन भारतीय खिलाड़ियों की प्रतिभा ने स्वर्णिम आभा बिखेरते हुए छह स्वर्ण पदक हासिल किये, उससे अंत भला तो सब भला की कहावत चरितार्थ हुई।

भारत ने 1951 के एशियाई खेल में 51 पदक जीते थे, जिसमें 15 स्वर्ण, 16 रजत और 20 कांस्य पदक शामिल था। एशियाई खेल की पदक तालिका में भारत से आगे सिर्फजापान था, जिसने 60 पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया था। तैराक सचिन नाग ने 1951 में नई दिल्ली में 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में जीत दर्ज करते हुए एशियन गेम्स में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया था। उसी साल रोशन मिस्त्री भी एशियन गेम्स में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं थीं, जब उन्होंने 1951 के एशियन गेम्स की 100 मीटर रेस स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। तब से भारत ने एशियाई खेल में 183 स्वर्ण, 239 रजत और 357 कांस्य सहित 779 पदक जीते हैं। भारत के ट्रैक एंड फील्ड एथलीटों ने 19 संस्करणों में सबसे अधिक 283 पदक हासिल किए हैं। दिग्गज भारतीय धावक मिल्खा सिंह, बिना किसी शक के भारतीय एथलेटिक्स का सबसे बड़ा नाम हैं, जिन्होंने 1958 के एशियाई खेल में 200 मीटर और 400 मीटर की स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता और इसके बाद जकार्ता में 1962 के संस्करण में दो और स्वर्ण अपने नाम किया। इसके बाद एशियाई खेल की ट्रैक एंड फील्ड प्रतियोगिता में भारत की स्वर्णिम परंपरा को पीटी उषा ने जारी रखा। पय्योली एक्सप्रेस के नाम से जाने जाने वाली पीटी उषा ने 1986 के एशियाई खेल में ट्रैक पर शानदार प्रदर्शन किया। उस साल भारत के द्वारा जीते गए पांच में से चार स्वर्ण पदक जीते पीटी उषा ने जीते थे।

यह सुखद ही है कि इस बार हांगझोऊ में बेटियों ने अपना दमखम दिखाया। पहला व सौवां पदक बेटियों ने ही जीता। जो हमारे समाज में बेटियों की इस प्रतिष्ठा को स्थापित करता है कि बेटियां कहां बेटों से कम होती हैं। लेकिन यह विडंबना ही है कि देश में एशियाड में सोना,चांदी व कांस्य पदक विजेताओं को लेकर वैसा जुनून पैदा नहीं हुआ जैसा एक छोटे क्रिकेट मैच के लिये हो जाता है। वहीं मीडिया कवरेज में भी सुधार की जरूरत है। दरअसल, क्रिकेट में बाजार की इतनी बड़ी भूमिका रहती है कि शेष खेलों को आर्थिक मदद व तरजीह नहीं मिल पाती। जबकि एशियाड में भारत की धरती में फले-फूले खेलों की पताका लहरायी है। हमने परंपरागत हाकी और कबड्डी में स्वर्ण पदक जीतकर देश की प्रतिष्ठा को कायम रखा है। वैसे एथलीटों व निशानेबाजों ने भी खूब कमाल किया। एशियाई खेलों में भारत ने कुल 28 स्वर्ण पदक समेत 38 रजत और 41 कांस्य पदक जीत कर शतक को भी पार किया है। खेल के अंतिम दिन शनिवार को भारत ने 6 स्वर्ण सहित 12 पदक जीत कर कीर्तिमान बनाया है। 2018 के जकार्ता एशियाड में भारत ने 16 स्वर्ण समेत कुल 70 पदक जीते थे। इस बार हमने 107 पदक हासिल किए हैं। 'इस बार सौ के पार' का सूत्रवाक्य भी हमारे खिलाडियों ने जीवंत और साकार कर दिया है। एशियाड के 72 सालों में पहली बार भारत ने शतक पार पदक जीते हैं।

यह उपलब्धि आकस्मिक नहीं है। यदि बेटों ने 52 पदक (15 स्वर्ण, 19 रजत, 18 कांस्य) जीते हैं, तो बेटियां भी 46 पदकों (9 स्वर्ण, 17 रजत, 20 कांस्य) के साथ पीछे नहीं रही हैं। नौ पदक बेटे-बेटियों ने मिलकर मिश्रित मुकाबलों में भी जीते हैं। हमारे स्वर्णिम खिलाडियों ने विश्व कीर्तिमान भी स्थापित किए हैं। शाबाशी इसकी भी देनी चाहिए कि एशियाई खेलों के पदकवीरों की सूची में अब भारत चौथे स्थान पर रहा। यह उपलब्धि भी 37 लंबे सालों के बाद अर्जित की गई है। बैडमिंटन का उल्लेख खासतौर पर किया जाना चाहिए, क्योंकि सात्विक रांकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी अब विश्व में 'नंबर वन' हो जाएगी। यह अभूतपूर्व उपलब्धि है। इस जोड़ी ने पहली बार बैडमिंटन में भारत के माथे स्वर्ण-ताज सजाया है। चीन, जापान, मलेशिया, कोरिया आदि देश एशिया में बैडमिंटन के 'चौम्पियन गढ़' रहे हैं। उनकी चुनौतियों को ध्वस्त करके भारतीय जोड़ी ने हमारी झोली में 'स्वर्ण पदक' डाला है। अब लक्ष्य को हासिल करके रुकना नहीं है। यह 107 का सम्मानित आंकड़ा सिर्फ 'अर्द्धविराम' है। रुककर सोचने, विमर्श करने, रणनीतियां तय करने का समय है। भारत पूरी तरह एक 'खेल-राष्ट्र' बनने का माद्दा रखता है। हम नीरज चोपड़ा जैसा विश्व चौम्पियन खिलाड़ी पैदा कर सकते हैं, तो साबले, श्रीशंकर सरीखे पुरुष खिलाड़ी से लेकर हरमिलन बैंस और वेंकटेश तक की बेटी खिलाडियों को भी तैयार किया है। अब उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच और प्रशिक्षण मुहैया कराने की जरूरत है। भारत सरकार और राज्य सरकारें इन राष्ट्र-नायकों की बुनियादी जरूरतें पूरी करें।

हमारे खिलाडियों की मेहनत, जुनून और उनका हुनर अब भारत को 'ओलंपिक चौम्पियन' भी बनाएगा, ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए। क्रिकेट की पुरुष-महिला टीमों को स्वर्ण पदक बैडमिंटन युगल मुकाबले के चौम्पियन कबड्डी की दोनों टीमों के गले में 'पीला तमगा' कमाल की सटीक तीरंदाजी में 'स्वर्णिम बौछार' हुई। इस खेल में भारत ने रिकॉर्ड 9 पदक हासिल किए हैं, जिनमें 5 स्वर्ण पदक शामिल हैं। स्क्वैश में भी भारत 'स्वर्णिम महारथी' बना रहा। हमारे अचूक निशानेबाजों ने 'स्वर्णिम लक्ष्य' भेदे। सिफ्ट कौर सामरा ने 50 मीटर राइफल स्पर्धा में विश्व कीर्तिमान स्थापित कर नया इतिहास लिखा। रुद्रांक्ष, दिव्यांश और ऐश्वर्य ने भी विश्व कीर्तिमान के साथ भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। हमारे खिलाडियों के हिस्से चांदी खूब बरसी है और कांस्य पदक भी गले में सजे हैं। यकीनन यह भारतीय खेल के पुनरोत्थान और ताकत का दौर है। प्रधानमंत्री मोदी 10 अक्तूबर को अपने आवास पर इन तमाम खिलाडियों से रूबरू मुलाकात करेंगे।सौभाग्य की बात है कि एशियाड व अन्य खेलों में आम घरों व संघर्षों की तपिश में तपे खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। अकसर सुनने को मिलता है कि एक सिक्योरिटी गार्ड या श्रमिक की बेटी ने सोने का तमगा जीता। वास्तव में इसे इन बच्चों की बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जाना चाहिए। संसाधनों के अभाव व अच्छी डाइट न मिलने के बावजूद वे देश का सिर गर्व से ऊंचा करते हैं।

विडंबना यह भी है कि जब कोई गुदड़ी का लाल अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में पदक जीतकर लाता है तो तब हम उसे पलक-पांवड़ों पर बैठा लेते हैं। लेकिन उसके बाद हम उसे भूल जाते हैं। अकसर खबरें आती हैं कि एशियाड पदक विजेता फलां जगह में मजदूरी कर रहा था, सब्जी बेच रहा था और जरूरतों के लिये मोहताज है। हमारे देश के नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि खेल प्रतिभाओं का आर्थिक पक्ष यकीनी बनाएं। उनके लिये नौकरियां सुनिश्चित की जाएं।

वैश्विक स्पर्धा के स्तर के अनुरूप नौकरियों का निर्धारण हो। इससे प्रतिभाओं में एक स्वस्थ प्रतियोगिता विकसित होगी। सबसे पहला काम यह होना चाहिए कि खेल संघों में राजनेताओं की एंट्री पर पूरी तरह रोक लगे। दूसरे, खेल प्रतिभाओं को दूर-दराज के इलाकों में तलाश कर तराशा जाए। जब कोई खिलाड़ी पदक जीतकर आता है तो सरकारें लाखों-करोड़ों के पुरस्कार देने की घोषणा करती हैं। वास्तव में इन खेल प्रतिभाओं को उनकी योग्यता-क्षमता के हिसाब से पहले आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए। ताकि वे अपनी खेल मेधा को तराश सकें और बेहतर परिणाम देश को दे सकें।

कैट एग्जाम क्रैक करने के लिए अपनाएं ये रणनीति, अच्छे नंबरों से हो जाएंगे पास

अनन्या मिश्रा

कैट 2023 परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। ढुढ्ढरूलखनऊ मैनेजमेंट कोर्सेस में एडमिशन लेने के लिए इस साल की कैट परीक्षा आयोजित करेगा। ऐसे में कैंडिडेट्स नीचे दिए गए टिप्स को फॉलो कर पहली बार में परीक्षा को क्रैक कर सकते हैं। देश के प्रतिष्ठित एमबीए इंस्टीट्यूट्स में एडमिशन लेने के लिए आयोजित होने वाली कैट एग्जाम्स में हर साल बड़ी संख्या में छात्र बैठते हैं। यह स्क्रकोर्स में एडमिशन पाने के लिए सबसे कठिन परीक्षा मानी जाती है। ऐसे में इस एग्जाम को क्रैक करने के लिए छात्रों को कड़ी मेहनत करनी होती है। इस साल 26 नवंबर 2023 को कैट परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा का समय 120 मिनट का होगा। ऐसे में कैंडिडेट्स नीचे दिए गए टिप्स को फॉलो कर पहली बार में परीक्षा को क्रैक कर सकते हैं।

अगर आप भी पहली बार में इस एग्जाम को क्रैक करना चाहते हैं, तो जल्द ही तैयारी शुरू कर दें। क्योंकि तैयारी के लिए एक साल का समय कम से कम चाहिए होगा। इस दौरान आप अपना पूरा सिलेबस और टॉपिक भी अच्छे से कवर कर लेंगे। ऐसे में तैयारी का पहला स्टेप जल्दी तैयारी करना है और दूसरा स्टेप समय से टाइम टेबल तैयार करना है।

सिलेबस और टाइम टेबल

ऐसे में सिलेबस को पहले देख लें और उसके अनुसार अपना टाइम टेबल बनाकर तैयार करें। कौन से एरिया में आपको कितना समय लगता है और कौन सा एरिया आप आसानी से तैयार कर सकती हैं।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट का कोर्स कर कॅरियर को दें नई उड़ान, इस फील्ड में होगी लाखों की कमाई

अनन्या मिश्रा

हॉस्पिटल मैनेजमेंट को हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है। इसका काम हॉस्पिटल में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से चलवाना है। इस कोर्स को करने के लिए स्टूडेंट का 12वीं कक्षा साइंस स्ट्रीम के साथ पास होना जरूरी है। कोरोना महामारी के बाद हेल्थ सेक्टर में कई बड़े बदलाव हुए हैं। साथ ही कॅरियर के तौर पर भी कई ऑप्शन सामने आए हैं। बता दें कि पहले नर्सिंग और एमबीबीएस कर मेडिकल सेक्टर में कॅरियर बनाया जा सकता था। लेकिन अब इस सेक्टर में मेडिकल की डिग्री के बिना भी आप अपना कॅरियर बना सकते हैं। इन्हीं में से एक कॅरियर ऑप्शन हॉस्पिटल मैनेजमेंट का है।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट को हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है। इस सेक्टर से जुड़े लोगों के अनुसार, स्वास्थ्य संबंधित सेवाओं के विस्तार के अलावा हॉस्पिटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में भी काम बढ़ रहा है। आइए जानते हैं आप कैसे इस सेक्टर में अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।

जानिए क्या है हॉस्पिटल मैनेजमेंट

बता दें कि हॉस्पिटल मैनेजमेंट हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के क्षेत्र में आता है। इसका काम हॉस्पिटल में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से चलवाना है। इसके अलावा इसका काम यह सुनिश्चित करना है कि हॉस्पिटल आने वाले मरीजों और वहां काम करने वाले कर्मचारियों को किसी तरह की कोई समस्या ना हो। हॉस्पिटल मैनेजमेंट टीम इन व्यवस्थाओं को सुनियोजित करने का काम भी करती है।

अहम है यह फील्ड

हॉस्पिटल मैनेजमेंट के तहत हॉस्पिटल में चलने वाली कैंटीन से लेकर लिफ्ट तक का कार्यभार ही आता है। किसी भी संचालन में कमी और अस्पताल में होने वाले हादसों की जिम्मेदारी भी हॉस्पिटल मैनेजमेंट की होती है। एक सर्वे के मुताबिक भारत में साल 2025 तक 10 लाख से ज्यादा हॉस्पिटल मैनेजर्स की जरूरत होगी।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स

कई संस्थान हॉस्पिटल मैनेजमेंट में बैचलर की डिग्री देते हैं। यह कोर्स 3 साल का होता है। इसके अलावा आप इसमें प्रोफेशनल कोर्स में मास्टर्स डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान समय में हॉस्पिटल मैनेजमेंट के कोर्स में एमबीए वालों को प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं प्राइवेट संस्थान हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स डिप्लोमा सर्टिफिकेट भी देते हैं।

क्वालिफिकेशन

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने के लिए स्टूडेंट का 12वीं कक्षा साइंस स्ट्रीम के साथ पास होना आवश्यक होता है। यह कोर्स करने के लिए छात्र के 12वीं में बायोलॉजी में न्यूनतम 50त्न अंक होने जरूरी है। कुछ शैक्षणिक संस्थान इंटरव्यू और टेस्ट के आधार पर भी इस कोर्स में दाखिला देते हैं।

यहां से करें हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स

अपोलो इंस्टिट्यूट ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, हैदराबाद
इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल वेलफेयर एंड मैनेजमेंट, कोलकाता
आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कॉलेज, पुणे
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
एम्स, नई दिल्ली
सैलरी

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद उम्मीदवार 40 से 50 हजार रुपये प्रतिमाह कमाने का मौका मिलता है। इसके अलावा सरकारी संस्थान में एक से डेढ़ लाख रूपए महीने की सैलरी उठा सकते हैं। समय और अनुभव बढ़ने के साथ ही सैलरी में भी बढ़ोतरी होती जाएगी।

10वीं के बाद करें ज्वेलरी डिजाइनिंग का कोर्स, कमाई के मिलेंगे बेहतर अवसर

10वीं के बाद ज्वैलरी डिजाइनिंग का कोर्स कर छात्र-छात्राएं अपने भविष्य को नई उड़ान दे सकते हैं। हालांकि इस कोर्स को करने के लिए क्रिएटिविटी का होना काफी जरूरी है। बता दें कि एक ज्वैलरी डिजाइनर का मुख्य काम ज्वैलरी के स्टाइल और पैटर्न को अच्छे से सेट करना होता है।

समय के साथ ही अब लोग अलग-अलग क्षेत्रों में अपना कॅरियर बना रहे हैं। आए दिन नए-नए कोर्स आ रहे हैं। जिससे कि युवा पीढ़ी इन कोर्स को कर अपने फ्यूचर को नई दिशा दे सके। बता दें कि इन कोर्सेज में एक कोर्स ज्वैलरी डिजाइनिंग का भी है। ज्वैलरी डिजाइनिंग का कोर्स कर छात्र-छात्राएं अपने भविष्य को नई उड़ान दे सकते हैं। हालांकि इस कोर्स को करने के लिए क्रिएटिविटी का होना काफी जरूरी है। इस क्षेत्र में काम करने के लिए आपको काम के प्रति लगाव और नया करने की सोच लानी होगी।

इस फील्ड में विभिन्न प्रकार के स्टोन्स और मेटल्स की जानकारी और अच्छी डिजाइनिंग सेंस का होना भी जरूरी है। इस फील्ड में सक्सेजफुल होने के लिए कल्पनाशीलता के साथ-साथ आपका मार्केट रिसर्च वर्क भी बेहतर होना जरूरी होता है। बता दें कि एक ज्वैलरी डिजाइनर का मुख्य काम ज्वैलरी के स्टाइल और पैटर्न को अच्छे से सेट करना होता है। इस काम के लिए ऑटो कैड, 3डी स्टूडियो, फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर और कोरल ड्रा जैसे सॉफ्टवेयर की मदद लेनी होती है। इस फील्ड में कॅरियर बनाने के लिए छात्रों को दसवीं पास होना अनिवार्य है।

सर्टिफिकेट कोर्स

बेसिक ज्वैलरी डिजाइन
कैड फॉर जेम्स एंड ज्वैलरी
बीएससी कोर्स
बीएससी इन ज्वैलरी डिजाइन
बैचलर ऑफ ज्वैलरी डिजाइन
बैचलर ऑफ एक्सेसरीज डिजाइन
डिप्लोमा कोर्स
डिप्लोमा इन ज्वैलरी डिजाइन एंड जैमोलॉजी
ज्वैलरी मैन्युफैक्चरिंग

यहां से करें कोर्स

जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई
जैमस्टोन्स आर्टिसन्स ट्रेनिंग स्कूल, जयपुर
इंडियन जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
जैम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, जयपुर

संक्षिप्त समाचार

बाबा बेलखर नाथ धाम प्रमुख की तहरीर पर 11 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा

प्रतापगढ़। जमीन का अनुबंध करने के बाद उस जमीन को दूसरे के नाम अनुबंध कर देने के मामले में पुलिस ने ब्लॉक प्रमुख बाबा बेलखरनाथ धाम की तहरीर पर 11 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बाबा बेलखर नाथ धाम के ब्लॉक प्रमुख निवासी रामकोला सुशील कुमार सिंह, कोतवाली पट्टी का आरोप है कि उन्होंने एक जमीन का निवासी अनुबंध अभिषेक प्रताप व निवासी पीथीपुर कार्तिकेय प्रताप आसपुर देवसरा कराया था। आरोप है कि इस जमीन को पुनः जाल साजी करते हुए अनुबंध करने वाले लोगों ने दूसरे के नाम करा दिया। उन्होंने एग्रीमेंट करने वाले लोगों से पूछा तो वह उन्हें गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अभिषेक प्रताप सिंह, कार्तिकेय प्रताप सिंह, दीपक कुमार मौर्य, निवासी बहुपुर जौनपुर ज्ञान प्रकाश, दयालपुर सिंगरामऊ जौनपुर आशीष कुमार मौर्य, राजकुमारी, पंकेश, पीथीपुर निवासी राजमणि, अच्छे लाल यादव, राम फेर यादव व शिवम यादव के रहने वाला गांव माफी के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाल अर्जुन सिंह यादव ने बताया कि चार्ज लेने के पूर्व प्रमुख की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। विवेचना उप निरीक्षक संतोष कुमार पासवान को सौंपी गई है।

संदिग्ध परिस्थितियों में छात्रा की मौत, परिजनों ने किया अंतिम संस्कार

प्रतापगढ़। बारहवीं की छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में घर के भीतर मौत हो गई। घटना की जानकारी परिजनों को हुई तो हाहाकार मच गया। पुलिस को सूचना दिए बगैर परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए लेकर चले गए। पुलिस ने घटना की जानकारी से इन्कार किया है। लालगंज कोतवाली के बेल्हा मदनगढ़ गांव निवासी जीतलाल कोरी की उन्नीस वर्षीय पुत्री शांति कोरी गांव के अलका प्रमोद तिवारी इंटर कालेज में इंटरमीडिएट की छात्रा थी। रविवार को सुबह परिजन घर के बाहर कामकाज में व्यस्त थी। किसी काम से परिजन घर में गए तो कमरे में छात्रा अचेत हालत में जमीन पर पड़ी थी। यह देख परिजनों ने चिकित्सक को बुलाया तो उसने छात्रा को मृत घोषित कर दिया। छात्रा की मौत की जानकारी होते ही परिजनों में हाहाकार मच गया। मृतका तीन बहनों तथा एक भाई में सबसे छोटी थी। छात्रा की मौत के कुछ देर बाद ही परिजन कोतवाली पुलिस को सूचना दिए बिना ही शव को अंतिम संस्कार के लिए लेकर रवाना हो गए। गांव में कोई इसे आत्महत्या बता रहा है तो कोई सर्पदंश से मौत की बात करता दिखा। चर्चा इस बात की भी रही कि सुबह छात्रा को किसी बात को लेकर घर के किसी सदस्य ने फटकार लगाई थी, जिसके बाद यह घटना हो गई। लालगंज कोतवाल अवन कुमार दीक्षित ने बताया कि छात्रा की मौत की जानकारी नहीं है। परिजनों की शिकायत मिलने पर मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नॉन जेडए की भूमि प्रकरण में लेखपाल निलंबित

संभल। तहसील क्षेत्र के राजघाट मार्ग स्थित नॉन जेडए की भूमि प्रकरण में हल्का लेखपाल को निलंबित किया गया है। एसडीएम के आदेश के बाद भी नॉन जेडए की भूमि व नक्शा दुरुस्ती की रिपोर्ट समय से प्रस्तुत न करने पर निलंबन की कार्रवाई की गई है। बबराला के राजघाट रोड पर स्थित आईटीआई विद्यालय के सामने नॉन जेडए की भूमि है। इस पर कुछ लोगों ने कब्जा करके अवैध निर्माण शुरू कर दिया था। इसकी शिकायत एडीएम से की गई थी। एसडीएम ने हल्का लेखपाल के लिए निर्माण कार्य रुकवाने के आदेश दिए। संबंधित भूमि और नक्शा दुरुस्ती की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा। लेखपाल ने अवैध कब्जे को रुकवा कर मामले की जांच शुरू कर दी। लेकिन अधिकारियों द्वारा लेखपाल से लगातार नॉन जेडए की भूमि को लेकर रिपोर्ट मांगी जा रही थी। नॉन जेडए की भूमि के आस पास के सभी गाटों से सम्बंधित रिपोर्ट मांगी गई है। इसके साथ ही नक्शा दुरुस्ती को लेकर भी काफी विलंब होने के बाद भी हल्का लेखपाल द्वारा रिपोर्ट नहीं दी गई। प्रकरण में संज्ञा लेते हुए उप जिलाधिकारी रमेश बाबू ने हल्का लेखपाल सोनू शर्मा को निलंबित कर दिया। लेखपाल सोनू शर्मा का कहना है कि वर्तमान समय में सरकारी भूमि खाली पड़ी हुई है। जिस भूमि पर निर्माण हुआ है, वह संक्रमणी भूमि है। उपजिलाधिकारी रमेश बाबू ने बताया कि हल्का लेखपाल सोनू शर्मा ने नॉन जेडए व नक्शा दुरुस्ती की रिपोर्ट नहीं दी। जिसके चलते उन्हें निलम्बित कर दिया है।

सड़क हादसे में दूल्हे के चचेरे भाई की मौत

संभल। संभल-जोया मार्ग पर असमोली थाना क्षेत्र में गांव परियावली के निकट ट्रक को ओवरटेक कर रहे बाइक सवार सामने से आ रही कार से भिड़ गए। इसमें औरंगजेब (18) पुत्र हनीफ निवासी रायाबुजुर्ग की मौत हो गई। जबकि दूसरा साथी मोहम्मद जैद घायल हो गया। औरंगजेब अपने तहेरे भाई की बरात में जाने के लिए कपड़े लेकर संभल से घर लौट रहा था। हादसे के बाद खुशियां मातम में बदल गईं। तीन-चार लोग ही निकाह के लिए पहुंचे। सादगी से निकाह हुआ। औरंगजेब के तहेरे भाई जैनुल की बारात रविवार को गांव मवई डोल जानी थी। परिवार में तैयारियां चल रही थीं। औरंगजेब भी इसी खुशी में शामिल था और नए कपड़े लेने संभल आ गया। साथी मोहम्मद जैद को भी साथ में गया था। संभल से कुछ सामान और कपड़े लेने के बाद वह घर लौट रहा था। बाइक से दोनों परियावली अड्डे पर पहुंचे तो एक ट्रक को ओवरटेक करने लगे। बताते हैं कि सामने से आ रही कार से वह भिड़ गए। इसमें औरंगजेब की मौत हो गई। परिजनों ने बिना कार्रवाई के ही शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया है। उनका कहना था कि बेटा संभल गया था और परियावली के निकट बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। इस हादसे में उसकी मौत हो गई। किसी तरह की कोई कार्रवाई हम लोग नहीं चाहते हैं। इस बाबत पुलिस को भी अवगत कराया गया। जिसके बाद शव को पुलिस ने परिजनों को सौंपा था। असमोली थाने के इंस्पेक्टर संजय सिंह ने बताया कि परिजनों ने कार्रवाई के लिए कोई तहरीर नहीं दी। तहरीर मिलती तो कार्रवाई करते।

चेकिंग में बिजली चोरी करते तीन पकड़े गए

सीतापुर। बिजली विभाग के जिले के नोडल अफसर विनोद कुमार सिंह ने रविवार को महमूदाबाद व बिसवां में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान तीन लोग बिजली चोरी करते हुए पकड़े गए। वहीं 10 लोगों के घरों के अंदर से लगे मीटर को बाहर लगवाया गया। नोडल अफसर इस समय जिले में भ्रमण कर रहे हैं। वह रोजाना किसी जिले में पहुंचकर औचक निरीक्षण कर रहे हैं। रविवार को नोडल अफसर ने महमूदाबाद व बिसवां में चेकिंग अभियान चलाया। उपभोक्ताओं से पहले उनके बिल देखे। इसके बाद मीटर की रीडिंग चेक की। इस दौरान तीन लोग बाईपास करके बिजली का इस्तेमाल करते मिले। इनके खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा 10 लोगों के घरों के अंदर मीटर लगे हुए थे। इन मीटरों को वहां से निकलवाकर बाहर लगवाया। अधिशासी अभियंता द्वितीय दिलीप गुप्ता ने बताया यह चेकिंग अभियान लगातार चलता रहेगा।

159 साल पुरानी रामलीला की तैयारियां जोरों पर

लखीमपुर खीरी। शहर में चल रही रामलीला और दशहरा मेले का लोगों को बेसब्री से बाट इंतजार रहता है। इस बार रामलीला के कार्यक्रम 15 अक्तूबर से होने हैं, इसको लेकर तैयारियां जोरों के साथ शुरू कर दी गई हैं। कमेटी ने कार्यक्रम की सूची भी जारी कर दिया है। कार्यक्रम स्थल मथुरा भवन पर भी विभिन्न किरदार निभाने वाले पात्रों की आवाजाही भी शुरू हो गई है। शहर में हर साल होने वाली ऐतिहासिक रामलीला 159 वर्ष पुरानी है। इसकी शुरुआत अंग्रेज कलेक्टर मिस्टर वाकले ने कराई थी। बताया जाता है कि मिस्टर वाकले की पत्नी ने वाराणसी की यात्रा पर लखीमपुर में भी रामलीला कराने की इच्छा जाहिर की थी। जिसके बाद वाकले ने शहर के प्रतिष्ठित सेठ मथुरा प्रसाद से संपर्क साधा और रामलीला के आयोजन का प्रबंध कराया। तब से लेकर आज तक शहर का सेठ परिवार रामलीला का आयोजन कराता आ रहा है। रामलीला कराने की जिम्मेदारी उठा रहे सेठ राधा प्रसाद ट्रस्ट के सर्वाकार विपुल सेठ ने बताया कि 15 अक्तूबर से कार्यक्रम शुरू होगा। पहले दिन मेला मैदान में गणेश पूजन एवं ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके बाद से रामलीला का आयोजन व विवाह, पुष्प वाटिका 17 को, धनुष यज्ञ 18 को, बारात परिभ्रमण एवं विवाह कार्यक्रम 19 को, वनगमन 20 को, नौका लीला सेठघाट पर 21 को, सीताहरण, खरदूषण वध 22 को, बालि सुग्रीव युद्ध 23 को, कुंभकरण व रावण वध का कार्यक्रम 24 को विजयादशमी मेले दिन आयोजित होगा। भरत मिलाप 25 को, राजतिलक का कार्यक्रम 26 को संपन्न होगा।

आकर्षण का केंद्र होते हैं कुंभकरण और रावण

हर साल रामलीला में कुंभकरण और रावण का किरदार निभाने वाले पात्र आकर्षण का केंद्र रहते हैं। रामबरात के दौरान शहरवासी इनके अलावा अन्य तमाम पात्रों को देखते के लिए बेताब दिखाई देते हैं। कार्यक्रम शुरू होने में भले ही कुछ दिन बाकी हों लेकिन मथुरा भवन में हलचल होनी शुरू हो गई है।

मंदिर का जंगला तोड़कर दानपेटी, लाउडस्पीकर और एंप्लीफायर उठा ले गए चोर

संतकबीरनगर। कोतवाली क्षेत्र के कांटे चौकी अंतर्गत चंगेरा मंगेरा में बंधवा समय महारानी मंदिर सेवा समिति का शनिवार की रात को जंगला तोड़कर मंदिर में रखा एम्प्लीफायर, लाउडस्पीकर, दानपेटी को अज्ञात चोर उठा ले गए। सेवा समिति के प्रबंधक राधेश्याम गुप्ता ने अज्ञात चोरों के खिलाफ कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। बंधवा समय महारानी मंदिर सेवा समिति के प्रबंधक राधेश्याम गुप्ता ने बताया कि शनिवार की दोपहर में अज्ञात चोरों ने शनिवार की रात में समय महारानी मंदिर का जंगला तोड़कर मंदिर में रखा एम्पलीफायर, लाउडस्पीकर व दान पेटी अज्ञात चोर उठा ले गए। उन्होंने बताया कि पुलिस को सूचना दी है। सूचना पर कांटे पुलिस पहुंच गई और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। चौकी इंचार्ज कांटे राकेश कुमार ने बताया कि जांच पड़ताल की जा रही है।

पोषाहार बनाकर पैक करेंगीं स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं

शाहजहांपुर। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से रोजगार के अवसर दिए जा रहे हैं। इसी के तहत ब्याऊं समेत तीन ब्लॉकों में महिलाओं को पोषाहार (दलिया) बनाकर पैक करने का काम दिया गया है, जबकि आसफपुर, अंबियापुर और उझानी में इस इकाई को शुरू करने का काम चल रहा है। इसके बाद अधिकांश ब्लॉकों में इन इकाइयों से ही दलिया पहुंचेगा। जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के स्वयं सहायता समूहों के तहत काम करने वाली महिलाओं को बढ़ावा देने व रोजगार की तरफ उन्मुख करने के उद्देश्य से शासन लगातार काम कर रहा है। ऐसे में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आंगनबाड़ी केंद्रों पर बंटने वाले दलिया बनाने का काम दिया गया है। इसके तहत एफसीआई की तरफ से हर माह गेहूं इन केंद्रों पर पहुंचाया जाएगा। वहां पर समूह की महिलाएं मशीनों के माध्यम से गेहूं से दलिया बनाएंगी, साथ ही निर्धारित मात्रा में पैक करके केंद्रों पर पहुंचवाएंगी। इन इकाइयों पर काम करने वाली समूह की महिलाओं को मनरेगा के तहत दी जाने वाली मजदूरी के बराबर धनराशि दी जाएगी। अभी ब्याऊं, सिलहरी और रोहणी में काम चल रहा है। एक से दो दिन में उझानी में भी काम शुरू हो जाएगा। अंबियापुर और आसफपुर में 15 अक्तूबर तक इकाई काम करना शुरू कर देंगी।

एक इकाई करेंगी दो ब्लॉक के केंद्रों पर सप्लाई - एनआरएलएम के माध्यम से पोषाहार बनाकर पैक करने के बाद एक इकाई से दो ब्लॉकों के केंद्रों पर इसकी सप्लाई की जाएगी। हालांकि अभी नैफेड (नेशनल एग्रीकल्चरलकोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड) की ओर से अधिकांश केंद्रों पर पोषाहार पहुंचाया जा रहा है।

राफेल को कमान सौंप विदा हुआ मिग-21

प्रयागराज। आजादी के बाद 1965, 1971 और 1999 में हुए युद्धों में इसने दुश्मनों के दांत खट्टे करने में अहम भूमिका निभाई। यह विमान सूर्य अस्त होने की पश्चिम दिशा की ओर उड़ा। 0 देश की चौकसी में पांच दशक से तैनात मिग-21 बाइसेन को प्रयागराज में आयोजित एयर शो में विदाई दी गई। 1963 में वायुसेना के बेड़े में इसे शामिल किया गया था। आजादी के बाद 1965, 1971 और 1999 में हुए युद्धों में इसने दुश्मनों के दांत खट्टे करने में अहम भूमिका निभाई। यह विमान सूर्य अस्त होने की पश्चिम दिशा की ओर उड़ा। मिग-21 के सम्मान में राफेल ने उसे एस्कॉर्ट किया। अब राफेल को ही मिग-21 का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। संगम पर वायु प्रदर्शन दोपहर 2:44 बजे आरंभ हुआ। सबसे पहले दुश्मन के राडार से बचकर निकलने और घातक हमले करने का प्रदर्शन करते हुए संगम पर चिनूक हेलिकॉप्टर ने अपनी ताकत का एहसास कराया।

लीवर ही नहीं, दिल पर भी अटैक कर रहा बुखार

सहारनपुर। जिले में बुखार और डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। बुखार मरीजों के दिल पर अटैक करने लगा है। यहीं नहीं जांच के दौरान ब्लड प्रेशर भी नहीं आ रहा। इस तरह के मरीज अब अस्पतालों में लगातार पहुंच रहे हैं। इसमें थोड़ी सी लापरवाही जीवन पर भारी पड़ सकती है। बुखार और डेंगू का कहर शहर से लेकर गांव तक जारी है। सरकारी आंकड़ों में जो मरीज सामने आ रहे हैं। हकीकत उससे कोसों दूर है। गांव में मरीजों का इलाज झोलाछाप के भरोसे हैं। इसी बीच जो बात सामने आई है, वह चौंकाने वाली है। पिछले 20 से 25 दिनों में बुखार व डेंगू से गंभीर होने वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। इस बार बुखार लीवर की हड्डी तोड़ रहा है। इससे जीवन रक्षक लीवर तो प्रभावित हो ही रहा है। कुछ मरीजों के दिल पर भी बुखार अटैक कर रहा है। इसमें दिल की धड़कनों की क्षमता कम होती जा रही है और मरीज को सांस लेने में दिक्कत बढ़ रही। ऐसे में लोगों को इलाज में देरी नहीं करनी चाहिए।

- डेंगू के तीन नए मरीज मिले

जिले में डेंगू के मामले लगातार मिल रहे हैं। रविवार को तीन लोगों में डेंगू की पुष्टि हुई है। डेंगू पीड़ित शहर व देहात क्षेत्रों के रहने वाले हैं। इनके यहां स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पहुंचकर एंटी लार्वा का छिड़काव कराया। इस प्रकार जिले में डेंगू के मरीजों का आंकड़ा बढ़कर 245 हो गया है।

हसनपुर निवासी विशाल (23) को तीन दिन से बुखार आ रहा है। उसका इलाज शहर के एक निजी अस्पताल में चल रहा। चिकित्सक ने जांच कराई तो उसके दिल पर सूजन की शिकायत मिली। इसके साथ ही ब्लड प्रेशर जांचा तो वह मशीन में नहीं आया।

ज्ञानगढ़ निवासी 13 साल निवासी अतीक को पिछले महीने बुखार आया। परिजन उसे लेकर एक निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे। सात दिन तक अस्पताल में भर्ती रहा। इलाज के दौरान चिकित्सक ने जांच कराई। जांच रिपोर्ट में दिल पर बुखार का अटैक होना पाया। इसका भी दो दिन तक ब्लड प्रेशर नहीं आया।

ओवरब्रिज से चली जाती है बसें, नीचे खड़े रहते हैं यात्री

संतकबीरनगर। जिला मुख्यालय पर बस डिपो की स्थापना नहीं हो पाई है। खलीलाबाद के मेंहदावल बाईपास पर बस स्टॉप सेंटर बनाया गया है, लेकिन रात के समय अधिकतर बसें ओवरब्रिज से होकर चली जाती हैं। इससे यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ती है। यात्री मजबूरी में प्राइवेट वाहनों से सफर करते हैं। वर्ष 1997 में जिले का सृजन हुआ और खलीलाबाद को जिला मुख्यालय का दर्जा मिला। यहां पर कलक्ट्रेट, विकास भवन, पुलिस कार्यालय सहित कई विभाग खुले और कर्मचारियों की तैनाती हुई। आबादी भी बढ़ रही है, लेकिन जिला मुख्यालय पर बस डिपो की स्थापना नहीं हो सकी है। खलीलाबाद-मेंहदावल बाईपास पर फ्लाई ओवर के नीचे बस स्टॉप सेंटर बनाया गया है। एक गुमटी में परिवहन निगम का कार्यालय संचालित है। वर्तमान में यात्री खुले आसमान में खड़े होकर बसों का इंतजार करते है। रात के समय अधिकतर बसे ओवरब्रिज से चली जा रही है। ऐसे में यात्री नीचे खड़े होकर बसों का इंतजार करते रह जा रहे हैं। बस से यात्रा करने वाले रजनीश वैद्यनाथ, राजीव राय, जय प्रकाश ने बताया कि कभी कभी लेट हो जाता है। जिसकी वजह से नौ बजे अगर बस स्टैंड पर आते है तो रोडवेज की बस नहीं मिलती है। जिससे समस्या हो जाती है। प्राइवेट वाहन से यात्रा करना मजबूरी बन जाता है। बस स्टैंड प्रभारी टीएन दुबे ने बताया कि जो बसे नान स्टॉप होती है वह फ्लाईओवर से चली जाती है। अगर लोकल स्तर की बस फ्लाईओवर से जा रही हे तो इसे दिखवाया जाएगा।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक की मौत

संतकबीरनगर। कोतवाली क्षेत्र के मगहर चौकी अंतर्गत दुर्गा मंदिर चौराहे पर रविवार देर शाम अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामे के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चौकी इंचार्ज उदयशंकर द्विवेदी ने बताया कि गोरखपुर जनपद के सहजनवां थाना क्षेत्र ग्राम भरपही निवासी विष्णुदेव यादव पुत्र रामपत यादव 38 वर्ष रविवार की देर शाम मगहर कस्बे से सब्जी खरीद कर वापस घर जाने के लिए हाइवे के दुर्गा मंदिर चौराहे को पार कर रहा था। तभी तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। जिससे उसका शरीर क्षत-विक्षत हो गया। चेहरे से मृतक की पहचान की जा सकी। घटना की सूचना मिलने पर मगहर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेने के साथ पंचनामे के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

केस छिपाने में जुटा रहा लैब, सख्ती दिखाई तो मिले 33 डेंगू के मरीज

संतकबीरनगर। जिला अस्पताल का पैथलॉजी विभाग डेंगू की रिपोर्ट छिपाने में जुटा था। उधर, शासन ने सख्ती की तो पैथलॉजी विभाग ने सीएमओ कार्यालय को 10 माह की रिपोर्ट भेजी। जिसमें डेंगू के कुल 33 मरीज मिलने की पुष्टि हुई है। इसमें जुलाई से अब तक कुल 27 मरीज मिले हैं। सीएमओ कार्यालय ने इस पर नाराजगी जताते हुए विभाग को फटकार लगाई और लापरवाही पर शासन को अवगत कराया है। जिले में डेंगू के मरीज के मिलने शुरू हो गए हैं। अब तक चार दिनों में आठ मरीज मिल चुके हैं। इसकी प्रतिदिन मॉनीटरिंग शासन स्तर से की जा रही है। इसकी प्रतिदिन रिपोर्ट शासन को भेजी जाती है, लेकिन पैथलॉजी विभाग सीएमओ कार्यालय को डेंगू की रिपोर्ट नहीं भेज रहा था। इधर, शासन स्तर से डेंगू की एक माह की रिपोर्ट मांगी गई तो सीएमओ कार्यालय ने जिला अस्पताल के पैथलॉजी विभाग से रिपोर्ट मांगी। दो दिन बाद पैथलॉजी विभाग ने रिपोर्ट भेजी। जिसमें जनवरी 2023 से सात अक्तूबर तक की रिपोर्ट थी। इस रिपोर्ट में कुल 33 मरीज मिलने की बात बताई गई है।

इसके साथ ही जुलाई से अब तक कुल 27 मरीज डेंगू के मिले हैं। रिपोर्ट के बाद सीएमओ कार्यालय सकते में है। इसके साथ ही प्रतिदिन रिपोर्ट न भेजने पर पैथालॉजी विभाग पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही सीएमओ कार्यालय के मॉनीटरिंग सेल में रजिस्टर को अपडेट कर दिया है। जिस पर कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गई है कि जिला अस्पताल से प्रतिदिन डेंगू, मलेरिया, जेई, एईएस आदि की रिपोर्ट मांगी जाए और उसे रजिस्टर पर दर्ज किया जाए। जिला अस्पताल के पैथलॉजी विभाग को प्रतिदिन डेंगू, मलेरिया, जेई, एईएस के मरीजों की रिपोर्ट भेजनी होती है, पर लैब के कर्मी रिपोर्ट नहीं भेजते हैं, जब सख्ती दिखाई गई है तो रिपोर्ट भेज रहे हैं। कुल 33 मरीज 10 माह में मिलने की बात रिपोर्ट में है। इसके लिए कार्यालय में रजिस्टर बना दिया गया है, जिस पर प्रतिदिन मरीजों का डाटा दर्ज किया जाएगा। इसके साथ ही मामले से शासन को अवगत करा दिया गया है।

मजदूर को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़े, बहस के बाद गाली-गलौज और फिर पथराव के बाद भगदड़, कई गिरफ्तार

संभल। इसमें गांव के निवासी हारुन पुत्र बाबू सिर में चोट लगने से घायल हो गए। थाना पुलिस के साथ सीओ जितेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। हयातनगर थाना क्षेत्र के गांव हसनपुर मुंजब्ता में रविवार की सुबह मजदूर को लेकर दो पक्षों में पथराव हो गया। इसमें गांव के निवासी हारुन पुत्र बाबू सिर में चोट लगने से घायल हो गए। थाना पुलिस के साथ सीओ जितेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस को देख पथराव कर रहे लोग मौके से भाग निकले। तहरीर के आधार पर पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद एक पक्ष के मोहम्मद अनस पुत्र शफात ने पुलिस को तहरीर दी। इसमें कहा कि मेरा चचेरा भाई कासिम अपनी लेंटर डालने की मशीन लेकर मजदूर छोटू पुत्र सखावत, आदिम पुत्र नईम, हैदर फहीम के साथ जा रहा था। सुबह सात बजे के करीब कालिम पुत्र सल्लू के मकान के पास पहुंचा तो तैमूर, जीशान, फैसल, मुजीब, दानिश, बबलू पुत्रगण कालिम और कालिम पुत्र सल्लू ने गाली-गलौज करते हुए रोक लिया।

बोले कि कल हमारे मजदूर मनोज को मना करने के बावजूद भी काम पर ले गया था। बात बढ़ी तो विवाद हो गया और पथराव होने लगा। शोर शराबा होने पर परिवार के लोग भी पहुंचे। आरोप है कि इस दौरान जान से मारने की नीयत से फेंके गए ईंट-पत्थर और तलवार के हमले में हारुन घायल हो गया।

हारुन का जिला अस्पताल में उपचार कराया गया है। सीओ जितेंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर तैमूर, जीशान, फैसल, मुजीब, दानिश, बबलू पुत्रगण कलीम और कलीम पुत्र सल्लू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इसमें तीन आरोपी कलीम, मुजीब और फैसल को गिरफ्तार करके न्यायालय भेजा गया। जहां से इन्हें जेल भेज दिया गया है।

हेलमेट लगाकर पथराव करता रहा युवक, तलवार भी दिखी

संभल। पथराव के दौरान एक युवक सिर पर हेलमेट लगाए हुआ था। वह लगातार पथराव कर रहा था। इसी से स्पष्ट हो रहा था कि वह पूरी तैयारी के साथ पथराव करने सड़क पर उतरा था। हालांकि पुलिस के पहुंचने पर वह भाग निकला। वहीं, दूसरा युवक हाथ में तलवार लेकर निकाला था। वह बार-बार तलवार को लहरा रहा था। इससे मौके पर डर का माहौल बन गया और कोई आसपास जाने की हिम्मत नहीं कर रहा था। यहां तक कि लोगों ने अपने घरों के दरवाजे भी बंद कर लिए। गांव में भगदड़ जैसा माहौल हो गया। पुलिस ने पहुंचने पर मामला शांत हुआ। बताया जाता है कि दो दिन पहले भी विवाद हुआ था।

दो बाइकों की टक्कर में दो महिला समेत चार घायल, तीन रेफर

संतकबीरनगर। महुली क्षेत्र के नोकता तिराहे के निकट रविवार को दो बाइकों की सीधी टक्कर हो गई। इसमें दो महिलाएं समेत चार सवार घायल हो गए। घायलों को निकट के सीएचसी केंद्र नाथनगर भर्ती कराया गया। हालत में सुधार होता नही देख चिकित्सकों ने तीन को जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। हालत नाजुक होने की बात कही जा रही है। क्षेत्र के सांखी गांव निवासी राघव यादव पुत्र अज्ञात बाइक से दूध बेचकर अपने घर साखी जा रहा था। दूसरी तरफ से अंबेडकरनगर जिला से आ रही विजय लक्ष्मी पत्नी उद्धव मिश्र निवासी आनंद पूरा थाना खजनी जनपद गोरखपुर के साथ बहन पल्लवी पुत्री चंद्रशेखर मिश्र निवासी मुरतिपुर अंबेडकरनगर एक ही बाइक पर खजनी जा रही थी। बाइक को रिश्तेदार जितेंद्र मिश्र पुत्र गुलाम निवासी पडरौना जनपद कुशीनगर चला रहा था।

नोकता तिराहे पर अचानक अनियंत्रित होकर दोनों बाइको में आमने-सामने से सीधी भिड़न्त हो गई। जिसके चलते राघव यादव, जितेंद्र मिश्र व विजयलक्ष्मी गंभीर रूप से घायल हो गए, तथा पल्लवी आंशिक रूप से घायल हुई। घायलों को एंबुलेंस की मदद से ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नाथनगर पहुंचाया जहां पर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय भेज दिया गया।

5.66 लाख रुपयों के साथ धरा गया शातिर चोर

सीतापुर। बिसवां कोतवाली पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक शातिर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से पांच लाख 66 हजार रुपये बरामद हुए हैं। कामंगरी टोला निवासी अनिल कुमार श्रीवास्तव के घर से 26 सितंबर को चोरी हुई थी। वह अपने किसी रिश्तेदार के यहां गए थे। घर में ताला पड़ा था। इंस्पेक्टर अनिल सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर मुराउटोला निवासी शिवम भार्गव को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से पांच लाख 66 हजार रुपये बरामद हुए। उसने वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। पूछताछ में कामंगरी टोला निवासी शिवम ने बताया कि ताला पड़े हुए मकान में दोपहर के समय एक सरिया बाहर के गेट से अंदर फेंक दी। कुछ समय बाद मौका देखकर बाउंड्री से घर के अंदर कूद गया। सरिया से मुख्य गेट का ताला तोड़ा फिर घर में घुस गया। चोर ने लॉकर की चाभी ढूंढ ली। फिर लॉकर से पांच लाख 66 हजार रुपये चोरी कर लिए। उसने चाभी को फिर वहीं रख दिया। किसी को शक न हो इसलिए चोर ने मकान में रखा एक अन्य ताला मुख्य गेट पर फिर से लगा दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने जताया भरोसा, सात बार सीसीटीवी में हुआ कैद

शातिर दिमाग युवक ने घटना को इस तरीके से अंजाम दिया कि उस पर यकीन कर पाना मुश्किल है। जब टीम घटनास्थल पर पहुंची तो एक भी ताला टूटा नहीं था। घर का कोई सामान बिखरा नहीं था। पीड़ित भी घटनाक्रम देखकर अचंभित था। लेकिन नकदी गायब होने के कारण वह पुलिस के पास गया। हालांकि पुलिस ने भरोसा दिखाते हुए तफ्तीश शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी को खंगाला तो आरोपी युवक गली में आता दिखा। वह सात बार कैमरे में कैद हुआ।

घायल युवक की मौत, नाराज परिजनों ने शव रखकर किया प्रदर्शन

सीतापुर। कोतवाली क्षेत्र में मारपीट में जख्मी हुए एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। इससे नाराज परिजनों ने रविवार को शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर परिजनों को किसी तरह शांत कराया। जिसके बाद अंतिम संस्कार हो सका। करीब एक घंटे तक हंगामा चला। बड़ागांव निवासी सुनील सिंह ने बताया कि 15 सितंबर को उसके भाई नैमिष सिंह (18) उर्फ मनीष का चंद्र प्रकाश वर्मा और उसके पुत्र अमरीश के साथ पेड़ काटने को लेकर विवाद हुआ था। आरोपियों ने नैमिष को बुरी तरह पीट दिया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था। शनिवार को नैमिष की तबीयत बिगड़ी और उसे खून की उल्टी हुई। कुछ समय बाद उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम होने के बाद नाराज परिजनों ने शव को महोली-हरगांव मार्ग पर बड़ागांव कस्बे में सड़क पर रख दिया। फिर जमकर हंगामा काटा।

मेले में नहीं आ रहे आरोग्य मित्र, कैसे बनवाएं गोल्डन कार्ड

प्रतापगढ़ । आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनवाने के लिए बीपीएल राशन कार्ड धारक परेशान हो रहे हैं। शासन के आदेश के बावजूद मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला में आरोग्य मित्र गोल्डन कार्ड बनाने नहीं आ रहे हैं। इससे लोगों को निराश होकर लौटना पड़ रहा है। शासन के आदेश पर जिले के 56 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रत्येक रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का आयोजन किया जाता है। यहां आने वाले मरीजों का निश्शुल्क इलाज होता है। शासन ने सीएचसी पर तैनात डॉक्टर, फार्मासिस्ट, स्टाफ नर्स सहित आरोग्य मित्रों को आरोग्य मेले में ड्यूटी पर रहने को कहा है। इसके बावजूद आरोग्य मेला में आरोग्य मित्र नहीं आ रहे हैं। इससे लाभार्थियों का गोल्डन कार्ड नहीं बन पा रहा है।

रानीगंज में तैनात आरोग्य मित्र रविवार को आरोग्य मेले में नहीं पहुंचे। इससे गोल्डन कार्ड बनवाने आए लोगों को निराश होकर लौटना पड़ा। चीफ फार्मासिस्ट राजेश यादव ने बताया कि आरोग्य मित्र को डेंगू हो गया है, इसलिए वह ड्यूटी पर नहीं आर रहे हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र घुइसरनाथ में तैनात डॉक्टर दोपहर बारह बजे घर चले गए। फार्मासिस्ट भी अपनी सीट पर नहीं थे। थोड़ी देर बाद आने पर बताया कि आयुष्मान मित्र नहीं आते, कार्ड नही बनता है।

पीएचसी मंगापुर में मुख्यमंत्री आरोग्य मेला में 14 मरीज ही इलाज कराने आए थे। इसमे खासी बुखार के मरीज थे। आयुष्मान मित्र नही आए थे। ऐसे में गोल्डन कार्ड बनवाने आए लोगों को निराश होकर लौटना पड़ा।

पीएचसी लीलापुर में मेला लगा था, यहां आयुष्मान मित्र की कुर्सी खाली थी। कर्मचारियों ने बताया कि आयुष्मान कार्ड पीएचसी लक्ष्मणपुर में बनता है। वहाँ जाने पर पीएचसी ही बंद मिला। मुख्यमंत्री आरोग्य मेला तक नहीं लगा था।

हाथी पर माता का आगमन, मुर्गे पर सवार होकर प्रस्थान

सीतापुर। शारदीय नवरात्र में इस बार मां दुर्गा का आगमन हाथी पर हो रहा है। प्रस्थान मुर्गे पर सवार होकर करेंगी। मान्यता के अनुसार हाथी पर आगमन समाज के लिए अत्यंत शुभ होगा। नवरात्र का शुभारंभ 15 अक्तूबर से होगा। इस बार माता पूरे नौ दिन भक्तों पर कृपा बरसाएंगी। नवरात्र को लेकर देवी मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। शारदीय नवरात्र का प्रारंभ आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होता है। इस बार शारदीय नवरात्र 15 अक्तूबर से शुरू हो रहे हैं। नवरात्र में प्रतिवर्ष सवारी का विशेष महत्व होता है। आचार्य अरुण शास्त्री ने बताया कि इस बार माता की सवारी हाथी है। देवी भागवत पुराण के अनुसार जिस नवरात्र माता हाथी पर सवार होकर पृथ्वी पर आती हैं, उस वर्ष धन, दौलत मे वृद्धि होती है। अगली वर्षा ऋतु में बरसात अच्छी होती है, जिससे किसानों की फसल अच्छी होती हैं। वहीं, इस बार माता मुर्गे पर सवार होकर प्रस्थान करेंगी।

चिट्ठी से नहीं आते संदेश, व्हाट्सएप पर मैसेज का इंतजार

सोनीपत। चिट्ठी आई है, आई है, चिट्ठी आई है, बड़े दिनों के बाद... अब यह गाना सिर्फ यादों में सिमटकर रह गया है। इसका कारण यह है कि आज हम आधुनिकता की दौड़ में चिट्ठी लिखना ही भूल चुके हैं। अब इंटरनेट, ईमेल, मोबाइल फोन, एसएमएस और कूरियर के जमाने में पोस्ट ऑफिस की कार्यशैली में बदलाव आ गया है। बदलते दौर में घर से जाते समय अब कोई नहीं कहता है कि पहुंचते ही चिट्ठी लिखना न भूलना। आज की नई पीढ़ी पत्र लेखन की कला से कोसों दूर है। एक वक्त था जब बेसब्री से लोग पोस्टमैन का इंतजार करते थे। पहले के जमाने में अधिकतर लोग पढ़े-लिखे नहीं होते थे, वह अपने पत्र दूसरों से लिखवाते थे और जब उनके पत्र का जवाब आता था तो उत्सुकता से उसे दूसरों से पढ़वा कर सुनते थे। डाकिया भी जब पत्र लेकर आता था तो लोग उससे पूछते थे, अरे डाकिया भैया! हमारी कोई चिट्ठी तो नहीं आई है और उसके जवाब में डाकिया भी मुस्कुराता था और कहता था अभी नहीं आई भैया, आएगी तो जल्दी आप तक पहुंचा दूंगा।

आज का दौर बदल गया है, डाकिया तो आज भी है, लेकिन वह चिट्ठी नहीं लाते हैं। इस व्हाट्सएप के जमाने में लोग चिट्ठियों की नहीं, व्हाट्सएप पर मैसेज का इंतजार करते हैं। भारतीय डाक सेवा ने 1 अक्तूबर 2023 को अपने सफर के 169 वर्ष पूरे कर लिए हैं। देश में 1766 में लॉर्ड क्लाइव ने पहली बार डाक व्यवस्था स्थापित की थी। इसके बाद 1774 में वारेन हेस्टिंग्स ने कोलकाता में प्रथम डाकघर स्थापित किया था। वहीं देश में 1854 में टिकटों की शुरुआत हुई थी। आज एक साधारण चिट्ठी से लेकर विदेश जाने के लिए पासपोर्ट तक बनवाने का कार्य डाक विभाग कर रहा है। इसके साथ सभी अल्प बचत योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, पीपीएफ, आधार सुधार, बिल जमा, गंगाजल की खरीदारी और देश विदेश तक वाटरप्रूफ लिफाफे में राखी समय पर विभाग भेज रहा है। डाक विभाग के पास डाक जीवन बीमा और ग्रामीणों के लिए विशेष ग्रामीण डाक जीवन बीमा भी चलाई जा रही है।

प्रधान डाकघर के अधीन 230 कर्मचारी कर रहे कार्य

नारनौल स्थित प्रधान डाकघर गुरुग्राम मंडल के अधीनस्थ दो जिले रेवाड़ी व महेंद्रगढ़ का प्रधान मुख्यालय है। प्रधान मुख्यालय के अंतर्गत 30 उप डाकघर व 189 शाखा डाकघर कार्य कर रहे हैं। इनमें मुख्य डाकघर रेवाड़ी व उसके अधीनस्थ कार्यालय भी शामिल है। नारनौल का प्रधान डाकघर लगभग डेढ़ एकड़ में फैला शहर की एक ऐतिहासिक पहचान संजोए हुए है। यहां आजादी से पहले से ही डाक सेवा जनता को दी जारी है। प्रधान डाकघर नारनौल के अंतर्गत 230 कर्मचारी कार्य कर रहे हैं।

2018 में गणतंत्र दिवस की परेड में पहली बार लिया हिस्सा

प्रधान डाकघर सरकार द्वारा आयोजित सभी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता रहा है। साल 2018 में गणतंत्र दिवस के मौके पर आईटीआई मैदान नारनौल में झांकी व परेड में डाक विभाग ने शिरकत की और डिजिटल इंडिया थीम का प्रदर्शन करते हुए डाक विभाग ने झांकी के माध्यम से जनता को जगाने का जीवंत प्रयास किया। इस गति विधि में लगभग 45 विभागों की झांकियां शामिल थीं। उसमें से डाक विभाग ने पहली बार भागीदारी करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया था। यह नारनौल व डाक इतिहास के लिए बड़े ही गौरव का विषय था।

नवजात की मौत, परिजनों का हंगामा

सीतापुर। जिला महिला अस्पताल में प्रसव के दौरान रविवार को एक नवजात की मौत हो गई। परिजनों ने चिकित्सक पर धन उगाही का आरोप लगाते हुए हंगामा काटा। करीब एक घंटे के हंगामे के बाद मामला शांत हुआ। गंभीर हालत में महिला को रेफर कर दिया गया। लोनियनपुरवा निवासी रोली शुक्ला (26) को रविवार को जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रोली ने एक बच्ची को जन्म दिया। कुछ ही देर बाद बच्ची की मौत हो गई। ननद अनीता व सोनी का आरोप है कि चिकित्सक डॉ. जुबेरिया ने प्रसव में लापरवाही बरती। अगर सही से इलाज किया होता तो शायद बच्ची की जान बच जाती।

जब उनसे रोली की हालत के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया गंभीर है। आप 20 हजार रुपये दो, तभी यहां पर भर्ती करेंगे। वरना रेफर कर देंगे। जब पैसे न होने की बात कही तो उन्होंने बिना कुछ बताए रेफर कर दिया। उसके बाद अस्पताल का गेट भी बंद करवा दिया। इस घटना की जानकारी मिलने पर राष्ट्रीय हिन्दू शेर सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास हिंदू भी पहुंचे।

एसडीएम की जांच में रजिस्ट्री के नाम पर रिश्वत मांगने के नहीं मिले सबूत

सोनीपत। तहसील में रजिस्ट्री के नाम पर रिश्वत मांगने और रिमार्क कटिंग के आरोपों की जांच पूरी कर एसडीएम गन्नौर ने रिपोर्ट डीसी कार्यालय में सौंप दी है। जिसमें रिमार्क कटिंग किए जाने की बात कही जा रही है। साथ ही सरकारी कार्य नियम अनुसार पूरा नहीं किया गया। हालांकि, रिश्वत मांगने के आरोप पर शिकायतकर्ता पुख्ता सबूत पेश नहीं कर पाए। इस मामले में लोगों ने प्रदर्शन करते हुए डीसी को शिकायत दी थी। डीसी ने पूरे मामले की जांच एसडीएम निर्मल नागर को सौंपी थी। मामले को लेकर 24 अगस्त को जिला पार्षद संजय बड़वासनिया के नेतृत्व में कुछ लोगों ने तहसील कार्यालय में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया था। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने तत्कालीन डीसी ललित सिवाच को शिकायत देते हुए बताया था कि तहसील में उनसे रिश्वत के नाम पर 50 हजार रुपए मांगे हैं। आरोप लगाया गया था कि रिश्वत नहीं देने पर रजिस्ट्री पर किए गए रिमार्क को काट दिया। साथ ही तत्कालीन रजिस्ट्री क्लर्क ने भी काम में कोताही बरती। शिकायत पर डीसी ने निष्पक्ष जांच का आश्वासन देते हुए सोनीपत के तत्कालीन एसडीएम निर्मल नागर को जांच सौंपी थी। निर्मल नागर अब गन्नौर के एसडीएम हैं। उन्होंने जांच पूरी कर डीसी कार्यालय में सौंप दी है। जांच में उन्होंने लिखा है कि शिकायत में रिश्वत के आरोप सिद्ध नहीं होते, लेकिन रजिस्ट्री पर रिमार्क कटिंग की गई है। रजिस्ट्री उसी दिन करने का नियम होने के बावजूद रजिस्ट्री क्लर्क ने लापरवाही बरती। जांच में पाया गया कि टोकन 24 अगस्त शाम 4 बजकर 16 मिनट पर जारी किया गया था, जबकि चालान 23 अगस्त को जारी किया गया था, लेकिन 25 अगस्त को जांच के लिए नायब तहसीलदार व रजिस्ट्री क्लर्क को बुलाया गया तो उस समय तक भी रजिस्ट्री की कार्रवाई को पूरा नहीं किया गया था। रिपोर्ट में यह निष्कर्ष भी लिखा गया है कि जनता के प्रति नायब तहसीलदार व रजिस्ट्री क्लर्क का व्यवहार उचित नहीं है। रजिस्ट्री के मामले में एसडीएम को जांच सौंपी गई थी। जांच रिपोर्ट कार्यालय में पहुंची है। जिसे सीटीएम के पास रिमार्क के लिए भेजा गया है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी। -डॉ. मनोज कुमार, डीसी, सोनीपत।

संक्षिप्त समाचार

जिला पंचायत के चालक पर कुल्हाड़ी से हमला

रायबरेली। भदोखर क्षेत्र में जिला पंचायत के एक चालक पर कुछ लोगों ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इस हमले में गंभीर रूप से घायल चालक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह घटना गुलाबकला मजरे बेलाभेला निवासी रामसजीवन के साथ हुई। जिला पंचायत में बतौर चालक रामसजीवन छह अक्तूबर को ड्यूटी के बाद बाइक से घर जा रहा था। उसके साथ गांव का भगवती भी था। पलिया गांव के पास रेलवे क्रासिंग पर कुछ लोगों ने रामसजीवन पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। यह देख उसका साथी भगवती भाग निकला। रामसजीवन के शोर मचाने पर आसपास के लोग दौड़े तो हमलावर भाग निकले। इस हमले में रामजीवन गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके बेटे ने थाने में तहरीर दी है। एसओ राजेश कुमार ने बताया कि पुरानी रंजिश में मारपीट हुई है। गांव के शिवकुमार, कालिका, सुनील व नीरज के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

बिजली कनेक्शन काटने पर लाइनमैन को पीटा

रायबरेली। क्षेत्र में रविवार को बिजली कनेक्शन काटने पर संविदा लाइनमैन की पिटाई कर दी गई। इस घटना में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। शिवगढ़ उपकेंद्र के संविदा लाइनमैन दिनेश कुमार के मुताबिक उसने चार दिन पहले बेह्रास गांव में बिल नहीं चुकाने पर पंकज व हरिकरन के बिजली कनेक्शन काट दिए गए थे। रविवार को वह काटे गए कनेक्शन की चेकिंग करने गांव पहुंचा तो पता चला कि दोनों लोगों ने अवैध तरीके से बिजली का कनेक्शन जोड़ लिया है। इसकी शिकायत जेई से की। जेई ने कनेक्शन दोबारा काटने का निर्देश दिया। कनेक्शन काटने की कोशिश के दौरान पंकज, हरिकरन के साथ हनुमान व आलोक कुमार ने उसकी पिटाई कर दी। लाइनमैन की घटना की सूचना पुलिस को दी। थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

नर्सिंग होम व मेगा शॉप बंद करने का आदेश

रायबरेली। शहर में कैनाल रोड स्थित गीता नर्सिंग होम और मेगा शॉप को बंद करने का नगर मजिस्ट्रेट प्रकाशचंद्र ने आदेश दिया है। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि दोनों ही संस्थानों के पास पार्किंग के लिए जगह नहीं। बिना पार्किंग के संचालित अन्य संस्थाओं की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। संस्थानों व प्रतिष्ठानों में पार्किंग की जगह नहीं होने वाहन सड़क पर खड़े किए जाते हैं। इससे जाम की समस्या होती है। जाम के चलते प्रतिदिन लोग परेशान होते हैं।

फंदे से लटका मिला युवती का शव

रायबरेली। क्षेत्र में रविवार सुबह एक युवती का शव आम के पेड़ से फंदे के सहारे लटका मिला। शव देख मौके पर भीड़ लग गई। ग्रामीणों ने युवती की पहचान मदूदपुर गांव निवासी रामजान की बेटी सोना (40) के रूप में की। उसके गले में रस्सी का फंदा कसा था। सोना अविवाहित थी। मृतका के भाई श्रीनाथ ने बताया कि सोना मानसिक रूप से बीमार थी। प्रभारी निरीक्षक शिवशंकर सिंह ने बताया कि छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट से मौत की वजह स्पष्ट होने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

मंडलीय खो-खो प्रतियोगिता 12 से, जुटेंगे 300 खिलाड़ी

रायबरेली। माध्यमिक विद्यालयों की मंडल स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस प्रतियोगिता में मंडल के सभी जिलों के करीब 300 खिलाड़ी जुटेंगे। एक दिवसीय प्रतियोगिता के लिए मैदान पर व्यवस्थाएं दुरुस्त कराई जा रही हैं। प्रतियोगिता 12 अक्तूबर को बाल विद्या मंदिर गंगागंज में होगी। इसमें लखनऊ मंडल के सभी जिलों के बालक व बालिकाओं की अंडर 14 और अंडर 19 वर्ग में प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। इस तरह हर जिले से चार टीमें आएंगी। चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम करने के लिए जिले के खिलाड़ी तैयारी में जुटे हैं। मंडलीय प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले जिले के खिलाड़ी लखनऊ मंडल की टीम में जगह बना सकेंगे। इसके बाद उन्हें राज्य स्तर पर प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा। माध्यमिक क्रीड़ा सचिव अजय सिंह चंदेल ने बताया कि जिले में हो रही मंडलीय खो-खो प्रतियोगिता की तैयारियां पूरी कराई जा रही हैं। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन कर लखनऊ मंडल की टीम बनाई जाएगी। मंडल की टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। रविवार को खेल मैदान को दुरुस्त कराया गया।

एटीएम का लॉकर तोड़ने की कोशिश

सलोन (रायबरेली)। कस्बे में दुर्गा पूजा पंडाल के निकट स्थित इंडिया वन एटीएम का लॉकर तोड़कर नकदी चुराने का प्रयास किया गया। घटना एटीएम के सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई है। इसके जरिए पुलिस छानबीन कर ही है। एटीएम की देखरेख करने वाले कर्मचारी शरीफ ने बताया कि दो युवकों ने एटीएम मशीन को लोहे की रॉड से तोड़ने की कोशिश की। इसके बाद कैश निकालने के लिए लॉकर तोड़ने का प्रयास किया। एक सप्ताह पहले भी एटीएम का लॉकर तोड़ कर चोरी का प्रयास किया था। उसने तहरीर कोतवाली में दी है। कोतवाल श्याम कुमार पाल ने बताया कि एटीएम का लॉकर तोड़ने का प्रयास किया गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

झाडू लगाकर स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

रायबरेली। स्वच्छता पखवाड़ा के तहत विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से रविवार को कई जगह साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इसके पहले जीआईसी से अस्पताल चौराहे तक एनसीसी कैडेट्स और स्वयंसेवकों ने रैली निकाली और लोगों को सफाई के लिए प्रेरित किया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने झाड़ू भी लगाई। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता ही जीवन है का नारा दिया गया। स्वयंसेवकों ने 'जिला विधिक ने ठाना है रायबरेली को स्वच्छ बनाना है' जैसे नारे लगाए। राजकीय इंटर कॉलेज के सभागार में आयोजित स्वच्छता जागरूकता शिविर में अपर जनपद न्यायाधीश उमाशंकर कहार ने स्वच्छता के बारे में जानकारी दी। शिविर में प्रधानाचार्य रत्नेश कुमार, प्रत्युष श्रीवास्तव, पवन श्रीवास्तव, अमिता, पूनम, खुशबू भारती, पुनीत श्रीवास्तव, अभिषेक भारद्वाज, नरेंद्र श्रीवास्तव, विकास कुमार, मनोज प्रजापति आदि मौजूद थे।

जहां मार्ग है, उसे भी नहीं मानी सड़क

बर्डपुर। प्रभावित क्षेत्र के किसानों ने रविवार शाम गनवरिया स्तूप के पास बैठक कर सर्किल रेट के मुद्दे पर चर्चा की। हकीकुल्लाह ने कहा कि अलीगढ़वा से पूर्व ठकुरापुर होते हुए पक्षिम ठकुरापुर तक सड़क बनी है। यह पक्की सड़क है। इसी सड़क से एक मार्ग निकला है, जो गनवरिया तक जाता है। छह मीटर का रास्ता है। लोग इसी रास्ते से आते-जाते हैं। किसी सरकारी योजना से इसे पक्की सड़क बनाने का कार्य नहीं हुआ है। सिकंदर ने कहा कि ठकुरापुर से निकलकर गनवरिया तक जाने वाली सड़क में दो स्थानों पर पुलिया भी बनी है। शासन-प्रशासन ने विकास नहीं किया तो हम लोगों का नुकसान क्यों हो रहा है। इस मार्ग के किनारे का रेट निर्धारण सड़क के अनुसार होना चाहिए।

सूर्यप्रकाश अध्यक्ष व राजेश बने प्रबंधक

सिद्धार्थनगर। खेसरहा ब्लॉक क्षेत्र के तपनाथ सरस्वती इंटर कॉलेज धमौरा की प्रबंध समिति का चुनाव रविवार को पर्यवेक्षक राम नवल की देखरेख में संपन्न हुआ। इसमें सर्वसम्मति से विद्यालय का अध्यक्ष सूर्यप्रकाश मिश्र व प्रबंधक राजेश शंकर मिश्र को चुना गया। जानकारी के अनुसार, विद्यालय परिसर में बैठक प्रेक्षक राजकीय इंटर कॉलेज के प्राचार्य राम नवल की देखरेख में कराई गई। इसमें अध्यक्ष व प्रबंधक ओम प्रकाश मिश्र, सुषमा मिश्रा, रामशरण जायसवाल, डॉ. चंद्र प्रकाश पांडेय, कुमुद, उषा, अली हसनैन जाफरी, चंद्रिका चौधरी आदि मौजूद रहे।

तीन करोड़ से बनी सड़क, छह माह में ध्वस्त

रायबरेली। ब्लॉक क्षेत्र में तीन करोड़ रुपये से बनी सड़क छह महीने में ध्वस्त हो गई। बारिश में पटरियां बह गईं। सड़क जगह-जगह धंस गई। एक जगह 10 फीट तक धंसी सड़क को खोदकर पाइप डालकर मिट्टी भर दी गई। सड़क का डामरीकरण नहीं कराया गया। सड़क निर्माण की जांच कराने के बजाय अधिकारी मामले को दबाने में जुटे हैं। सेहत के ग्राम महिलहा से रेवरी सैदपुर तक करीब साढ़े तीन किलोमीटर सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग ने मार्च 2023 में कराया था। इसे बनाने पर करीब तीन करोड़ रुपये खर्च किए गए। इस मार्ग पर पहले खड़ंजा लगा था। आवागमन में लोगों को हो रही दिक्कत को देखते हुए पक्की सड़क का निर्माण कराया गया। निर्माण के कुछ समय बाद ही सड़क की गिट्टियां उखड़ने लगीं। पिछले दिनों हुई बारिश में सड़क जगह-जगह धंस गई। इससे सड़क पर वाहनों का आवागमन मुश्किल हो गया। सड़क से गोडियन का पुरवा, रेवरी सैदपुर, महिलहा, सकरा, तिवारीपुर, पूरे करामत, पूरे गौतमन, ढोलबजा समेत 15 गांव के हजारों लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। चार पहिया वाहनों को आठ किलोमीटर घूमकर निकलना पड़ रहा है। इसकी शिकायत मिलने पर लोक निर्माण विभाग ने 10 फीट की दूरी में धंसी सड़क की जगह पाइप डालकर ऊपर से मिट्टी पाट दी। उस स्थान पर सड़क नहीं बनवाई।

डेंगू पीड़ित बीए की छात्रा समेत तीन की मौत

संभल। जिले में बुखार का प्रकोप है। असमोली ब्लॉक क्षेत्र के गांव देहरी जग्गू लक्ष्मी कुमारी (18) पुत्री खेम सिंह की डेंगू से मौत हो गई। जबकि गांव शफातनगर में बुखार से जायदा (48) पत्नी शाकिर अली की मौत हो गई। इन गांवों समेत सलखना में टाइफाइड, मलेरिया के साथ डेंगू पैर पसार रहा है पर जिम्मेदार शिविर लगवाकर दवा देने की बात कहकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं। जबकि गांव में डेंगू मिलने पर प्रधान को जिम्मेदार ठहराया है। कार्रवाई का भी प्रावधान है। देहरी जग्गू निवासी खेम सिंह की बेटी लक्ष्मी की मौत से परिवार के लोग गमजदा हैं। पिता खेम सिंह ने बताया कि बेटी बीए द्वितीय वर्ष में थी। एक सप्ताह पहले बुखार आने पर उसे मुरादाबाद के निजी अस्पताल में ले गए थे। यहीं पर हुई जांच में उसे डेंगू की पुष्टि हुई। इसके बाद पाकबड़ा स्थित टीएमयू अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शनिवार की रात तीन बजे करीब उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। मां गंगा देई का रो रोकर बुरा हाल हो गया।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में फिलहाल 30 से 40 ग्रामीण बुखार से अब भी जूझ रहे हैं। उधर, गांव शफातनगर में जायदा के पति शाकिर अली ने बताया कि दो दिन पहले बुखार आया था तो पहले गांव में ही दवा दिलाई। हालत बिगड़ी तो मुरादाबाद ले गए। जहां मौत हो गई। इसी गांव में मुन्ना खां के परिवार में छह लोग डेंगू से पीड़ित हैं। उनके बेटे सलीम जावेद की बेटी रिदा फात्मा को डेंगू है। संभल के निजी अस्पताल में भर्ती है। सलीम जावेद ने बताया कि जांच कराने पर डेंगू की पुष्टि हुई थी। अब उपचार चल रहा है। बताया कि भतीजे नसर अहमद को भी डेंगू है। वहीं, भाई बहन तारा बी और नदीम अहमद भी डेंगू से पीड़ित हैं। महमूदपुर माफी में उपचार करा रहे हैं। गांव की राशन डीलर मोनिका भी टाइफाइड से पीड़ित हैं। गांव में ही अपना उपचार करा रही हैं। वहीं, गांव के ही मोहम्मद शान, प्रेमशंकर, किरनपाल, अक्षर पाल भी टाइफाइड से पीड़ित हैं। संभल ब्लॉक क्षेत्र के गांव सलखना निवासी अतुल ने बताया कि मेरे पिता महेंद्र सिंह और बहन निशा को डेंगू है।

इसी गांव के छोटे के चार बच्चे डेंगू से पीड़ित हैं। एक बेटी प्रियांशी की बुखार से कुछ दिन पहले मौत हो चुकी है। परिवार में सभी लोग बीमार होने से डर का माहौल है। गांव कुतुबपुर सक्ता में ममता (38) पत्नी देवेंद्र की बुखार से मौत हो गई। देवेंद्र ने बताया कि तीन दिन पहले बुखार आया था। गांव में ही दिखाया। रविवार की सुबह में तबीयत ज्यादा खराब हुई है तो सैदनगली ले गए। वहां पर उपचार के दौरान मौत हो गई।

युवती को ले जाने वाले युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

मुरादाबाद। बनियाठेर पुलिस ने युवती को बहला फुसला कर ले जाने वाले आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। युवती अपने साथ 50 हजार की नकदी व जेवर भी ले गई है। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस तलाश में जुट गई है। बनियाठेर थाना क्षेत्र के गांव निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस में तहरीर दी और बताया कि छह अक्तूबर की रात युवक अनिल का मोबाइल उसके घर में चार्जिंग पर लगा था। रात तीन बजे करीब वह जागा तो देखा कि उसकी बेटी गायब थी। मोबाइल भी वहां नहीं था। इसके बाद पीड़ित ने आरोपी युवक अनिल के मोबाइल पर फोन किया, तो वह बंद था। घर जाकर देखा तो युवक घर पर नहीं मिला। सुबह पीड़ित बनियाठेर थाने पहुंचा और पुलिस को तहरीर दी। आरोप लगाया कि युवक उसकी बेटी को बहला फुसलाकर ले गया है। उसकी बेटी घर से पचास हजार रुपये और आभूषण ले गई है।

102 मरीजों का हुआ इलाज, पांच को किया रेफर

सिद्धार्थनगर। भनवापुर ब्लॉक क्षेत्र में रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। सीएचसी सिरसिया के साथ ही पीएचसी तरहर व बिजौरा में आयोजित मेला में कुल 102 मरीजों का इलाज किया गया।

वहीं, पांच मरीजों को जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया। सीएचसी सिरसिया में अधीक्षक डॉ. शैलेंद्र मणि ओझा ने आयुष्मान भव कार्यक्रम के तहत लगे स्वस्थ मेले में आए खांसी, बुखार, जुकाम, फंगल इंफेक्शन के साथ ही वायरल फीवर के 22 मरीजों का जांच कर दवाएं दीं। पीएचसी तरहर में डॉ. बीके सिंह ने बताया कि इस समय, मलेरिया, टाइफाइड, वायरल फीवर के साथ ही बरसाती फोड़ा, फुंसी व फंगल इन्फेक्शन के मरीज हैं। तरहर में 28 मरीजों को कफ जांच कर आवश्यक दवाएं दी गईं। वहीं, एक मरीज को जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया। बगल में स्थित राजकीय आयुर्वेद अस्पताल में डॉ. अनुराग मिश्र ने 22 मरीजों में आवश्यकतानुसार अर्जुनारिष्ट, अर्श कुठार रस, अविपत्तिकर, त्रिफला, द्राक्षासव, अश्वगंधा चूर्ण आदि का वितरण किया।

पीएचसी बिजौरा में डॉ. हनुमंत लाल मिश्र ने क्षेत्र के 28 मरीजों का इलाज कर जरूरी दवाएं देने के साथ हड्डी से संबंधित दो मरीजों को रेफर किया। इस दौरान प्रिंस पांडेय, लल्ला प्रसाद, रवींद्र कुमार, अश्वनी अग्रहरि, मनोज कुमार मिश्र, अंबुज श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

कार व दस लाख रुपए न मिलने पर रिश्ता तोड़ा

प्रतापगढ़। पुराना कुंडा निवासी नूरजहां ने आरोप लगाया है कि शादी में दस लाख रुपये नगद और कार देने से इन्कार करने पर लड़के वालों से उनकी बेटी से तय रिश्ता तोड़ दिया। जबकि मंगनी हो चुकी थी। उन्होंने कोतवाली में तहरीर दी है।

नूरजहां का कहना है कि उसकी बेटी की शादी महेशगंज थाना क्षेत्र के हीरागंज निवासी रियाज अली के साथ तय हुई। 8 सितंबर को मंगनी हुई, जिसमें उसने अपनी हैसियत के मुताबिक खान-पान की व्यवस्था व सभी को उपहार दिया। मंगनी के दिन ही लड़के वालों ने 8 अक्टूबर को शादी की तारीख तय की। बेटी की शादी के लिए सामान की खरीदारी व अन्य व्यवस्थाएं कर ली गईं। दो दिन पहले लड़के के परिजन बिना बताए उसके घर पहुंचे और दहेज में एक कार व दस लाख रुपए नगद की मांग करने लगें। महिला ने जब इतनी बड़ी दहेज की रकम देने से इन्कार किया तो लड़के वालों ने शादी से इन्कार कर दिया। नूरजहां ने दहेज के लिए रिश्ता तोड़ने पर लड़के व उसके परिजनों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाल कमलेश पाल ने बताया तहरीर मिली है जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

संपादित- 17 नए ट्रांसफार्मर लगाएंगे, मांगे पांच करोड़

प्रतापगढ़। घनी बस्तियों में लगे बड़े ट्रांसफार्मर ओवरलोड हैं। लोड कम करने के लिए कटआउट पोल के सहारे 150 और 250 केवीए के विभाग ने 17 नए ट्रांसफार्मर लगाने का प्रस्ताव पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम वाराणसी को भेजा गया है। इसके लिए पांच करोड़ रुपये मांगे हैं। इससे लोकल फॉल्ट दूर करने में भी आसानी होगी। शहर के चार उपकेंद्र के 25 मोहल्ले में 440 के 15 और 250 केवीए के 65 ट्रांसफार्मर लगे हैं। दहिलामऊ, रूपापुर, कादीपुर, बाबागंज उपकेंद्र पर प्रत्येक माह 20 हजार यूनिट तक बिजली का खर्च है। दुकान, बाजार, स्कूली संस्था, अन्य उद्योग के अधिभार की वजह से शहर के अलग-अलग प्वाइंट पर पहले से लगे 440 केवीए के 15 जबकि 250 केवीए की क्षमता के 65 ट्रांसफार्मर ओवरलोड हैं। अब विद्युत विभाग के अधिकारियों ने नगर निगम की तर्ज पर 100 मकान की बस्ती के पास 150 केवीए की क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाकर कटआउट पोल लगाने की तैयारी की है। इससे लोकल फॉल्ट के दौरान स्थानीय उपकेंद्र से शटडाउन नहीं लेना पड़ेगा। 250 मकान की बस्ती वाले मोहल्ले में 440 व 250 केवीए की क्षमता का ट्रांसफार्मर रखा जाएगा। कुल मिलाकर नए प्रस्ताव में अधिकांश प्वाइंट पर 150 केवीए की क्षमता का ट्रांसफार्म अधिक लगेगा, जबकि कुछ प्वाइंट पर 440 को हटाकर 250 केवीए की क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाया जाएगा। नए प्रस्ताव के लिए विभाग की ओर से पांच करोड़ रुपए के करीब बजट का अनुमोदन करने की मांग की गई है।

ज्यादा लोड वाले ट्रांसफार्मर

नगर क्षेत्र में सगरा कांशीराम कॉलोनी, अष्टभुजा नगर, शुकूलपुर, पूरे ईश्वरनाथ, पूरे केशवराय, करनपुर, रोडवेज बस स्टैंड, स्टेडियम गली, आवास विकास कॉलोनी, दहिलामऊ नार्थ, भुलियापुर, सियाराम कॉलोनी, जोगापुर, कांशीराम कॉलोनी, सरोज चौराहा, देवकली, स्टेशन रोड, तहसील सदर रोड, स्टेशन रोड, महुली मंडी रोड, चिलबिला स्टेशन रोड के पास लगे 250 केवीए की क्षमता के ट्रांसफार्मर लोड से हाफ रहे हैं। डीएम आवास रोड, एसपी कार्यालय गेट, भंगवाचुंगी, चौक, पुलिस लाइन तिराहा के पास लगा 440 केवीए की क्षमता का ट्रांसफार्मर पर ज्यादा लोड है।

इन प्वाइंट पर नए ट्रांसफार्मर लगाने की तैयारी

150 केवीए की क्षमता का नया ट्रांसफार्मर सगरा कांशीराम कालोनी में 2, मीराभवन में 1, अष्टभुजा नगर में 1, दहिलामऊ नार्थ में 1, सदर तहसील के पास 1, पल्टन बाजार गली में 1, महुली में 1, अचलपुर में 1, स्टेशन रोड पर 1, विवेक नगर में 1, भुलियापुर में 1, चिलबिला के दो वार्ड में 2 लगाने की तैयारी है, जबकि कुल तीन नए प्वाइंट पर 250 केवीए की क्षमता का ट्रांसफार्मर लगेगा। पुराने ट्रांसफार्मर प्वाइंट पर कुछ बदलाव करने की तैयारी है।

आरओ/एआरओ के 441 पदों पर होगी भर्ती, आवेदन नौ अक्तूबर से, दो साल बाद आई भर्ती

प्रतापगढ़ । ऑनलाइन माध्यम से परीक्षा शुल्क बैंक में जमा करने की अंतिम तिथि और ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि नौ नवंबर 2023 निर्धारित की गई है। कुछ दिनों पहले ही आयोग ने सूचना जारी की थी कि आरओ/एआरओ के 181 पदों पर भर्ती के लिए अक्तूबर के पहले सप्ताह में विज्ञापन प्रस्तावित है, लेकिन आयोग की ओर से जारी संक्षिप्त विज्ञापन में पदों की संख्या बढ़कर 411 हो गई है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) के 411 पदों पर भर्ती करने जा रहा है। इसके लिए नौ अक्तूबर से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।आयोग दो साल बाद यह भर्ती करने जा रहा है। इससे पूर्व वर्ष 2021 में इस भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया था, जिसके तहत 350 पदों पर अभ्यर्थियों को चयनित घोषित किया गया था। वर्ष 2022 में इस भर्ती का कोई विज्ञापन नहीं आया। आयोग सोमवार को आरओ/एआरओ परीक्षा-2023 का विस्तृत विज्ञापन जारी कर देगा। भर्ती के लिए 21 से 40 वर्ष आयु वर्ग के अभ्यर्थी ही आवेदन कर सकेंगे। ऑनलाइन माध्यम से परीक्षा शुल्क बैंक में जमा करने की अंतिम तिथि और ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि नौ नवंबर 2023 निर्धारित की गई है। कुछ दिनों पहले ही आयोग ने सूचना जारी की थी कि आरओ/एआरओ के 181 पदों पर भर्ती के लिए अक्तूबर के पहले सप्ताह में विज्ञापन प्रस्तावित है, लेकिन आयोग की ओर से जारी संक्षिप्त विज्ञापन में पदों की संख्या बढ़कर 411 हो गई है। पदों की संख्या बढ़ने से अभ्यर्थियों के लिए अवसर भी बढ़ गए हैं। हालांकि, आयोग ने अपनी सभी परीक्षाओं में ऑनलाइन आवेदन के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) की प्रक्रिया अनिवार्य कर दी है। आरओ/एआरओ भर्ती के लिए लाखों की संख्या में अभ्यर्थी आवेदन करते हैं, लेकिन ओटीआर कराने वाले अभ्यर्थियों की संख्या अभी कम है। ऐसे में ओटीआर न कराने वाले कई अभ्यर्थी इस भर्ती के आवेदन से वंचित भी हो सकते है। आयोग के सचिव के अनुसार अभ्यर्थियों को आवेदन करने से पूर्व ओटीआर नंबर प्राप्त करना अनिवार्य है।

परीक्षा से संबंधित ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया, शुल्क जमा करने की प्रक्रिया, जाति प्रमाणपत्रों का प्रोफार्मा, प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा के विषय और पाठ्यक्रम, परीक्षा केंद्रों के जिलों के नाम, आरक्षण एवं आयु सीमा में छूट के संबंध में निर्धारित महत्वपूर्ण निर्देश आदि सोमवार को जारी होने वाले विस्तृत विज्ञापन में उपलब्ध रहेंगे।

गीदड़ के हमले में एक महिला समेत छह लोग घायल

मुरादाबाद। असमोली थाना क्षेत्र के गांव ड्योढ़ी के जंगल में गीदड़ों ने खेत पर गए किसानों पर हमला कर दिया। इसमें महिला अनीसा समेत छह लोग घायल हो गए। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला की हालत गंभीर है। उसे मढ़न गांव के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुक्रवार की सुबह साढ़े नौ बजे करीब गांव ड्योढ़ी निवासी अनीसा खातून पत्नी कमरुद्दीन अपने घर से गोबर पाथने के लिए गई थीं। इसी दौरान अचानक गन्ने के खेत में से निकले गीदड़ ने उन पर हमला कर दिया। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। आसपास के खेतों में काम कर रहे किसानों ने शोर मचाया तो गीदड़ भाग गया। इसके बाद खेत से चारा लेने के लिए गए सुनील कुमार पुत्र जसवंत पर भी हमला कर दिया। शोर मचाने पर गीदड़ भाग गया। गीदड़ ने तीसरा हमला खेत पर जाते समय नवीजान पुत्र जमील पर कर दिया। जिससे वह घायल हो गया। चौथा हमला खेत में काम करते समय बृजेंद्र सिंह पुत्र रामपाल सिंह, ऋषिपाल सिंह पुत्र अंतराम सिंह व नौवत सिंह पर किया।

मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाने के लिए एक माह से भटक रही मृतक की पत्नी व बेटी

चंदौसी। बिहार निवासी व्यक्ति तीन साल से अपनी बेटी के पास फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव गंगोली में रहा था। वापस बिहार जाते समय मझोला रेलवे स्टेशन पर बेहोशी की हालत में मिला था। सीएचसी चंदौसी में उसे मृत घोषित किया था। पुलिस ने पोस्टमार्टम भी कराया था। अब एक माह से मृतक की पत्नी व बेटी मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए भटक रही है। पंचायत सचिव व अस्पताल मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बना रहे हैं, दोनों एक दूसरे पर टाल रहे हैं। बिहार प्रदेश के गांव उलार भरतपुर निवासी भीमसैन बीते तीन साल से फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव गंगोली में अपनी बेटी पूनम पत्नी राकेश के घर रहते थे। परिजनों के अनुसार भीमसैन तीन सितंबर को अपने गांव उलार जाने के लिए घर से निकले थे। चार सितंबर को उनकी बेटी को जानकारी मिली, कि वह मझोला स्टेशन पर बेहोशी की हालत में मिले हैं। उनको उपचार के लिए चंदौसी के अस्पताल में लाया गया है। जब तक परिजन अस्पताल पहुंचे, भीमसैन की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद मृतक का गंगोली गांव में अंतिम संस्कार कर दिया गया था। उसके बाद से परिवार वाले मृतक का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए कभी अस्पताल तो कभी ब्लॉक के चक्कर काट रहे हैं। परिजनों का कहना है कि अस्पताल वाले कहते हैं कि पंचायत सचिव मृत्यु प्रमाण बनाएंगे।

वहीं जब सचिव के पास जाओ तो वह कहते हैं कि जिस स्थान पर मौत हुई है, वहां ही मृत्यु प्रमाण पत्र बनेगा। इतना ही नहीं जब वह ब्लॉक पहुंचा तो कहा गया कि जिस स्थान पर अंतिम संस्कार किया गया। उस गांव का सचिव ही प्रमाणपत्र बनाएगा। करीब एक माह का समय बीत चुका है। पीड़ित परिवार लगातार अधिकारियों के चक्कर लगाकर थक चुका है, लेकिन उसकी कहीं सुनवाई नहीं हुई।

जमीन मिली, 70 करोड़ से सुधरेगी पीने के पानी की व्यवस्था

सिद्धार्थनगर। नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर में 70 करोड़ रुपये से पीने के पानी की व्यवस्था बदली जाएगी। वार्डों में जमीन मिल गई है और सर्वे का कार्य भी पूरा हो गया है। शहरी निगम की ओर से सभी कार्यों की डीपीआर बनाने का काम शुरू हो गया है। जल्द ही शासन को डीपीआर भेजी जाएगी। इसकी स्वीकृति के बाद कार्य शुरू हो जाएगा। नगर पालिका परिषद ने जमीन उपलब्ध करा दी है। इससे जल निगम का कार्य शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। शुरुआती दौर में जमीन मिलने में देर हुई। इस कारण इस प्रोजेक्ट को शुरू होने में देर हुई थी। जल निगम ने 55 करोड़ रुपये का प्रस्ताव बनाया है, जबकि अनुमान है कि इस कार्य में 70 करोड़ रुपये की डीपीआर बनेगी। पाइप की मियाद करीब 30 साल होती है। जल निगम के अधिशासी अभियंता रेहान फारूखी ने बताया कि शहर की पीने के पानी की आपूर्ति बेहतर करने के लिए 14 जोन में बांटा गया है। इसमें नगर पालिका विस्तारित क्षेत्र के नए वार्डों में भी घर-घर शुद्ध पानी की आपूर्ति होगी। छह जोन में पहले से पानी टंकी है जबकि आठ जोन में पानी टंकी बनाई जानी है। इस प्रोजेक्ट में 22 ट्यूबवेल बनेंगे, जबकि 190 किमी पाइपलाइन डाली जाएगी। एक सप्ताह के अंदर डीपीआर बनाने का कार्य पूरा हो जाएगा।

देर शाम हुई मरम्मत

शहर में पाइप फटने के कारण शनिवार को पांच वार्डों में आपूर्ति बाधित हो गई थी। शाम को पाइप की मरम्मत हुई तो घरों में पानी पहुंचा। इस कारण करीब 30 हजार आबादी को पानी के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसके पहले ऑफिसर्स कॉलोनी में पाइप फटने के कारण चार वार्डों में पानी की किल्लत हुई थी।

आवारा कुत्तों ने पांच मासूमों को नोंचा, एक रेफर

सहारनपुर। आवारा कुत्तों ने पांच मासूम बच्चों को काटकर घायल कर दिया। घायलों को उपचार के लिए सीएचसी ले जाया गया। वहां से गंभीर हालत के चलते एक बच्चे को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मोहल्ला गुलाम औलिया निवासी अबूजर (6) पुत्र हसीन, उमैर (5) पुत्र शफीक, उजैर (6) पुत्र मोहसीन और मिसबाह (5) पुत्री इरशाद एवं मोहल्ला गुजरान निवासी अयान (6) पुत्र आरिफ रविवार शाम अपने अपने घर के बाहर खेल रहे थे। अभी आवारा कुत्तों ने उन्हें काटकर घायल कर दिया। उनकी चीखें सुनकर आस पास मौजूद लोगों ने उन्हें कुत्तों से बचाया। सभी बच्चों को सीएचसी ले जाया गया। सीएचसी प्रभारी डा. रोहित वालिया ने बताया कि अयान को गंभीर हालत के चलते जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया जबकि अन्य को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

बंद है रोडवेज बस, डग्गामार वाहनों के भरोसे 50 गांव

सहारनपुर। सहारनपुर के नौगजा पीर-कुरड़ी खेड़ा वाया मुजफ्फराबाद सड़क मार्ग से जुड़े 50 से ज्यादा गांवों में बस सेवा उपलब्ध नहीं है।

इस मार्ग पर सुबह शाम जगाधरी तक चलने वाली रोडवेज बस सेवा जहां कोरोना काल से पहले बंद हो गई थी, वहीं पिछले आठ साल से प्राइवेट बसों का संचालन भी रूट पर बंद पड़ा है। ऐसे में ग्रामीणों को अपनी मंजिल तक पहुंचने में मजबूरी में डग्गामार वाहनों का सहारा लेना पड़ता है। नौगजा पीर से शुरु होने वाला यह सड़क मार्ग पर छजपुरा, तिवाया निवादा, घड़कोली, संभलहेड़ी, बढेड़ी घोघु, रामखेड़ी, सरदाहेड़ी, जीवाला, गदरहेड़ी, माजरी, मुजफ्फराबाद, मुजाहिदपुर, शेखुपुर, जानीपुर, अब्दुल्लापुर, कुरड़ीखेड़ा के बीच से होकर गुजरता है। मुजफ्फराबाद ब्लॉक मुख्यालय को जोड़ने के साथ ही बेहट और सदर तहसील के गांवों को जिला मुख्यालय से भी यह मार्ग सीधे जोड़ता है। क्षेत्र की राजपूत बेल्ट के गांवों की ज्यादातर रिश्तेदारियां हरियाणा में होने के कारण चार साल पहले तक इस मार्ग पर सुबह और शाम के वक्त रोडवेज दो दो बस सेवा माजरी से जगाधरी तक चलती थी जिन्हे कोरोना काल में बंद कर दिया गया था। उसके बाद इस मार्ग पर बसों का संचालन नहीं हो सका। यात्रियों को सहारनपुर जाने के लिए टेंपों का सहारा लेना पड़ता है। रामखेड़ी के विरेंद्र सिंह, जानीपुर के अश्वनी कांबोज, मुजफ्फराबाद के योगेश धीमान, गदरहेड़ी के अर्जुन राणा आदि ने इस मार्ग पर बसों का संचालन शुरु कराने की मांग की है।

- गांव सरदाहेड़ी निवासी सत्यपाल सिंह का कहना है कि बड़ी संख्या में लोग इस मार्ग से सफर करते हैं। ऐसे में इस पर बसों का संचालन बेहद जरुरी है। उन्हे सहारनपुर जाने के लिए वाया छुटमलपुर होकर जाना पड़ता है। इसमें समय और धन दोनो की बर्बादी होती है।

- इस मार्ग पर अपनी बस संचालित कर चुके ट्रांसपोर्टर अकबर अली का कहना है कि डग्गामार वाहनों के संचालकों की दबंगई के चलते उन्हे मजबूरी में मार्ग पर बसों का संचालन बंद करना पड़ा था। उन्होंने बताया कि इस मार्ग पर 52 बसों के परमिट परिवहन विभाग द्वारा जारी किए गए हैं।

- डीसीएसएम इंटर कॉलेज रामखेड़ी के प्रबंधक ऋषिपाल सैनी का कहना है कि बड़ी संख्या में बच्चों को डग्गामार वाहनों से आना पड़ता है। यदि इस मार्ग पर बसों का संचालन हो जाए तो स्कूली छात्र-छात्राओं को काफी सहूलियत हो जाएगी।

- बढेड़ी घोघु निवासी स्वास्थ्यकर्मी नीरज राणा का कहना है कि वे सहारनपुर मुख्यालय पर तैनात हैं। गांव से जाने के लिए टेंपो के अलावा कोई साधन नहीं मिलता है। बरसात और सर्दी में बाइक पर जाने में काफी परेशानी होती है। यदि बसों का संचालन शुरु हो जाएगा तो लोगों को काफी राहत मिलेगी।

चार साल से थी आस, एक निर्णय ने कर दिया निराश

सहारनपुर। स्मार्ट सिटी योजना के तहत एबीडी (एरिया बेस्ट डवलेपमेंट) में शामिल वार्डों की जनता और पार्षद चार साल से स्मार्ट सिटी योजना के तहत विकास की आस कर रहे थे, लेकिन एबीडी का कांसेप्ट खत्म कर दिए जाने से उन्हें निराशा हाथ लगी है। योजना के तहत पूर्व से संचालित 102 परियोजनाओं के अलावा कोई परियोजना शामिल नहीं होनी है। ऐसे में उन्हें आगे कोई उम्मीद भी स्मार्ट सिटी योजना से नहीं रह गई है। स्मार्ट सिटी योजना में सहारनपुर का चयन वर्ष 2019 में हुआ था। उस समय महानगर के 21 वार्डो जो कि पुराने शहर का क्षेत्र हैं, को एबीडी में शामिल किया गया था।

शुरू में भी उक्त वार्डों को लेकर कुछ आपत्ति जताई गई थी, क्योंकि कई वार्ड ऐसे हैं, जिनकी गलियां काफी संकुचित हैं और वहां सीवर आदि का कार्य या अन्य विकास करना मुश्किल था। लेकिन तत्कालीन अधिकारियों ने 21 वार्डों को एबीडी में शामिल किया था। तब से उक्त वार्डों में नगर निगम द्वारा विकास कार्य इसलिए नहीं कराए गए, क्योंकि वहां स्मार्ट सिटी योजना के तहत विकास होना है।

विभिन्न समस्याओं को लेकर संबंधित वार्डों के पार्षद और जनता अधिकारियों से मिलती रही, लेकिन उन्हें हर बार यह कहकर लौटा दिया जाता था कि उनके क्षेत्र में स्मार्ट सिटी योजना के तहत कार्य होगा। लेकिन अब जबकि स्मार्ट सिटी योजना की ज्यादातर परियोजनाएं मार्च-अप्रैल 2024 तक पूर्ण हो रही हैं तो एबीडी के कांसेप्ट को खत्म कर दिया गया है। हालांकि एबीडी में रखे गए कई वार्डों में सीवर लाइन आदि डाली जा चुकी है, लेकिन कई वार्ड अधूरे ही रह गए हैं। इससे संबंधित पार्षद परेशान हैं। उनका कहना है कि बीते चार साल में उनके क्षेत्र को स्मार्ट सिटी में कोई लाभ नहीं मिला है।

- पार्षदों की पीड़ा

- पार्षद प्रतिनिधि सईद सिद्दीकी ने बताया कि उनके वार्ड में महानगर का खास क्षेत्र आता है, जिसमें अरबी मदरसा भी शामिल है। उन्होंने बताया कि बीते चार साल से वह विकास कार्यों के लिए भटक रहे हैं। उनको यह कहकर लौटा दिया जाता है कि उनका वार्ड एबीडी में है और स्मार्ट सिटी योजना से ही कार्य होगा। लेकिन अब उनके वार्ड को एबीडी से भी बाहर कर दिया गया है।

- वार्ड 30 के पार्षद नीरज शर्मा ने बताया कि बीते चार साल में उनके वार्ड में स्मार्ट सिटी योजना से कोई खास काम नहीं हुआ है। पार्क विकसित किया गया था, जिसमें घास उगी है और गंदगी फैली है। स्मार्ट सिटी का कुछ कार्य ठेकेदार बीच ही में छोड़कर चला गया है, जिससे और परेशानी हो रही है।

- वार्ड 22 के पार्षद सुखवीर वर्मा ने बताया कि उनके वार्ड की एक गली में सीवर लाइन डाली गई है। बाकी गलियों में लाइन डालने से मना कर दिया गया है, जबकि पूरे वार्ड में सीवर लाइन डालने की जरूरत है। इस संबंध में कई महीने पहले महापौर को पत्र दिया गया था। फिर से मांग की गई है।

- स्मार्ट सिटी योजना के तहत 21 वार्डो को एबीडी में शामिल किया गया था, लेकिन अब एबीडी के कांसेप्ट को खत्म कर दिया गया है। योजना के तहत कुल 102 परियोजनाएं हैं, जिनमें से 26 पूर्ण हो चुकीं हैं। शेष परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है। कोई नई परियोजना इसमें शामिल नहीं होनी है। - अमरेंद्र गौतम, अधिशासी अभियंता, स्मार्ट सिटी सहारनपुर।

ट्रक ने स्कूटी में मारी टक्कर, पहिये में फंसकर युवक की मौत

सहारनपुर। कोतवाली सदर बाजार क्षेत्र में विश्वकर्मा चौक के निकट स्कूटी सवार युवक को ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक के पहिये में फंसकर युवक की मौत हो गई। मौके पर पहुंचकर पुलिस चालक को ट्रक सहित पकड़ लिया। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। कोतवाली सदर बाजार के इंस्पेक्टर ने बताया कि साकेत कॉलोनी निवासी मधु कपूर की तबीयत खराब थी। शनिवार की देर रात उन्होंने अपने पुत्र विक्की कपूर (35) को जिला अस्पताल में दवाई लेने के लिए भेजा था। रात 12 बजे विक्की स्कूटी से जिला अस्पताल से दवाई लेकर लौट रहा था। वह जब विश्वकर्मा चौक के निकट पहुंचा तो एक ट्रक ने स्कूटी में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद युवक ट्रक के पहिये में फंस गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जिला अस्पताल में उसे हायर सेंटर रेफर किया गया, जहां चंडीगढ़ पीजीआई में रविवार की सुबह उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

किसान को मृत दिखाकर जमीन बेची

रजिस्ट्रार-कानूनगो और लेखपाल के खिलाफ केस दर्ज

मुरादाबाद। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर जिस्ट्रार कानूनगो और लेखपाल समेत छह के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इसके बाद हड़कंप मचा हुआ है। अब स्थानीय अधिकारी इस मामले की जांच करने की बात कह रहे हैं। कैलादेवी थाना क्षेत्र के गांव लखनपुर निवासी किसान गंगाराम पुत्र डोरी को मृत दर्शाकर करीब पांच बीघा जमीन का फर्जी बैनामा कर दिया गया। पीड़ित को इसकी जानकारी तब हुई जब आरोपी जमीन पर कब्जा करने के लिए पहुंचे।

पीड़ित किसान ने विरोध किया तो पता चला कि उसको मृत दर्शाकर फर्जी दस्तावेज के आधार पर बैनामा करा लिया गया है। पीड़ित किसान ने संभल कोतवाली पुलिस को तहरीर दी लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद न्यायालय के आदेश पर शनिवार को रिपोर्ट दर्ज हुई है। पीड़ित किसान ने बताया कि उनकी करीब पांच बीघा जमीन है। एक महीने पहले हल्का लेखपाल के साथ एक महिला व अन्य लोग जमीन की पैमाइश करने के लिए पहुंचे थे। जब उन्हें महिला ने बताया कि यह जमीन रजपुरा थाना क्षेत्र के भेंसरोली निवासी वीरपाल पुत्र डोरी ने बेची है। पीड़ित ने बताया कि जब संभल तहसील में पहुंचकर जानकारी की तो पता चला कि हल्का लेखपाल राकेश कुमार, रजिस्ट्रार कानूनगो ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर बैनामा करा दिया है।

पीड़ित किसान को मृत दर्शाकर अन्य लोगों को भाई बनाकर बैनामा किया गया है। कोतवाली में तहरीर दी लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। न्यायालय के आदेश पर हल्का लेखपाल राकेश कुमार, रजिस्ट्रार कानूनगो अज्ञात, रजपुरा थाना क्षेत्र के गांव भेंसरोली निवासी वीरपाल, कैलादेवी थाना क्षेत्र के गांव नूरपुर ततारपुर निवासी मायादेवी, दिनेश कुमार और भजनलाल के खिलाफ धोखाधड़ी समेत कई धाराओं में रिपोर्ट दर्ज हुई है।

मोटे अनाज हमारे लिए स्वास्थ्यवर्धक- जिलाधिकारी

(सत्य प्रकाश पांडेय)
अंबेडकर नगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरुद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल करीकुलम के माध्यम से अध्यापकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कृषि वैज्ञानिकों द्वारा अलग-अलग मिलेट्स के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि श्री अन्न एक सामान्य लेवल है,जिसका उपयोग छोटे बीज वाली घासों को वर्गीकृत करने के लिए किया जाता है। जिन्हें अक्सर पोशक अनाज या ड्राइलैंड अनाज के रूप में जाना जाता है। श्री अन्न आयरन, कैल्शियम, जिंक, फाइबर, प्रोटीन, विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर पोशक का पावर हाउस है। श्री अन्न प्रोटीन का आवश्यक अमीनो एसिड प्रोफाइल,मक्का ,चावल और गेहूं जैसे विभिन्न अनाजों की तुलना में बेहतर है श्री अन्न सूखी प्रतिरोधी फसले हैं जो अन्य पारंपरिक फसलों की तुलना में आधे समय में पक सकती हैं वे कम इनपुट लागत की भी मांग करते हैं। और उनमें अन्न उपज क्षमता होती है। श्री अन्न की रेसिपी बाजरा, ज्वार, रागी, सावा और कोदो के लिए कृषि विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा तैयार की गई। प्रशिक्षण के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा मिलेट्स के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए कहां कि मोटा अनाज हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक होता है इस अनाज के फायदे बारे में विद्यालय के छात्र / छात्राओं को बताया जाए जिससे ज्यादा से ज्यादा है इसका प्रचार हो सके और सभी लोग मोटे अनाज का प्रयोग करें स्वस्थ रहें बीमारी से दूर रहें। साथ ही साथ यह भी निर्देश दिया गया कि कि मोटे अनाज को एमडीएम में शामिल किया जाए तथा लोगों से अपील किया गया कि सभी लोग अपने भोजन में मोटे अनाज को शामिल करें। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारी और अध्यापक द्वारा मोटे अनाज के बारे में अपने अनुभव शेयर किए गए। प्रशिक्षण के दौरान उपनिदेशक कृषि, परियोजना निदेशक, जिला कृषि अधिकारी ,जिला सूचना अधिकारी ,कृषि वैज्ञानिक तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

नूपुर मोदी और निशिका शाह की जोड़ी ने जीता खिताब

पुरूषों में राम-श्याम की जोड़ी ने बाजी मारी

त्रिगुट संवाददाता
गोन्डा-महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह पर अग्रवाल नवयुवक संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में रविवार को देर शाम उतरौला रोड पर स्थित नेहरू स्टेडियम में बैडमिंटन युगल (डबल्स) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महिला और पुरुष दोनों में 30 जोड़ी प्रतिभागी रहे जिसमें नूपुर मोदी और निशिका शाह की जोड़ी विनर रहीं तो रजनी केडिया और नितिका गर्ग की जोड़ी रनर रहीं।

उधर पुरुष वर्ग में राम मनोहर अग्रवाल और श्याम मनोहर अग्रवाल भाइयों की जोड़ी फिर दोबारा विनर रहीं तो प्रांशु नेवटिया और गौरव अग्रवाल की जोड़ी रनर रहीं। सभी विजयी प्रतिभागियों को 15 अक्टूबर अग्रसेन जयंती पर पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।और बाकी बचे सभी सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। यह प्रतियोगिता मारवाड़ी युवा मंच द्वारा कराया गया। जिसमें कार्यक्रम की जिम्मेदारी अमित मित्तल और अनुराग पचेरिया को दी गई इस दौरान अग्रवाल नवयुवक संघ के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, महामंत्री विकास जैन , अनिल मित्तल एवं मारवाड़ी युवा मंच के मुकेश नहरिया, अमित गर्ग ,गोपाल मित्तल , राजेश अग्रवाल,अमित अग्रवाल मोंटू, अमित मित्तल,विकास अग्रवाल,अनिकेत गोयल, हर्षित नेवटिया महिला मंडल की पूनम मित्तल,सीमा अग्रवाल, गुन्जन शाह,ज्योति मित्तल ,सरोज गर्ग,नीलम जैन सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

मिस्टर फ्रेशर जयंत व मिस फ्रेशर हर्षिता रही

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग में एम0ए0 अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं ने प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। इसमें मिस्टर फ्रेशर जयंत व मिस फ्रेशर हर्षिता चुनी गई। प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं की मनोहारी प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। जिसमें उनके द्वारा एकल सांग, ग्रुप सांग, नृत्य, कैटवॉक एवं अन्य प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो0 आशुतोष सिन्हा द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। उन्होंने अध्यक्षीय उद्बोधन में छात्रों से कहा कि अनुशासित जीवन अपनाये। निश्चित ही सफलता मिलेगी। कार्यक्रम में प्रो0 मृदुला मिश्रा ने कहा कि नई उचाईयों पर पहुचने के लिए कठिन परिश्रम करना होगा। विभाग के प्रो0 विनोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जीवन में मात्र उपाधि प्राप्त कर लेना ही उद्देश्य नहीं होना चाहिए। बल्कि समाज के विकास एवं उत्थान के लिए प्रयासरत रहना होगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ0 प्रिया कुमारी, डॉ0 अल्का श्रीवास्तव, डॉ0 सरिता सिंह, आशीष प्रजापति, दिलीप पाल, अनिल कुमार, हीरा लाल, शिवशंकर एवं बडी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रही।

अवध विवि में मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

डा0 नरेन्द्र बहादुर सिंह
अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान पाठ्यक्रम द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आधुनिक समाज में बच्चों का माता-पिता के साथ संबंध: समस्याएँ एवं समाधान विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता मानसिक एवं मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ डॉ कुँवर वैभव ने कहा कि आधुनिक समाज में बच्चों और माता-पिता के बीच दूरी बढ़ती जा रही है जो चिंता का विषय है। वर्तमान में मोबाइल ने परिवार में रहते हुए भी लोगों से दूर कर दिया है। माता पिता अपने अपने क्षेत्रों में इतने व्यस्त हो गए है कि अपने बच्चों के लिए समय नहीं निकाल पा रहे है। अभिभावकों को विशेष तौर पर इस पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने बताया कि बच्चों को माता पिता का साथ न मिलने से उनमें आक्रामकता, गैर सामाजिक शीलगुण तथा नशीले पदार्थों की ओर झुकाव बढ़ रहा है। उन्होंने सुझाव देते हुए कि हमें अपने जीवन का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। परिवार के सभी सदस्यों द्वारा एक साथ बिताए पल विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

कार्यक्रम में केएनआई के डॉ0 बजरंगी यादव ने कहा कि आज अभिभावकों को बच्चों का पालन पोषण करना जटिल बन गया है। इसके कारणों को पहचानना होगा। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख समस्याएं कठोरता एवं आक्रामक व्यवहार, भावनात्मक संबंध, बच्चों का व्यस्ततम कार्यक्रम, माता-पिता की अत्यधिक व्यस्तता, अनुवांशिक अंतर, आधुनिक समय में माता-पिता की तनावग्रस्तता सहित कई समस्याओं पर विचार किया गया और समस्याओं के समाधान का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में विभाग के समन्वयक प्रो0 अनूप कुमार द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रौढ सतत शिक्षा विभाग डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र द्वारा की गई। कार्यक्रम का संचालन गरिमा मिश्रा द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 प्रतिभा त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर डॉ0 सरिता पाठक, डॉ0 प्रतिभा, श्रीमती विनीता पटेल, शालिनी पाण्डेय, रत्नेश यादव सहित छात्र छात्राएँ मौजूद रही।

28 वें दीक्षांत समारोह में 117 स्वर्ण पदक प्रदान किए जायेंगे, 11 अक्टूबर तक मांगी गई आपत्तियां

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 28 वां दीक्षांत समारोह 29 नवम्बर को होगा। इस समारोह में प्रदान किए जाने वाले स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ता छात्र-छात्राओं की अंतिम सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। इन स्नातक, परास्नातक एवं दान स्वरूप स्वर्ण पदक प्राप्त छात्र-छात्राओं से त्रुटि एवं विसंगति के निस्तारण के सम्बन्ध में आपत्तियां मांगी गई है। उक्त आपत्तियां 11 अक्टूबर तक परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में प्राप्त की जायेगी। इसके अतिरिक्त ई-मेल के माध्यम से भी भेजी जा सकती है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक उमानाथ ने बताया कि इस दीक्षांत समारोह में कुल 117 स्वर्ण पदक प्रदान किए जायेंगे। विवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के निर्देश पर इन आपत्तियों के निस्तारण के लिए अंतिम सूची विश्वविद्यालय की अधिकारिक बेवसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक विकास खण्ड हरैया-सतघरवा में हुई सम्पन्न

त्रिगुट संवाददाता
बलरामपुर। जिलाधिकारी श्री अरविन्द सिंह के निर्देशानुसार जिला प्रोबेशन अधिकारी सतीश चन्द्र के नेतृत्व में मिशन वात्सल्य (पूर्व नाम वाल संरक्षण सेवायें) के अन्तर्गत गठित ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक विकास खण्ड हरैया-सतघरवा में सम्पन्न हुई।

श्री प्रदीप कुमार द्विवेदी, विधि सह परिवीक्षा अधिकारी /प्र0 संरक्षण अधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई बलरामपुर द्वारा ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति के निर्धारित एजेण्डा के अनुसार विस्तृत रूप जानकारी देते हुये बताया कि मिशन वात्सल्य योजना बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण पर कार्य करती है, जिसमें देख रेख एवं संरक्षण वाले बच्चों के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट बलरामपुर में स्थिति बाल कल्याण समिति तथा विधि विवादित किशोरों के सम्बन्ध में किशोर न्याय बोर्ड बलरामपुर द्वारा आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाती है, साथ ही स्पॉन्सरशिप योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से अवगत कराया गया।

बैठक के दौरान समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि योजनाओं के अन्तर्गत वंचित पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित कराये जाने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार कराये जाए। बाल विवाह के प्रकरण संज्ञान में आने पर तत्काल सम्बन्धित अधिकारियों / 1098 चाइल्ड लाइन या सम्बन्धित थाने पर सूचना दी जाए तथा शिक्षा से वंचित बच्चों को चिहिन्त कर विद्यालय प्रवेश/नामांकन कराये जाए। क्षेत्र में परित्यक्त नवजात शिशुओं के लावारिस मिलने की सूचना पर तत्काल पुलिस / बाल कल्याण समिति /जिला बाल संरक्षण इकाई/ 1098 चाइल्ड लाइन/ डायल 112 इत्यादि को सूचित किया जाये ताकि आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित हो सके।

इस मौके पर खण्ड विकास अधिकारी, हरैया-सतघरवा श्री अनूप कुमार सिंह, बाल विकास परियोजना अधिकारी हरैया-सतघरवा श्री अशोक चैहान, खण्ड शिक्षा अधिकारी हरैया सतघरवा, श्री सियाराम वर्मा, प्रतिनिधि बाल कल्याण पुलिस अधिकारी, श्री विजय कुमार यादव एस0आई0 थाना - ललिया, म0आ0 अर्चना म0 बाल कल्याण पुलिस अधिकारी थाना ललिया, श्री अनिल तिवारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, हरैया-सतघरवा (शिवपुरा), श्री राजेश कुमार, आउटरिच कार्यकर्ता, जिला बाल संरक्षण इकाई मौजूद रहे।

इब्राहिमपुर पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया

(सत्य प्रकाश पांडेय)
अम्बेडकरनगर, पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना इब्राहिमपुर जनपद अम्बेडकरनगर पर पंजीकृत अभियोग मु0अ0स0-249/23 धारा 384/323/504/506/307 भा0द0वि व 3/25 शस्त्र अधि0 से संबन्धित अभियुक्त ध्रुव कुमार पुत्र तेज बहादुर निवासी मदारपुर थाना इब्राहिमपुर जनपद अम्बेडकरगर उम्र करीब 54 वर्ष को दिनाँक 09.10.23 को समय 07.00 बजे बलरामपुर चौराहा से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया ।नाम व पता गिरफ्तार अभियुक्त ध्रुव कुमार पुत्र तेज बहादुर निवासी मदारपुर थाना इब्राहिमपुर जनपद अम्बेडकरगर। विवरण बरामदगी अभियुक्त उपरोक्तएक अदद तमन्चा 0.315 बोरएक अदद खोखा कारतूस 0.315 बोर ।गिरफ्तार करने वाले पुलिस टीम का विवरण- उ0नि0 श्री अजय कुमार सिंह थाना इब्राहिमपुर जनपद अम्बेडकरनगर मय फोर्स इस अभियान में शामिल रहे।

पोखरा में डूब कर 40 वर्षीय युवक की मौत सूचना पर पहुंची पुलिस पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया

जनक राम वर्मा
अलावल देवरिया (गोंडा)। थाना कोतवाली देहात के अंतर्गत एक गांव में पोखरा में नहाने गए 40 वर्षीय युवक की डूब कर मौत हो गई। मौत की खबर सुनकर घर परिवार वालों का रो रो कर बुरा हाल है। पुलिस चौकी सालपुर चौकी प्रभारी पवन कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को मृतक की पत्नी रीता देवी द्वारा पुलिस चौकी सालपुर पुलिस को जानकारी देते हुए बताया कि राजेश वर्मा पुत्र स्वर्गीय कुंज बिहारी वर्मा उम्र 40 वर्ष ग्राम सभा पोंडरी बाढ़म में स्थित पोखरा में नहाने गए थे। पोखर में डूब कर उनकी मृत्यु हो गई। चौकी प्रभारी पवन कुमार सिंह ने उपनिरीक्षक लाल बहादुर सिंह व हमराही सिपाहियों को घटनास्थल पर भेज कर लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा।

पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चला कर 5 वाहनों का किया ई चालान 5000 वसूले समन शुल्क

त्रिगुट संवाददाता
गोंडा। जनपद के थाना परसपुर के पुलिस चौकी पसका पुलिस ने सोमवार शाम को वाहन चेकिंग अभियान चलाकर 5 वाहनों का किया ई चालान 5000 वसूले शमन शुल्क। पुलिस चौकी पसका चौकी प्रभारी सोम प्रताप सिंह ने बताया कि चौकी क्षेत्र के पसका बाजार में सोमवार शाम को वाहन चेकिंग के दौरान 5 वाहनों का ई चालान किया गया।

उन्होंने बताया कि वाहन चालकों को सख्त दिशा निर्देश देते हुए बताया गया कि बाइक पर तीन सवारी बैठा कर बाइक न चलाएं और बाइक चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करें। बाइक चलाते समय मोबाइल से बात न करें और कान में लीड लगाकर बाइक न चलाएं कान में लीड लगाकर बाइक चलाने से आगे या पीछे से आने वाले वाहनों की आवाज सुनाई नहीं देती है जिससे दुर्घटना की समस्या बनी रहती है। यातायात नियमों का पालन करें सुरक्षित रहें।

अलीगंज पुलिस टीम द्वारा एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

(सत्य प्रकाश पांडेय)
अंबेडकरनगर ,पुलिस द्वारा अपराध व अपराधियों के विरुद्ध कृत कार्यवाही के क्रम में दिनांक 09.10.2023 को थाना अलीगंज पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत अभियोग मु0अ0सं0 182/23 धारा 363/366 भादवि व 7/8 पाक्सो एक्ट में थाना स्थानीय पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर पीडिता को दिनांक 06.10.2023 को सम्हरिया चौराहे से बरामद कर अन्य आवश्यक कार्यवाही पूर्ण की गयी तत्पश्चात मुकदमा उपरोक्त में नामजद अभियुक्त विशाल उर्फ विवेक पुत्र राम शकल निवासी आसोपुर थाना अलीगंज जनपद अम्बेडकरनगर गिरफ्तारी हेतु अभिसूचना का संकलन किया जा रहा था कि मुखबिर की सूचना पर समय करीब 9:40 बजे अभियुक्त को उसके घर ग्राम आसोपुर से पहचान सुनिश्चित कर गिरफ्तार कर थाना स्थानीय पर अग्रिम विधिक कार्यवाही पूर्ण कर जेल भेजा गया ।

पूछताछ विवरणकि वह पीडिता से मोबाइल से काफी दिनों से बात करता था। दिनांक 05.08.23 को वह पीडिता से शादी करने को लेकर बहला फुसलाकर अपने साथ दिल्ली ले गया था। वहां पर वह दोनों एक-साथ रह रहे थे। दोस्तों व रिश्तेदारों से पैसो के इंतजाम हेतु पीडिता के साथ दिनांक 06.10.23 को दिल्ली से वापस आकर सम्हरिया चौराहे पर पैसे हेतु किसी रिश्तेदार का इन्तजार कर रहा था कि पीडिता को आप लोगों द्वारा बरामद कर लिया गया । मैं लुकछिप कर इधर उधर रह रहा था व पैसो का इन्तजाम कर वापस दिल्ली जाने वाला ही था कि आप लोगों ने पकड लिया गया ।

गिरफ्तारकर्ता पुलिस टीम,उ0नि0 सुनील कुमार,का0 रामप्रवेश यादव शामिल रहे।

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत जिला अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

(सत्य प्रकाश पांडेय)
अंबेडकर नगर, जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा अपर जिलाधिकारी डॉ सदानंद गुप्ता, उप जिलाधिकारी अकबरपुर पवन कुमार जायसवाल, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ मिथिलेश त्रिपाठी, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद अकबरपुर बीना सिंह, अन्य अधिकारियों तथा अकबरपुर नगर वासियों के साथ मेरी माटी ,मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर अमृत कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा नगर पालिका अकबरपुर के सभी वार्डों में निकाली गई। इसके अतिरिक्त सभी नगर पालिकाओं/ नगर पंचायतो/ ब्लाकों पर भी कलश यात्रा निकाली गई।

आजादी का अमृत महोत्सव, योजना अंतर्गत प्रदेश में, मेरी माटी मेरा देश-अमृत कलश यात्रा ब्लॉक स्तर पर 1 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक कार्यक्रम तथा जिला मुख्यालय पर 13 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 27 अक्टूबर 2023 को प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राज्य स्तरीय कार्यक्रम अमृत वाटिका में आयोजित किया जाएगा। 30 अक्टूबर 2023 को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम वर्तमान में ग्राम पंचायत/ नगर पालिका/नगर पंचायत स्तर पर उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत अमृत कलश यात्रा एवं मुठ्ठी भर मिट्टी/ अक्षत का संग्रह किया जा रहा है ।जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधानों तथा आमजनमानस को भी इस कार्यक्रम में जोड़ने हेतु अपील की है। विद्यालयो के प्रार्थना के बाद माटी गायन, सेल्फी विद पंच प्रण, जिलेवार पुरस्कार वितरण, लक्ष्य के सापेक्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ग्राम पंचायतों/ नगर पंचायतो को पुरस्कृत करना, स्लोगन/ निबंध लेखन प्रतियोगिता, एनसीसी, एनएसएस , एन वाई के एवं स्वयं सेवी संगठनों द्वारा अमृत कलश यात्रा का कार्यक्रम किया जाय। स्कूल एवं कॉलेज में मेरी माटी मेरा देश को समर्पित विशेष सभाए आयोजित की जाएगी। छात्र और शिक्षक पंच प्रण प्रतिज्ञा लेंगे, सेल्फी अपलोड करेंगे। वीरों का सम्मान एवं अभिनंदन।

ग्राम पंचायत/नगर पालिका/नगर पंचायत स्तर के कार्यक्रमों में सिला फलकम, पंच प्रण प्रतिज्ञा और सेल्फी वसुधा बंदन, वीरों का बंदन और ध्वजारोहण और राष्ट्रीयगान शामिल है।

आरोपी को नहीं पकड़ पाई पुलिस और एसटीएफ

लखनऊ। 23 सितंबर को जयसिंहपुर सीएचसी में तैनात संविदा चिकित्सक घनश्याम तिवारी की बड़ी बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। चिकित्सक घनश्याम तिवारी की बेरहमी से हत्या करने का मुख्य आरोपी 50 हजार का इनामी अजय नारायन को पुलिस और एसटीएफ की टीमें गिरफ्तार नहीं कर सकीं। 17 वें दिन वह अपने ड्राइवर के साथ आराम से पयागीपुर चौराहे पर बस से उतरा और शान से पुलिस चौकी में जाकर सरेंडर कर दिया। उसके इस स्टाइल से अब उन लोगों में दहशत हो गई है, जिन्होंने हाल ही में नारायनपुर में मुख्य आरोपी व उसके परिवार के खिलाफ धड़ाधड़ केस दर्ज कराए हैं। 23 सितंबर को जयसिंहपुर सीएचसी में तैनात संविदा चिकित्सक घनश्याम तिवारी की बड़ी बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। उन्हें बुरी तरह मारने के बाद दबंगई दिखाते हुए हत्यारों ने उनके शरीर को एक ई-रिक्शा में बैठाकर उनके घर भिजवा दिया था। इस घटना को लेकर सुल्तानपुर ही नहीं आसपास के जिलों में भी जबर्दस्त जनाक्रोश दिखाई दिया। चिकित्सक की शोकसभा में भी हजारों की संख्या में पहुंची भीड़ ने यह आक्रोश व्यक्त किया। यह आक्रोश पुलिस की लचर कार्रवाई को लेकर भी था।

मिशन शक्ति का 6 दिवसीय प्रशिक्षण हुआ संपन्न

त्रिगुट संवाददाता
गोंडा। महाराजा देवी बख्श इंटर कॉलेज बेलसर गोंडा में मिशन शक्ति के तहत सूचना लघु मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा छात्र दिवसीय महिला सुरक्षा सशक्तिकरण एवं जनता विकास प्रशिक्षण कुशल संपन्न हुआ समापन अवसर के पर मुख्य अतिथि थाना अध्यक्ष तरबगंज जबकि विशिष्ट अतिथि अतुल मिश्रा प्रधान प्रतिनिधि लिलोई, एवं यूपीकान फील्ड ऑफिसर धीरेंद्र प्रताप सिंह रहे इस अवसर पर थाना अध्यक्ष तरबगंज ने प्रशिक्षण प्राप्त कर महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब स्वावलंबी बने सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ उठाएं।

इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली सभी महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित किया।, कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अशोक कुमार ने किया। इस अवसर पर सुरेश चौधरी जिला प्रतिनिधि यूपीकॉन, विवेक कुमार विक्की, कविता, बीपी चौधरी, लक्ष्मी गौतम, रफत उस्मानी, सूरज गुप्ता, रमेश, लाल बहादुर कनौजिया, मनीष दुबे, रवि वर्मा आदि उपस्थित रहे।

बेसिक शिक्षकों की हुंकार पर झुका शासन, वार्ता को तैयार, शिक्षक बोले- दिक्कत सरकार से नहीं महानिदेशक से

लखनऊ। 21 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश भर के बेसिक व माध्यमिक शिक्षकों ने उत्तर प्रदेश शिक्षक महासंघ के बैनर तले महानिदेशक स्कूल शिक्षा पर धरना-प्रदर्शन किया। इसमें शामिल होने के लिए बसों से शिक्षक पहुंचे तो निदेशालय के आस-पास जाम लग गया। बेसिक व माध्यमिक शिक्षकों की लंबित मांगों को लेकर सोमवार को प्रदेश भर से बड़ी संख्या में शिक्षक राजधानी पहुंचे। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन कर सभा की। साथ ही स्पष्ट किया कि शिक्षक, सरकार से नहीं महानिदेशक विजय किरन आनंद की कार्यप्रणाली से नाराज हैं। शिक्षकों की हुंकार के आगे शासन झुका और लंबित मांगों पर वार्ता के लिए 16 अक्तूबर की तिथि तय की। इसके साथ शिक्षकों ने एक महीने के लिए धरना स्थगित कर दिया।

21 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश भर के बेसिक व माध्यमिक शिक्षकों ने उत्तर प्रदेश शिक्षक महासंघ के बैनर तले महानिदेशक स्कूल शिक्षा पर धरना-प्रदर्शन किया। इसमें शामिल होने के लिए बसों से शिक्षक पहुंचे तो निदेशालय के आस-पास जाम लग गया। धरने में शिक्षक महासंघ के अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने कहा की महानिदेशक भ्रम फैलाते हैं कि सरकार शिक्षकों से नाराज है, इसलिए शिक्षकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। इसी भ्रम में विभागीय अधिकारी, शिक्षकों को अपमानित व उत्पीड़न कर रहे हैं। महानिदेशक हर दिन शिक्षकों को नुकसान करने वाले निर्देश जारी करते हैं। इससे प्रदेश भर का शिक्षक नाराज है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश भर के शिक्षक सरकार से नहीं बल्कि महानिदेशक की कार्यप्रणाली से नाराज हैं। महासंघ के संयोजक सुरेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि माध्यमिक शिक्षकों की सेवा सुरक्षा संबंधी धारा-21 सेवा चयन आयोग से हटाकर शिक्षकों को प्रबंध तंत्र का गुलाम बनाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश का शिक्षक उसे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा। विधान परिषद में शिक्षक दल के नेता ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने कहा कि महानिदेशक स्कूल शिक्षा द्वारा किए जा रहे शिक्षक विरोधी कार्यों की जानकारी मुख्यमंत्री से मिलकर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का अपमान करने वाले अधिकारियों का विरोध किया जाएगा। महानिदेशक से वार्ता के बाद शिक्षक महासंघ के अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने कहा कि धरना एक माह के लिए स्थगित किया जाता है। यदि शिक्षकों की मांगों का निस्तारण नहीं किया जाता है तो एक माह बाद फिर से धरना देंगे। धरने में पूर्व एमएलसी हेमसिंह पुंडीर, सुभाष शर्मा, जगबीर किशोर जैन, संजय सिंह, नरेंद्र कुमार वर्मा, शिव शंकर पांडेय, सुधांशु मोहन, संजीव शर्मा, यशपाल सिंह समेत बेसिक व माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारी व शिक्षक उपस्थित रहे।

यह हैं शिक्षकों की प्रमुख मांग
पुरानी पेंशन बहाली, राज्य कर्मचारियों की भांति उपार्जित अवकाश, दूसरे शनिवार को अवकाश, प्रतिकर अवकाश, कैशलेस चिकित्सा, हर विद्यालय में प्रधानाध्यापक की पदोन्नति व तैनाती, शिक्षकों को प्रोन्नत वेतनमान, 10 लाख रुपए का सामूहिक बीमा, जिले के अंदर व बाहर पारस्परिक स्थानांतरण, माध्यमिक शिक्षकों की सेवा सुरक्षा संबंधित धारा 21 को शिक्षा सेवा चयन आयोग में शामिल किया जाए।

जब विधानसभा कूच का किया ऐलान
शिक्षकों के धरने के तीन घंटे बाद भी महानिदेशक स्कूल शिक्षा एक बजे तक कार्यालय नहीं आए। इससे नाराज शिक्षक नेताओं ने मंच से घोषणा की, कि यदि दो बजे तक वह वार्ता के लिए नहीं आते हैं तो शिक्षक विधानसभा कूच करेगा। इसके बाद तुरंत महानिदेशक पहुंचे और महासंघ के प्रतिनिधियों को बुलाकर वार्ता की। वार्ता में उपार्जित अवकाश, जिले के अंदर परस्पर स्थानांतरण, निशुल्क चिकित्सा सुविधा आदि सभी बिंदुओं पर वार्ता हुई और सहमति बनी की मांगों पर 16 अक्तूबर को शासन में वार्ता होगी। इसके बाद शासन आदेश जारी करेगा।

भारत से हारने के बाद फैमिली संग आस्ट्रेलिया टीम पहुंची लखनऊ

लखनऊ। क्रिकेट विश्वकप के तहत 12 अक्टूबर को होने वाले मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम लखनऊ पहुंच गई। अटल बिहारी वाजपेई इकाना स्टेडियम में होने वाले इस मुकाबले के लिए दक्षिण अफ्रीका टीम रविवार दिन में ही लखनऊ पहुंच गई थी। ऑस्ट्रेलिया टीम का आज एयरपोर्ट पर पारंपरिक ढंग से स्वागत किया गया। यहीं से टीम के खिलाड़ी सीधे अपने होटल की ओर रवाना हो गए।

रामकथा संग्रहालय में मौजूद होंगे रामजन्मभूमि मामले से जुड़े दस्तावेज

लखनऊ। अयोध्या में बनने वाले रामकथा संग्रहालय में श्रीराम जन्मभूमि की खोदाई में प्राप्त चीजों के अलावा मामले से जुड़े दस्तावेज मौजूद रहेंगे। इसे बेहद खास तरह से तैयार किया जाएगा। अयोध्या स्थित नवनिर्मित अंतर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय व आर्ट गैलरी में भगवान श्रीराम के मंदिर से जुड़ी दुर्लभ धरोहरों, संरचनाओं तथा उत्खनन में मिले विभिन्न अवशेषों को आम लोगों के देखने के लिए रखा जाएगा। संग्रहालय के संचालन व रखरखाव के लिए सोमवार को संस्कृति विभाग व श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास अयोध्या के बीच एमओयू हुआ। संग्रहालय का संचालन व रखरखाव अब न्यास करेगा। इस अवसर पर न्यास के महासचिव चंपत राय ने कहा कि भगवान श्रीराम का मंदिर एक लंबे इतिहास को समेटे हुए है। 06 दिसंबर 1992 से लेकर अब तक मंदिर निर्माण के दौरान खुदाई में दुर्लभ वस्तुएं मिली हैं। यह बहुमूल्य धरोहर हैं। पीएम मोदी ने कहा था कि यह खजाना है। मंदिर के नीचे उत्खनन से प्राप्त बहुमूल्य सामग्री तथा 1154 ईसवी के शिलालेख व पुरातत्व विभाग की ओर से उपलब्ध कराई गई सभी वस्तुओं को सुरक्षित रखा गया है।

इन सभी सामग्री को संग्रहालय में प्रदर्शित किया जायेगा। वर्ष 1885 के दौरान ब्रिटिश अधिकारियों के पत्र के अलावा फ्रांसीसी यात्री की प्रकाशित डायरी तथा अन्य दुर्लभ दस्तावेजों को सुरक्षित तथा संरक्षित रखा गया है। इन्हें भी संग्रहालय को हस्तान्तरित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सभी दुर्लभ सामग्रियों व कागजात के डिजिटलीकरण का प्रयास किया जाएगा। चंपत राय ने कहा कि सारा संसार राममय है। विश्व के कोने-कोने में राम से जुड़े ग्रंथों, पांडुलिपियों को आम जनता के देखने के लिए संग्रहालय में रखा जाएगा। अध्यक्ष निर्माण समिति श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि इस संग्रहालय में मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन मूल्यों से जुड़े विशिष्ट पहलुओं को प्रदर्शित किया जायेगा, जो आने वाली पीढ़ी को सदियों तक प्रेरणा देता रहेगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि अयोध्या स्थित संग्रहालय में एक छत के नीचे भगवान श्रीराम के मंदिर के इतिहास को दिखाया जायेगा। एमओयू के अनुसार सभी आवश्यक सामग्री श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास की ओर से संरक्षित की जायेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के निर्देशन में मंदिर का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। जनवरी 2024 में पीएम मोदी इसका उद्घाटन करेंगे, जिसकी प्रतीक्षा पूरी दुनिया कर रही है। श्रीराम मंदिर निर्माण के बाद यहां और बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक आएंगे। इससे न सिर्फ रोजगार बल्कि राजस्व भी बढ़ेगा। अयोध्या में भी काशी की तरह पर्यटकों की संख्या में कई गुना बढ़ोत्तरी होगी। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं है, जब भारत भगवान श्रीराम के आदर्शों पर चलते हुए विकसित राष्ट्र की श्रेणी में स्थापित होगा। इस अवसर पर 'लखनऊ की रामलीला' तथा %संस्कृति में राम' पुस्तक का अतिथियों ने विमोचन किया। प्रयागराज की सुप्रिया सिंह रावत व टीम ने भेड़िया नृत्य का प्रदर्शन किया।

RNI No. 46071/85
स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक टी.रजा रिज़वी ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।
गोण्डा कार्यालय
फोन/फैक्स-05262-230683
मो0- 09415120085
लखनऊ कार्यालय-
फोन- 0522-4028445
मो0- 09415249085
:- E-mail :-
trigutdainik@gmail.com